THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 268 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.5 2081 शुक्रवार, 20 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। यति नरसिंहानंद की धर्म संसद से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने धर्म संसद के खिलाफ कदम नहीं उठाने के लिए उत्तर प्रदेश प्रशासन और पुलिस के खिलाफ अवमानना याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने जिला अधिकारियों से कहा कि कानून-व्यवस्था कायम रहे। उत्तराखंड के हरिद्वार में पहले आयोजित 'धर्म संसद' कथित नफरत भरे भाषणों के कारण विवादों में घिर गई थी। इस संबंध में यति नरसिंहानंद और अन्य सहित कई व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा शुरू किया गया था। कार्यकर्ताओं और पूर्व नौकरशाहों ने गाजियाबाद जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश पुलिस के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की है।

राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज

> हत्या की कोशिश, आपराधिक कृत्य

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में धक्कामुक्की के बाद सत्तारूढ़ दल ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके बाद यह मामला बढ़ता जा रहा है। अभी बीजेपी नेताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि हमने दिल्ली पुलिस में राहुल गांधी के खिलाफ मारपीट और उकसावे की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि हमने मकर द्वार के बाहर आज हुई घटना का विस्तार से उल्लेख किया है, जहां एनडीए सांसद शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। हमने राहुल गांधी के खिलाफ धारा 109, 115, 117, 125, 131 और 351 के तहत शिकायत दी है। धारा 109 हत्या का प्रयास है, धारा 117 स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना है। भारतयी जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी के खिलाफ संसद मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि इनको कानून के उल्लंघन की आदत है। उनकी धक्का-मुक्की में दो सांसद गिरे और उनको चोट आई। हत्या के कोशिश की धाराओं में शिकायत दी है।

कुलगाम में एनकाउंटर 5 आतंकी ढेर

इनमें हिजबुल मुजाहिदीन का कमांडर भी, गोलीबारी में 2 जवान घायल

श्रीनगर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के कद्देर इलाके में सेना और पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन में 5 आतंकियों को ढेर कर दिया। इनमें हिजबुल मुजाहिदीन का कमांडर फारूक अहमद भट्ट भी शामिल है।

हालांकि, आतंकियों के शव मिलने बाकी हैं। मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए हैं। गुरुवार सुबह सेना और पुलिस को इलाके में आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद जॉइंट सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तलाशी के दौरान आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की।

पीएम ने मुकेश राजपूत और प्रताप सारंगी से बात की

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संसद भवन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के प्रदर्शन के दौरान चोटिल हुए भाजपा के सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत से फोन पर बात की। सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी ने दोनों सांसदों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। बता दें कि बाबा साहेब आंबेडकर के अपमान से संबंधित मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्यों ने संसद भवन के परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की हुई, जिसमें भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए।

'राहुल गांधी मेरे काफी करीब आए और चिल्लाने लगे'

नगालैंड की भाजपा सांसद फान्गनॉन कोन्याक का आरोप

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बाबासाहब आंबेडकर के अपमान से जुड़े मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष के सांसदों ने गुरुवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान कथित तौर पर हुई धक्का-मुक्की में भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत चोटिल हो गए। दोनों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच राज्यसभा में सरकार ने राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए। नगालैंड की भाजपा सदस्य फान्गनॉन कोन्याक् ने आरोप लगाया कि वह जब संसद के मकर द्वार के पास अन्य सांसदों के साथ प्रदर्शन कर रही थीं तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी उनके काफी समीप आ गए और उन पर चिल्लाने लगे।उन्होंने सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर कहा कि राहुल ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। उन्होंने मेरे मान-सम्मान को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष के नेता करीब आए और मुझे यह पसंद नहीं आया और उन्होंने चिल्लाना शुरू कर दिया।

आंबेडकर मुद्दे पर सियासत

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा दोनों आमने- सामने हैं। गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस को घेरा। दोनों नेताओं ने कांग्रेस पर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर झूठ बोलना बंद करे। कांग्रेस ने हमेशा डॉ. आंबेडकर को नजरअंदाज और अपमानित किया। जबकि भाजपा सरकार ने हमेशा बाबा साहेब की विरासत का सम्मान किया और कई सारे काम कराए। एक्स पर पोस्ट में नड्डा ने कहा कि कांग्रेस और उसका सड़ा हुआ पारिस्थितकी तंत्र तीसरी बार लोकसभा चुनाव हार गया और कई विधानसभा में उनका प्रदर्शन खराब रहा है। इसी साल नवंबर में भी कांग्रेस महाराष्ट्र में हार गई।

मुंबई कांग्रेस दफ्तर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की

मुंबई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई में गुरुवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस दफ्तर पर तोड़फोड़ की। दरवाजे और खिड़की के शीशे तोड़ डाले। कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगे सोनिया, राहुल, प्रियंका और मल्लिकार्जुन खड़गे के पोस्टर पर काला रंग फेंका।

पुलिस ने हालात काबू में करने के लिए पहले उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन उन्हें हिंसक होता देख लाठीचार्ज किया। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता घायल हुए हैं। तोड़फोड़ के दौरान भाजपा कार्यकर्ता वंदे मातरम का नारा लगा रहे थे। उनका कहना है कि अंबेडकर का अपमान अमित शाह ने नहीं, बल्कि कांग्रेस ने किया है।

'मोदी सरकार में देश रक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा' : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत पहले आधुनिक हथियारों और तकनीकी क्षेत्र में पीछे था, लेकिन मोदी सरकार के आने के बाद देश ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अभूतपूर्व गति से कदम बढ़ाए। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध तेजी से बदल रहा है, और हमें भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए उच्च तकनीकी कौशल अपनाने की जरूरत है। उन्होंने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से कहा कि वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों पर काम करें और देश की धरोहर को न भूलें। सिंह आईआईटी दिल्ली में इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के वार्षिक सम्मेलन में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई तकनीकें आने वाले समय में हर क्षेत्र में बड़ा प्रभाव डालेंगी। उनका कहना था कि भारत अभी इस तकनीकी विकास के शुरूआती चरण में है, लेकिन हमारा लक्ष्य इन तकनीकों पर काबू पाना है, ताकि भविष्य में इन्हें लोगों की भलाई के लिए इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा, पहले भारत आधुनिक हथियारों और तकनीकी मामलों में पीछे था, लेकिन मोदी सरकार के आने के बाद रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के रास्ते पर भारत ने तेजी से कदम बढ़ाए हैं।

बीजेपी सांसदों ने हमें सदन में घुसने से रोका : राहुल

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में आज हुए 'धक्काकांड' को लेकर कांग्रेस-बीजेपी आमने-सामने हैं। धक्का कांड को लेकर बीजेपी और कांग्रेस, दोनों ने संसद मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसी बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि संसद में बीजेपी ने अडानी के मामले पर चर्चा को रोकने की कोशिश की। बीजेपी शुरू से इस पर डिस्ट्रैक्शन कर रही थी। इसके बाद गृहमंत्री का आंबेडकर को लेकर बयान आया। बीजेपी की सोच आंबेडकर विरोधी है।

देश से माफी मांगे कांग्रेस : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत गुरुवार को संसद भवन की सीढ़ियों से गिर कर चोटिल हो गए। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर धक्का देने का आरोप लगाया। दोनों को आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इस मामले को लेकर संसद में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी माफी मांगनी चाहिए।

राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, इस तरह से कोई हाथ नहीं उठा सकता। माननीय अध्यक्ष जी, जिस तरह से राहुल गांधी ने दो सांसदों पर हमला किया, उससे हमारे सदस्यों में बहुत आक्रोश है। यदि हम भी वैसा ही व्यवहार करें और अपने हाथ भी वैसे ही उठाएं, तो स्थिति क्या होगी? हमारे पास संख्याबल है और हम डरपोक नहीं है। अगर हमारे लोग भी राहुल गांधी जैसे हाथ उठाने लगेंगे तो लोकतंत्र कैसे चलेगा। कांग्रेस पार्टी को सिर्फ संसद से नहीं पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। धक्का कांड को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह संसदीय इतिहास का काला दिन है। मर्यादा तार-तार हो गई है। लोकतंत्र कलंकित हुआ है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की गुंडागर्दी जैसा कोई दूसरा उदाहरण इससे बड़ा नहीं हो सकता। भारत के संसदीय इतिहास में ऐसा आचरण कभी नहीं देखा गया। अगर वे हरियाणा और महाराष्ट्र हार गए तो वे अपनी हताशा संसद में क्यों व्यक्त कर रहे हैं?

जगदीप धनखड़ को पद से हटाने की मांग वाला विपक्ष का नोटिस खारिज

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र में लगातार हंगामा जारी है। इस बीच, विपक्ष को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस खारिज कर दिया गया है। गौरतलब है कि राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था। विपक्षी दलों ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के लिए अनुच्छेद 67बी के तहत नोटिस दिया था। ये नोटिस राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी को सौंपा गया था।

देश में 72 साल के संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में राज्यसभा सभापति के खिलाफ कभी महाभियोग नहीं आया था। राज्यसभा के सभापति को हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 14 दिन पहले नोटिस दिया जाना जरूरी होता है, जबकि संसद का शीतकालीन सत्र ही 20 दिसंबर तक चलना है। धनखड़ पर सदन में पक्षपातपूर्ण बर्ताव करने का आरोप लगाया था। साथ ही इस नोटिस पर विपक्ष की तरफ से 60 सांसदों ने साइन किए थे। हालांकि, अब विपक्ष के मंसूबों पर पानी फिर गया।

आप विधायक नरेश बाल्यान का मकोका केस राऊज एवेन्यू कोर्ट में ट्रांसफर

दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला दिया

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बाल्यान के मकोका केस को पूरी तरह से द्वारका कोर्ट से राऊज एवेन्यू कोर्ट में ट्रांसफर किया है। दिल्ली पुलिस ने अपनी याचिका में मांग की थी कि इस केस के सभी आरोपियों की सुनवाई एक ही अदालत में हो इसलिए केस को ट्रांसफर किया जाए। दिल्ली पुलिस ने दलील दी कि नरेश बाल्यान की रिमांड के लिए राऊज एवेन्यू कोर्ट में जाना पड़ता है जबकि अन्य आरोपियों की सुनवाई द्वारका कोर्ट में होती है। इसके बाद हाईकोर्ट ने केस को ट्रांसफर करने का फैसला दिया। बता दें, 30 नवंबर को क्राइम ब्रांच ने नरेश बाल्यान को 2023 के जबरन वसूली मामले में गिरफ्तार किया था।

माता वैष्णो देवी मार्ग पर तीन दुकानों में लगी आग

जम्मू, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में माता वैष्णो देवी गुफा की तरफ जाने वाले रास्ते की तीन दुकानों में बुधवार को आग लग गई। तीनों दुकानें जलकर खाक हो गईं। यह घटना रियासी जिले के चरण पादुका क्षेत्र में हुई, जहां एक दुकान में लगी आग ने अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस, फायर सर्विस डिपार्टमेंट और श्राइन बोर्ड की टीम ने मिलकर आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। फिलहाल किसी हताहत होने की सूचना नहीं है।

गुजरात में शीतलहर और कोहरे से कांपे लोग

अहमदाबाद, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात में ठंड ने धीरे-धीरे अपना प्रकोप बढ़ा लिया है। गुजरात के ज्यादातर राज्यों में ठंडी हवाओं ने लोगों का जीना मुश्किल कर रखा है। गुजरात में ज्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास है। इस बीच मौसम विभाग ने गुजरात के 3 जिलों में 2 दिनों तक शीतलहर चलने का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग की तरफ से 19 दिसंबर को कच्छ, पोरबंदर और राजकोट में शीतलहर की चेतावनी जारी की गई है। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो नलिया का तापमान 7.5 डिग्री तक बढ़ गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य के कई हिस्सों में मौसम शुष्क रह सकता है। आज अहमदाबाद समेत राज्य के ज्यादातर शहरों में तापमान में बढ़ोतरी हुई है। इससे दिन में ठंड से आंशिक राहत मिली है। विभाग की माने तो उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी के कारण गुजरात में ठंड की लहर लौट आई है। गुजरात में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री से 19.6 डिग्री के बीच दर्ज किया गया है।

रेवाड़ी में तेंदुए को 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पकड़ा

दहशत का हुआ अंत

रेवाड़ी, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। रेवाड़ी के गांव कनुका में बुधवार को देर शाम आए तेंदुए को 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पकड़ लिया गया है। गनीमत रही कि तेंदुए ने किसी पर हमला नहीं किया। राजस्थान से यह तेंदुआ आया था। गुरुग्राम से आई वाइल्डलाइफ की टीम ने तेंदुआ को पकड़ा है। तेंदुए को पिंजरे में डालकर टीम अपने साथ ले गई। बता दें कि बुधवार को शाम के समय तेंदुआ गांव निवासी रणवीर के टीन शेड वाले कमरे में चला गया था। इस दौरान ग्रामीणों ने दरवाजे को बंद कर दिया था। मौके पर पुलिस की टीम को सूचना दी गई थी। सूचना पाकर बावल मोर एवं चिंकारा प्रजनन केंद्र झाबुआ की टीम भी गांव में गई थी। मगर सफलता नहीं मिल पाई थी। फिर वाइल्ड लाइफ की टीम गांव में पहुंची थी। वाइल्ड लाइफ की टीम गुरुग्राम से आई थी। ग्रामीणों ने बताया कि रोज की तरह बुधवार को शाम होने पर लोग अपने-अपने घरों में आराम कर रहे थे। तभी गांव में तेंदुए के आने का शोर हुआ। फिर मालूम चला कि रणवीर के टीन शेड वाले कमरे में तेंदुआ गया हुआ था। मौका पाकर सभी लोगों ने तेंदुए को कमरे में ही बंद कर दिया था।

आरएसएस : 'पहले भारत को अल्पसंख्यकों पर मिलती थी सलाह

अब हम अन्य देशों के देख रहे हालात', मोहन भागवत का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि भारत को अक्सर अपने अल्पसंख्यकों के मुद्दों का समाधान करने की सलाह दी जाती है। मगर अब हम अन्य देशों में अल्पसंख्यक समुदायों की स्थिति देख रहे हैं।

'अल्पसंख्यकों को करना पड़ रहा परेशानियों का सामना'

हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन समारोह में उन्होंने कहा कि दुनिया में शांति की बातें की जा रही हैं, लेकिन युद्ध नहीं रुक रहे। उन्होंने यह भी कहा कि हमें भारत में अल्पसंख्यकों के बारे में सलाह दी जाती है, लेकिन अब हम देख रहे हैं कि अन्य देशों में अल्पसंख्यक समुदायों को किस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

'मनुष्य का धर्म सभी धर्मों का मूल'

आरएसएस प्रमुख ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा का कोई जिक्र नहीं किया। हालांकि, हाल के हफ्तों में आरएसएस ने शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद उस देश में हिंदुओं की स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी। भागवत ने कहा, 'मनुष्य का धर्म (मानव धर्म) सभी धर्मों का मूल है, जो एक विश्व धर्म है और इसे हिंदू धर्म भी कहा जाता है। हालांकि, दुनिया ने इस धर्म को भुला दिया है, जिसके कारण आज पर्यावरण और अन्य समस्याएं सामने आ रही हैं।

भारत के बिना दुनिया में शांति लाना संभव नहीं: भागवत

उन्होंने कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि भारत के बिना दुनिया में शांति संभव नहीं है, क्योंकि इसका पारंपरिक ज्ञान और अनुभव ही इसे साकार कर सकता है, जैसा कि पिछले 3,000 वर्षों से दिखाया गया है। भारत का यह जिम्मा है कि वह दुनिया को शांति की दिशा में मार्गदर्शन करे।

राष्ट्र निर्माण में आरएसएस के योगदान को कोई नजरअंदाज नहीं कर सकता: एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को नागपुर में आरएसएस के संस्थापक डॉ. केबी हेडगेवार की स्मृति स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि कोई भी आरएसएस के राष्ट्र निर्माण में योगदान को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

संघ से सीखना चाहिए कैसे बिना उम्मीद के करना चाहिए काम

शिंदे ने नागपुर के रेशमीबाग में डॉ. हेडगेवार स्मृति स्थल का दौरा करने के बाद पत्रकारों से कहा कि संघ परिवार और शिवसेना की विचारधारा एक जैसी है। उन्होंने बताया कि वह बचपन से संघ परिवार से जुड़े हुए हैं और पहले संघ शाखा में शामिल हुए, फिर शिव सेना शाखा में गए। उन्होंने कहा कि संघ परिवार और शिव सेना की विचारधारा एक ही है, और संघ परिवार से यह सिखना चाहिए कि बिना किसी उम्मीद के काम कैसे करना चाहिए। शिंदे ने यह भी कहा कि संघ का कार्य बिना किसी स्वार्थ के होता है और संघ की शिक्षा समाज को एकजुट करने की होती है, न कि बांटने की।

उन्होंने कहा कि हेडगेवार के स्मारक पर जाकर एक नई ऊर्जा मिलती है। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, परिषद की उपसभापति नीलम गोरे और सत्ताधारी दलों के अन्य विधायक भी श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे और संघ के पदाधिकारियों से संघ के बारे में जानकारी ली।

मुंबई नाव हादसे में 2 लोग अभी भी लापता

मुंबई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में बुधवार को नाव हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। ये तीनों नासिक के रहने वाले थे। उधर, अब तक हादसे में दो लोगों के लापता होने की सूचना है। इनमें से एक वयस्क पुरुष और एक बच्चा है। लापता लोगों की तलाश जारी है। मुंबई में नाव दुर्घटना में नासिक जिले के पिंपलगांव के अहेर परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया। इस परिवार के दंपती और एक बच्चे की मौत हो गई। पिंपलगांव के राकेश नाना अहेर दो दिन पहले इलाज के लिए अपनी पत्नी और बेटे के साथ मुंबई गए थे। अस्थमा के इलाज के लिए वे मुंबई आए थे। शाम को मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया के पास यात्री नाव से समुद्री सफारी का आनंद लेने गए थे, लेकिन नौसेना की स्पीड बोट के साथ एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में अहेर परिवार के तीन सदस्यों की जान चली गई। दूसरी तरफ बीएमसी की ओर से बताया गया है कि मुंबई नाव दुर्घटना में कुल 105 लोगों को 5 अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। 90 को या तो छुट्टी दे दी गई है या उनकी हालत स्थिर है। 2 लोगों की हालत गंभीर है। घटना में 13 लोगों की मौत हो गई है। भारतीय नौसेना सहित विभिन्न एजेंसियों की ओर से खोज और बचाव अभियान अभी भी जारी है।

सीबीआई जांच से संतुष्ट नहीं पीड़िता के माता-पिता

नए सिरे से जांच के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर

कोलकाता, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। आरजीकर अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले में पीड़िता के माता-पिता ने गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में नई याचिका दायर की। उन्होंने अपराध की जारी जांच पर असंतोष जताया और अदालत से नए सिरे से जांच के लिए निर्देश देने का आग्रह किया। जस्टिस तीर्थंकर घोष ने माता-पिता के वकील से कहा कि वह केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को याचिका में पक्षकार बनाएं और सोमवार को मामले को अदालत में फिर से पेश करें। अभी सीबीआई ही मामले की जांच कर रही है। यह मामला नौ अगस्त को सामने आया था, जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सेमिनार हॉल में ड्यूटी पर तैनात ट्रेनी डॉक्टर का शव पाया गया था। सियालदह कोर्ट ने 13 दिसंबर को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और तला थाने के अधिकारी अभिजीत मंडल को इस मामले में जमानत दे दी थी। उन्हें जमानत इसलिए दी गई, क्योंकि सीबीआई उनके खिलाफ तीन महीने की कानूनी समय सीमा के भीतर आरोप पत्र दाखिल नहीं कर पाई थी। घोष पर मामले में साक्ष्यों से छेड़छाड़ का आरोप था। जबकि पुलिस अधिकारी पर प्राथमिकी दर्ज करने में देरी करने का आरोप था। सीबीआई ने मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। इस आरोप पत्र में कहा गया है कि रॉय ने कथित तौर पर यह अपराध तब किया जब डॉक्टर अपनी ड्यूटी के दौरा अस्पताल के सेमिनार हॉल में सोने चली गई थी। संजय रॉय स्थानीय पुलिस के साथ नागरिक स्वयंसेवक के रूप में काम करता था।

इस राज्य के 2 जिलों में हाइब्रिड मोड में किए गए सभी स्कूल, प्रशासन ने बताए कारण

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के बाद अब हरियाणा सरकार ने भी अपने 2 जिलो में स्कूलों को हाइब्रिड मोड में रहने का आदेश जारी कर दिया है। हरियाणा स्कूल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने फरीदाबाद और गुरुग्राम जिलों के सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों को हाइब्रिड मोड में कक्षा 10वीं और 12वीं को छोड़ सभी क्लास आयोजित करने को कहा है। यह कदम दिल्ली एनसीआर में बढ़ते पॉल्यूशन लेवल को देखते हुए लिया गया है। जानकारी दे दें कि यह फैसला ग्रैप-4 के साथ ही लागू कर दिया गया है। हाल में कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया था कि वे बच्चों के हित में ऑनलाइन क्लास आयोजित करें। इसके बाद हरियाणा सरकार ने इसके लिए एक नोटिस भी जारी किया है।

यह नोटिस गुरुग्राम और फरीदाबाद के प्रशासन को भेजी गई है। नोटिस में कहा गया, आयोग द्वारा जारी किए गए 13.12.2024 के आदेश के अनुसार नवीनतम सीएक्यूएम अनुसूची के चरण- आईवी के तहत परिकल्पित सभी कार्रवाइयों को पूरे एनसीआर में सभी एजेंसियों द्वारा सही मायने में तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए, इसके अलावा संशोधित सीएक्यूएम अनुसूची (दिसंबर 2024) के चरण- I से चरण- तृतीय के तहत पहले से ही लागू कार्रवाई की जानी चाहिए।

नीट पीजी में एनआरआई कोटे की सीटें भरने पर अंतरिम रोक

जबलपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने नीट पीजी काउंसिलिंग में एनआरआई कोटे की सीटों को लेकर अंतरिम आदेश जारी किया है जिसके तहत इन सीटों को भरने पर फिलहाल हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। हाई कोर्ट ने यह फैसला सीट मैट्रिक्स को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। भोपाल निवासी डॉक्टर ओजस यादव ने सीट मैट्रिक्स को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि निजी मेडिकल कॉलेज में 15% सीटें एनआरआई कोटे के लिए है, लेकिन डीएमई ने आरक्षण समान रूप से लागू नहीं किया है। बहरहाल हाई कोर्ट के इस अंतरिम रोक के चलते एनआरआई कोटे की सीटें खाली रहेगी। फैसले के बाद ही इन सीटों पर काउंसिलिंग और आवंटन हो सकेगा। मामले पर शासन की तरफ से अतिरिक्त महाधिवक्ता जानवी पंडित ने कहा कि नियमों के तहत 15% सीटें एनआरआई कोटे के लिए हैं उसी के अनुरूप प्रक्रिया पूरी की गई है। अरविंदो मेडिकल कॉलेज ने भी सीट मैट्रिक्स को सही ठहराया और इसे नियमों के अनुसार बताया।

कांग्रेस का भाजपा पर बड़ा आरोप, कहा- एक्स प्लेटफार्म से अमित शाह का भाषण हटाने के लिए कहा

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा को घेर रही कांग्रेस ने एक और बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस ने एक ईमेल का हवाला देते हुए दावा किया कि भाजपा सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स से गृह मंत्री अमित शाह के बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर दिए गए भाषण को हटाने को कहा है। कांग्रेस ने कहा कि शाह ने अक्षम्य अपराध किया है। गृह मंत्री को देश से माफी मांगनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता और सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफार्म की प्रभारी सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि कांग्रेस नेताओं, सांसदों और पार्टी को एक्स से एक ईमेल मिला है। इस ईमेल में कहा गया है कि भारत सरकार ने उनसे शाह के उन भाषण को हटाने को कहा है, जिसे उन्होंने साझा किया है। हालांकि एक्स ने इसे हटाने से इनकार कर दिया है। अगर शाह को लगता है कि उनके भाषण में कुछ भी गलत नहीं है, तो उनके मंत्रालय ने एक्स से भाषण को हटाने के लिए क्यों कहा है? श्रीनेत ने कहा कि उन्होंने जो भाषण साझा किया था वह शाह का मूल भाषण था और इसे एडिट नहीं किया गया था। उन्होंने राज्यसभा की वेबसाइट पर उपलब्ध गृह मंत्री के भाषण का 34 पृष्ठ का असंपादित पाठ भी दिखाया। कांग्रेस प्रवक्ता ने दावा किया कि संविधान निर्माता के प्रति ऐसी टिप्पणी अपमानजनक और असम्मानजनक है। शाह ने अपने वैचारिक पूर्वजों की उसी मानसिकता को उजागर किया है, जिन्होंने हमेशा आंबेडकर का विरोध किया। उन्होंने भाजपा की ओर से एक्स पर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन की तस्वीर

बदलने पर भी हमला बोला। श्रीनेत कहा कि भाजपा के एक्स हैंडल पर आंबेडकर की तस्वीर की जगह जॉर्ज सोरोस की तस्वीर लगा दी गई, जिन्हें भाजपा राष्ट्र-विरोधी कहती है। भाजपा ने डॉ. आंबेडकर की तस्वीर बदलने की हिम्मत कैसे की? ठीक इसी तरह वे सोचते हैं कि भारत के संविधान को बदल सकते हैं। कांग्रेस भाजपा की दबावपूर्ण रणनीति से डरने या डरने वाली नहीं है।

संविधान निर्माता का सम्मान नहीं करती भाजपा: केसी वेणुगोपाल

भाजपा की ओर से एक्स पोस्ट में आंबेडकर की तस्वीर को सोरोस से बदलने पर कांग्रेस ने कहा कि भाजपा संविधान निर्माता का सम्मान नहीं करती है। अपने राजनीतिक लक्ष्य को पूरा करने के लिए भाजपा उनका कद कम कर रही है। भाजपा के एक्स पोस्ट का स्क्रीनशॉट और विरोध प्रदर्शन की मूल तस्वीर साझा करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रभारी संगठन केसी वेणुगोपाल ने कहा कि भाजपा डॉ. आंबेडकर का अपमान और उपहास करने में बेशर्म है। अमित शाह के बयानों से बाबा साहब के करोड़ों अनुयायियों को जो भारी ठेस पहुंची है, उसके लिए गृह मंत्री को उनके पद से हटाने के बजाय वे उपहास को दोगुना कर रहे हैं। क्या आंबेडकर के अपमान के खिलाफ उनके पक्ष में खड़ा होना भाजपा के लिए मजाक की बात है? वे डॉ. आंबेडकर की विरासत जैसे संवेदनशील मामले पर भी अपने सड़े हुए झूठ को सामने ला रहे हैं।

बता दें कि भाजपा ने बुधवार को एक्स पर संसद में प्रदर्शन करते हुए विपक्षी इंडिया गठबंधन के सांसदों की एक तस्वीर पोस्ट की थी।

इस पोस्ट में दिखाया गया कि प्रदर्शन कर रहे सांसद हाथ में आंबेडकर की तस्वीर पकड़े हुए हैं। भाजपा के पोस्ट में सांसदों को आंबेडकर की जगह जॉर्ज सोरोस की तस्वीर पकड़े दिखाया गया है। इस पोस्ट में लिखा है कि नमस्ते, कांग्रेस और इंडी गठबंधन। हमने आपके लिए छवि ठीक कर दी है। आपका स्वागत है।

पंजाब सीएम भगवंत मान ने विपक्षी दलों पर साधा निशाना; बोले- आपसी लड़ाई में लोगों की अनदेखी की

अमृतसर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान इन दिनों नगर निगम चुनाव के प्रचार प्रसार जुटे हुए है। इसी के तहत सीएम भगवंत मान बीते दिन अमृतसर नगर निगम चुनावों में आप उम्मीदवारों के लिए प्रचार प्रसार किया। सीएम भगवंत मान ने अमृतसर की ऐतिहासिक सड़कों पर एक विशाल जनसभा आयोजित की। इसमें उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए पिछले चुनावों में पार्टी का समर्थन करने के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान सीएम मान ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन पर आपसी लड़ाई और लोगों की जरूरतों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए सीएम मान ने कहा कि इन लोगों ने अपनी आपसी लड़ाई और लोगों की जरूरतों की अनदेखी की है। इस दौरान उन्होंने वोटर्स से अपील की कि इन लोगों पर दोबारा भरोसा न जताने के लिए कहा है। इस दौरान सीएम मान ने अमृतसर के अद्वितीय ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। साथ ही अमृतसर के बुनियादी ढांचे, अर्थव्यवस्था और पर्यटन क्षमता को बढ़ाने को लेकर, राज्य सरकार का जो विजन है उसे भी समझाया है।

माल्या बोले- क्या अब ईडी से राहत मिलेगी

बैंकों ने मेरे कर्ज से दोगुना वसूला; सीतारमण बोली थीं- बिजनेसमैन से 14,130 करोड़ रिकवर किए

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। भगोड़े कारोबारी विजय माल्या एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानी ईडी से राहत की मांग की है। माल्या ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि ईडी और बैंक उसके द्वारा लिए गए कर्ज से दोगुना वसूल चुके हैं। माल्या ने कहा, कर्ज रिकवर करने वाले ट्रिब्यूनल ने किंगफिशर एयरलाइंस (केएफए) का कर्ज 6203 करोड़ रुपए आंका है, इसमें 1200 करोड़ रुपए का ब्याज भी शामिल है, लेकिन बैंकों ने 14,130 करोड़ रुपए से ज्यादा रिकवर कर लिया है। वित्त मंत्री ने बताया कि ईडी के जरिए बैंक 6203 करोड़ रुपए के कर्ज की जगह मेरी संपत्ति बेचकर 14,131.6 करोड़ रुपए रिकवर कर लिया है और मैं अब भी एक आर्थिक अपराधी हूं। जब तक ईडी और बैंक कानूनी रूप से यह साबित नहीं कर देते कि उन्होंने दोगुने से ज्यादा कर्ज कैसे वसूल लिया, तब तक मैं राहत पाने का हकदार हूं और मैं इसके लिए प्रयास करूंगा। केएफए पर लोन के गारंटर के रूप में मैंने जो कुछ भी कहा है, वह कानूनी रूप से वैरीफाई किया जा सकता है। फिर भी जजमेंट डेट से पहले और बाद में 8000 करोड़ रुपए से ज्यादा की वसूली की गई है। मैंने कभी किसी से एक रुपए उधार नहीं लिया, चोरी नहीं की। लेकिन केएफए के लोन के गारंटर के रूप में मुझ पर सीबीआई ने आईडीबीआई बैंक के अधिकारियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी से बैंक से 900 करोड़ रुपए का लोन लेने का आरोप लगाया है। आईडीबीआई की क्रेडिट कमेटी और बोर्ड ने उस लोन को अप्रूव किया था। पूरा लोन और इंटरेस्ट चुकाया गया। 9 साल बाद धोखाधड़ी और धन के दुरुपयोग का कोई निर्णायक सबूत क्यों नहीं है? दो दिन पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बताया था कि विजय माल्या की संपत्तियों को बेचकर बैंकों ने 14,130 करोड़ रुपए से ज्यादा रिकवर कर लिया है। इसके अलावा ईडी और बैंकों ने भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी से 1,052.58 करोड़ और मेहुल चौकसी और अन्य से 2,565.90 करोड़ रुपए सहित कुल 22,280 करोड़ रुपए की रिकवरी की है।

देश में पहली बार ब्रिटेन में हत्या का दोषी सूरत की जेल में काटेगा सजा

सूरत, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन के बीच हुई एक संधि के बाद पहली बार यूनाइटेड किंगडम की एक अदालत ने एक शख्स को हत्या का दोषी ठहराया। यह व्यक्ति अपनी बाकी की सजा गुजरात के सूरत में काटेगा। गुजरात के उमर गांव के रहने वाले आरोपी जिगु सोरथी को 2020 में एक महिला की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था। 23 साल के आरोपी जिगु ने अपनी 21 साल की मंगेतर भाविनी की बेरहमी से चाकू से कई वार कर हत्या कर दी थी। ब्रिटेन के लेस्टर कोर्ट ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई जिसके तहत जिगु 4 साल की सजा ब्रिटेन में काट चुका है। ब्रिटेन की अदालत में चल रहे मुकदमे के दौरान जिगु सोरठी ने भारत लौटने का अनुरोध किया। जिसके बाद जिगु सोरठी को सूरत पुलिस को सौंप दिया गया। यूके सरकार और भारत सरकार के बीच हुए समझौता है, जिसके आधार पर जिगु को बाकी की सजा काटने के लिए सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल में ट्रांसफर कर दिया गया। सूरत के पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत के मुताबिक, जिगु के प्रत्यर्पण के संबंध में गृह मंत्रालय से एक आदेश मिला। उन्होंने बताया कि उमर गांव का रहने वाला जिगू सोरथी ब्रिटेन में हत्या के मामले में दोषी है। वहां अपनी कुछ सजा पूरी करने के बाद बाकी की सजा सूरत की लाजपोर जेल में काटेगा। गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार, सूरत सिटी के एसीपी के नेतृत्व में हमारी टीम दिल्ली गई। आरोपी को ब्रिटिश अधिकारियों से हिरासत में लिया और उसे सूरत ले आई। भारत और ब्रिटेन की सरकारों के बीच हुए समझौते के अनुसार, वह अब अपनी सजा यहीं काटेगा।

48 वोटों से जीत मामले में आया हाई कोर्ट का फैसला, शिवसेना सांसद ने ली राहत की सांस

मुंबई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार (19 दिसंबर) को लोकसभा चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार रहे अमोल कीर्तिकर की याचिका खारिज कर दी। उन्होंने एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना के नेता रवींद्र वायकर की जीत को चुनौती दी थी। कीर्तिकर ने अपनी याचिका में हाई कोर्ट से मुंबई उत्तर-पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य के रूप में वायकर के चुनाव को रद्द करने की मांग की थी। हालांकि जस्टिस संदीप मार्ने की एकल पीठ ने याचिका खारिज कर दी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के नेता कीर्तिकर ने अपनी याचिका में दावा किया कि मतगणना के दिन ही उन्होंने मतों की पुनर्गणना की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया था। कीर्तिकर लोकसभा चुनाव में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के वायकर से

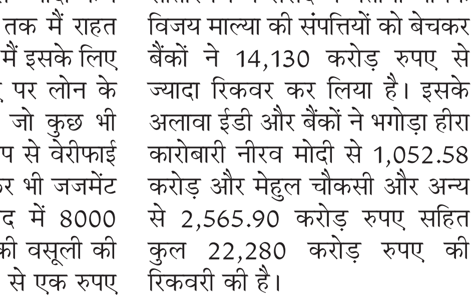

48 वोटों के मामूली अंतर से हार गए थे। वायकर को 452644 वोट मिले, वहीं कीर्तिकर को 452596 वोट मिले। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने अपनी याचिका में दावा किया कि मतगणना प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए नियुक्त चुनाव अधिकारियों की ओर से कई गंभीर चूक हुईं, जिसके कारण चुनाव परिणाम प्रभावित हुए। याचिका में कहा गया कि वास्तविक मतदाताओं के स्थान पर 333 फर्जी मतदाताओं द्वारा डाले गए वोटों को गलत तरीके से स्वीकार किया गया। जिससे मतगणना प्रक्रिया से संबंधित नियमों/आदेशों का उल्लंघन हुआ। इसमें आगे आरोप लगाया गया है कि मतगणना के समय रिटर्निंग अधिकारी ने बहुत जल्दबाजी और स्पष्ट मनमानी दिखाई। कीर्तिकर ने याचिका में अदालत से पूरी मतगणना प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग भी तलब करने की मांग की। रवींद्र वायकर एक समय में उद्धव ठाकरे के करीबियों में थे। हालांकि उन्होंने लोकसभा चुनाव से पहले एकनाथ शिंदे का हाथ थाम लिया। पार्टी ने उन्हें मुंबई उत्तर-पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया और उन्होंने करीबी मुकाबले में जीत दर्ज की।

सुविचार: अपने दुःखों को भूलने के लिए परात्मामा को याद करो

तेलंगाना आंदोलन में लड़ने वालों का नाम इतिहास में होना चाहिए : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुस्तक मेले में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि अपनी कलम और आवाज के माध्यम से जनसंघर्ष करने वाले कवियों और कलाकारों ने पुस्तक मेले के मंचों पर कवियों और कलाकारों के नाम रखकर एक संदेश दिया है। जब तेलंगाना विधेयक संयुक्त आंध्र प्रदेश विधानसभा में पेश किया गया था, तो मैंने कहा था कि संघर्ष में मरने वालों के बारे में इतिहास में कुछ उपेक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र किसान संघर्ष के इतिहास, तेलंगाना आंदोलन के पहले और तीसरे चरण में भी कुछ विकृति आई। जिन लोगों को राजनीतिक लाभ मिला उन्हें तेलंगाना आंदोलन में शामिल होने वालों की तुलना में अधिक प्रसिद्धि मिली। तेलंगाना आंदोलन में लड़ने वालों का नाम इतिहास में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने संयुक्त एपी विधानसभा में तेलंगाना विधेयक पर बात की, जो मैंने पढ़ी किताबों और मेरे द्वारा गाए गीतों से एकत्रित की। टेक्नोलॉजी बढ़ने के साथ-साथ डिजिटल मीडिया के कारण किताबों का महत्व कम होता जा रहा है। हैदराबाद पुस्तक मेले का आयोजन कर वे अगली पीढ़ी को प्रेरणा दे रहे हैं। इतिहास का अध्ययन करके हम आने वाली पीढ़ियों को एक अच्छा संदेश दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद पुस्तक मेले को राज्य सरकार द्वारा बढ़ावा दिया जाएगा। सिर्फ एक अच्छा संदेश देने के लिए मैंने और हमारे मंत्रियों ने पुस्तक मेले में भाग लिया। पुस्तक मेला सामाजिक जागरूकता और समाज में बदलाव पर चर्चा करने का एक अच्छा मंच है। नई पीढ़ी को सिर्फ गूगल के बारे में पता है। इतिहासकारों की लिखी किताबें पढ़ने से इतिहास में लुप्त हुए लोगों का इतिहास पता चल जाएगा। यह तभी पता चलेगा जब इतिहासकार लड़ने और मरने वालों के बारे में लिखेंगे। पिछले दस वर्षों से कुछ लोग यह बात फैला रहे हैं कि उनके पक्ष में लिखा गया इतिहास ही असली इतिहास है। इतिहासकारों को मान्यता देने के लिए तेलुगु विश्वविद्यालय का नाम सुरवरम प्रताप रेड्डी के नाम पर रखा गया। कालोजी और दाशरथी जैसे कवियों ने तेलंगाना में पहले आंदोलन को प्रेरित किया। अंदेश्री, गुडा अंजैया, गद्दर जैसे लोगों ने तेलंगाना आंदोलन को प्रेरित किया। सच्चा इतिहास बताने के लिए आयोजित पुसकटा प्रदर्शनी को राज्य सरकार उचित सम्मान देगी।

सुरक्षा बढ़ाने और यात्री शिकायतों के समाधान पर होगा विचार-विमर्श

> पांचवां अखिल भारतीय जीआरपी प्रमुख सम्मेलन

नई दिल्ली/हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा समन्वित रेल मंत्रालय के साथ जीआरपी प्रमुखों का पांचवां अखिल भारतीय सम्मेलन विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों और सुरक्षा नेताओं ने यात्री सुरक्षा, अपराध शमन रणनीतियों और रेलवे सुरक्षा बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण जनशक्ति आवश्यकताओं पर विचार-विमर्श किया।

सम्मेलन की शुरुआत रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार के मुख्य भाषण से हुई, जिन्होंने देश भर में लाखों रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में राज्य पुलिस बलों (जीआरपी) और आरपीएफ के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया, जिसमें यात्री शिकायतों और मामलों के पंजीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते, ऑपरेशन एएएचटी और मेरी सहेली जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से रेलवे में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ के प्रयासों की भी सराहना की। अपने स्वागत भाषण में, डीजी आरपीएफ मनोज यादव ने उभरती चुनौतियों, विशेष रूप से बढ़ते यात्री अपराधों से निपटने के लिए सुरक्षा बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। चर्चा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रेल मदद पोर्टल पर पंजीकृत यात्री शिकायतों और दर्ज किए जा रहे वास्तविक मामलों के तुलनात्मक विश्लेषण के इर्द-गिर्द घूमता रहा, जिसमें रेलवे में होने वाले बड़े अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर मुख्य ध्यान दिया गया, जिसमें जीरो एफआईआर के कुशल संचालन और तेजी से अपराध रिपोर्टिंग, सुव्यवस्थित साक्ष्य प्रबंधन और राज्यों में प्रभावी जांच की सुविधा के लिए ई-एफआईआर सिस्टम के एकीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। एक अन्य प्रमुख फोकस क्षेत्र रेलवे के विभिन्न बुनियादी ढांचे और जनशक्ति से संबंधित मामलों पर चर्चा थी। प्रतिभागियों ने जीआरपी की जनशक्ति और बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं को निर्धारित करने के लिए समान बेंचमार्क बनाने की खोज की, जिसमें विविध भौगोलिक परिस्थितियों और रेलवे संचालन की जटिलताओं को ध्यान में रखा गया। इन बेंचमार्क को समयबद्ध तरीके से निर्धारित करने के लिए एक समिति नामित की गई है। सत्र में भारत के व्यापक रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा मांगों को पूरा करने के लिए एक संरचित, स्केलेबल ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। अपने समापन भाषण में, डीजी आरपीएफ ने सम्मेलन की सहयोगात्मक भावना की सराहना करते हुए कहा, इस सम्मेलन ने रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने के हमारे सामूहिक संकल्प की पुष्टि की है। जनशक्ति की चुनौतियों का समाधान करके, अपनी प्रणालियों का आधुनिकीकरण करके और अपने अपराध प्रतिक्रिया तंत्र में सुधार करके, हम लाखों यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रहे हैं। राज्य जीआरपी की भूमिका और भारतीय रेलवे के साथ उनकी साझेदारी इस यात्रा में महत्वपूर्ण है और हमें मिलकर रेलवे सुरक्षा के लिए नए मानक स्थापित करने चाहिए।

अयाकट विस्तार को लक्ष्य बनाकर सिंचाई परियोजनाओं को प्राथमिकता : उत्तम

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने लागत प्रभावी सिंचाई परियोजनाओं के लिए एक बड़ा कदम उठाने की घोषणा की, जिसका लक्ष्य अगले पांच वर्षों में अयाकट को 30 लाख एकड़ तक विस्तारित करना है। गुरुवार को तेलंगाना विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान बोलते हुए, उन्होंने कांग्रेस सरकार के दक्षता, रोजगार सृजन और सिंचाई क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करने पर प्रकाश डाला। सीमित परिणामों के साथ 1.81 लाख करोड़ रुपये खर्च करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने न्यूनतम व्यय के साथ कवरेज को अधिकतम करने, समय पर निष्पादन, आधुनिकीकरण और सिंचाई परियोजनाओं के परिचालन स्थिरता को प्राथमिकता देने के लिए एक व्यापक रणनीति की रूपरेखा तैयार की। मंत्री ने खुलासा किया कि श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग को संयुक्त राज्य अमेरिका से आयातित उन्नत टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) उपकरणों के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसकी संशोधित परियोजना लागत 4,650 करोड़ रुपये स्वीकृत की गई है। दो साल के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। कांग्रेस सरकार ने बुनादिगानी, धर्मारेड्डी और पिल्लईपल्ली नहरों सहित नहर परियोजनाओं के लिए 294.18 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसका उद्देश्य नकरेकल, मुनुगोड़े, भोंगीर, अलेयर और तुंगतुर्थी निर्वाचन क्षेत्रों में 66,000 एकड़ जमीन को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराना है। हालांकि पिल्लईपल्ली और धर्मारेड्डी नहरों के लिए निविदाएं जारी नहीं की गई हैं, लेकिन क्रमशः 123.98 करोड़ रुपये और 86.22 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं के दो साल के भीतर पूरा होने की उम्मीद है, जिससे 40,000 एकड़ से अधिक भूमि को सिंचाई मिल सकेगी। धर्मारेड्डीपल्ली नहर भोंगीर और नकरेकल निर्वाचन क्षेत्रों में 17,787 एकड़ भूमि की सिंचाई करेगी, जबकि पिल्लईपल्ली नहर भोंगीर, मुनुगोड़े और नकरेकल निर्वाचन क्षेत्रों में 22,500 एकड़ भूमि को लाभान्वित करेगी। डिंडी लिफ्ट सिंचाई योजना के लिए जल आवंटन पर अंतिम निर्णय एक महीने के भीतर लिया जाएगा, स्थानीय विधायक वेमुला वीरशम को लंबित भूमि अधिग्रहण की देखरेख का काम सौंपा गया है। उत्तम कुमार रेड्डी ने ब्राह्मणवेल्लामला परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए 37 करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा की, साथ ही इस सप्ताह 22 करोड़ रुपये अतिरिक्त जारी किए जाएंगे।

छात्र की पिटाई को लेकर विरोध प्रदर्शन

माता-पिता ने दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिलसुखनगर के एक स्कूल में एक शिक्षक द्वारा 'अयप्पा दीक्षा' पर गए एक छात्र की कथित तौर पर पिटाई करने के विरोध के बाद तनाव व्याप्त हो गया। नारायण हाई स्कूल, दिलसुखनगर में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र वासी करण को बुधवार को कक्षा में व्यवधान डालने के कारण गणित के शिक्षक यूसुफ राजा ने कथित तौर पर पीटा। लड़के ने घर जाकर अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी।

गुरुवार को बड़ी संख्या में एबीवीपी कार्यकर्ता और छात्र के माता-पिता स्कूल पहुंचे और शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही पुलिस स्कूल पहुंची और तत्काल अतिरिक्त बल तैनात किया। पुलिस ने स्कूल प्रबंधन और छात्र के अभिभावकों से बातचीत की। लड़के के माता-पिता ने शिक्षक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.30247601, दिनांक :13.12.2024

कार्य का नाम : IGBT आधारित सहायक कन्वर्टर। (वारंटी अवधि: वितरण की तारीख के बाद 30 महीने), (जाँच एजेन्सी : TPI, स्टेज निरीक्षण : नहीं, स्टेज-0), मात्रा : 1 सेट।

द्रष्टव्य: सामग्री 120 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 13.01.2025 को 1500 बजे।

संपूर्ण विस्तृत विवरण उपलब्ध होंगे www.ireps.gov.in में।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-812/P/24-25

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.WAT-RSO-TENDER-05-2024

स्थान सहित कार्य का नाम : तीस महीने की समयावधि के लिए विद्युत (OP)/वाल्टियर मण्डल के गैस, सूखे रासायनिक पाउडर की पुन:भराई (Refilling) और त्रुटिपूर्ण स्पेयर पार्ट्स के प्रतिस्थापन सहित विभिन्न आकारों के अग्नि शामकों (Fire Extinguishers) का रख-रखाव।

निविदा मूल्य (रुपये में): 2,07,008.92, EMD (रुपये में): 4,200/-, निविदा फॉर्म की लागत(रुपये में): 11,800/-, कार्य पूरा होने की अवधि : तीस महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 04.01.2025 को 1200 बजे।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता(OP), वाल्टियर

PR-813/P/24-25

किराना स्टोर से गांजा मिली

2,400 चॉकलेट जब्त

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद एसओटी पुलिस ने बुधवार रात जगतगिरिगुट्टा में एक किराना दुकान से 13 किलोग्राम गांजा मिश्रित चॉकलेट जब्त की। गुप्त सूचना के आधार पर, विशेष अभियान दल ने जगतगिरिगुट्टा के रिंग बस्ती स्थित दुकान पर छापा मारा और बिहार के मूल निवासी सुनील कुमार को पकड़ लिया, जो बिहार से गांजा चॉकलेट लाकर स्थानीय मजदूरों को बेच रहा था। पुलिस ने दुकान से 13 किलो वजन की 2,400 चॉकलेट जब्त की हैं।

कलेक्टर ने जिला परिषद हाई स्कूल का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले कोतुर मंडल का पेंजरला जिला परिषद हाई स्कूल की जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी द्वारा अचानक जांच की गई। विद्यालय परिवेश एवं उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने दसवीं कक्षा का दौरा किया। विद्यार्थियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि 10वीं कक्षा के विद्यार्थी पढ़ाई में लापरवाही कर रहे हैं। आत्मविश्वास के साथ पढ़ना बेहतर है, डर के साथ परीक्षा न दें। उन्होंने कहा कि परिणाम मिलना चाहिए। परीक्षा तभी सफल होती है जब कड़ी मेहनत और लगन से परीक्षा दी जाती है। मन लगाकर पढ़ाई करनी चाहिए और अच्छे परिणाम प्राप्त करने चाहिए। उन्होंने कहा ऐसा मौका दोबारा नहीं मिलेगा इसलिए अच्छे से पढ़ें। शिक्षकों को 10 में से 10 ग्रेड प्वाइंट हासिल कराने का प्रयास करना चाहिए। विद्यालय में छात्र-छात्राओं को मिलने वाले मध्याह्न भोजन की जांच की गयी। बाद में जिला परिषद हाई स्कूल के परिसर में चल रहे आंगनबाडी केन्द्र का अवलोकन किया। जिला कलेक्टर ने इस अवसर पर आंगनबाडी सेंटर के बच्चों के नाम, उनकी चित्रकारी के बारे में पूछा। उन्होंने परोसे जा रहे भोजन की विस्तृत जानकारी ली।

मोंडा मार्केट में आग लगने से चार दुकानें जलकर खाक

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के मोंडा मार्केट में गुरुवार सुबह कुछ दुकानों में आग लग गई। हालांकि, आग से संपत्ति जलकर खाक हो गई, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, आग एक दुकान से शुरू हुई जहां 'पूजा' सामग्री बेची जाती है।

इसके बाद आग आस-पास की दुकानों में फैल गई, जिसमें एक प्लास्टिक सामग्री की दुकान भी शामिल थी। इस घटना में कुल चार दुकानें जलकर खाक हो गईं। दुकानों में ज्वलनशील पदार्थ रखे होने के कारण आग तेजी से फैली। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया।

आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हालांकि अधिकारियों को संदेह है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। जांच जारी है।

पूर्व तट रेलवे

(1)निविदा सूचना सं.eT-HQ-WAT-28-2024, दिनांक : 11.12.2024

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/ वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर/कार्य के कार्यालय संबंधित उपयोग हेतु 24 महीने की समयावधि के लिए चालक, ईंधन एवं लूब्रिकेन्ट्स इत्यादि सहित महिन्द्रा बोलेरो कैम्पर, टाटा Xenon, महिन्द्रा इम्पेरियो, Isuzu Dimax वर्ग जैसे MUV सेवा का 02(दो) संख्यक सड़क वाहन किराये पर लेना।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 21,18,624/-, EMD(रुपये में) : 42,400/-, निविदा दस्तावेज की मूल्य : रु.3,540/-।

(2)निविदा सूचना सं.eT-HQ-WAT-29-2024, दिनांक : 11.12.2024

कार्य का नाम : अपर मण्डल रेलवे प्रबंधक (ADRM)/OP/वाल्टियर के कार्यालय संबंधित उपयोग हेतु 24 महीने की समयावधि के लिए चालक, ईंधन एवं लूब्रिकेन्ट्स इत्यादि सहित टोयोटा इनोवा क्रिस्टा, टोयोटा इनोवा, टाटा हैरियर, टोयोटा फॉर्च्यूनर अथवा अन्य तत्समान जैसे SUV वर्ग का 01(एक) संख्यक एसी सड़क वाहन किराये पर लेना।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 16,15,964.16, EMD(रुपये में) : 32,300/-, निविदा दस्तावेज की मूल्य : रु.2,360/-।

कार्य पूरा होने की अवधि: 24 महीने (दोनों निविदा हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 07.01.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही वे सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-810/P/24-25

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-24-25-WC-22, दिनांक : 13.12.2024

कार्य का नाम: (क) वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन में जगदलपुर एवं कुमारमारेंगा स्टेशन के बीच 03 संख्यक समपार (1) कि.मी.297.796 स्थित समपार सं.KK-84, (2) कि.मी.299.612 स्थित समपार सं.KK-85 एवं (3) कि.मी.301.498 स्थित समपार सं.KK-86 के बदले में सीमित ऊँचाई वाले उपमार्ग के प्रस्तावित निर्माण से संबंधित रोशनी का कार्य। (ख) वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन में जगदलपुर एवं दिलिमिली स्टेशन के बीच 03 संख्यक समपार (1) कि.मी.303.564 स्थित समपार सं.KK-87, (2) कि.मी.310.362 स्थित समपार सं.KK-90 एवं (3) कि.मी.328.882 स्थित समपार सं.KK-97 के बदले में सीमित ऊँचाई वाले उपमार्ग के प्रस्तावित निर्माण से संबंधित रोशनी का कार्य। (ग) वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/सेन्ट्रल/ वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन KK लाइन पर कि.मी.92/7 से 92/8 में शिमिलिगुडा-करकावलसा के बीच मानव युक्त समपार एलसी नं.KK-22 के बदले में सीमित ऊँचाई वाले उपमार्ग के प्रस्तावित निर्माण से संबंधित रोशनी का कार्य। (घ) सहायक मण्डल अभियन्ता/अरकु के अधिकार क्षेत्र के अधीन बोड्डावारा, शिवलिंगपुरम एवं चिमिडिपाली कॉलोनियों में स्टेशन भवन एवं कर्मचारी आवास को जोड़ने वाली एवं गहरे नलकूप के प्रावधान हेतु प्रस्ताव।

निविदा मूल्य (रुपये में): 36,20,878.53, बिड सिक्यूरिटी (रुपये में): 72,400/-, पूरा होने की अवधि: 240 दिन।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 08.01.2025 को 1330 बजे, निविदा खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 08.01.2025 को 1600 बजे।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

कोई भी जारी शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए निविदाकार उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता(G), वाल्टियर

PR-814/P/24-25

पूर्व तट रेलवे

(1)निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-24-25-WC-14/2, दिनांक : 13.12.2024

कार्य का नाम: उन्नयन से संबंधित इलुमिनेटेड इलिप्टिकल (Illuminated elliptical) साइनेज फलक का प्रावधान- अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अधीन वाल्टियर मण्डल के दुव्वाडा, सिंहाचलम, बोब्बिलि, पार्वतीपुरम, डामनजोडी एवं लक्ष्मीपुर रोड स्टेशन भवन का पुनर्विकास।

निविदा मूल्य (रुपये में): 1,53,59,388/-, बिड सिक्यूरिटी (रुपये में) : 2,26,800/-।

(2)निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-24-25-WC-14/3, दिनांक : 13.12.2024

कार्य का नाम: अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अधीन वाल्टियर मण्डल के कोत्तवलसा, विजयनगरम, चिपुरुपालि, नौपाड़ा, श्रीकाकुलम रोड एवं अरकु स्टेशन के इलुमिनेटेड इलिप्टिकल (Illuminated elliptical) साइनेज फलक का प्रावधान।

निविदा मूल्य (रुपये में): 1,53,59,388/-, बिड सिक्यूरिटी (रुपये में) : 2,26,800/-।

(3)निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-24-25-WC-14/4, दिनांक : 13.12.2024

कार्य का नाम: उन्नयन से संबंधित इलुमिनेटेड इलिप्टिकल (Illuminated elliptical) साइनेज फलक का प्रावधान-अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अधीन वाल्टियर मण्डल के कोरापुट, जेयपुर एवं जगदलपुर स्टेशन के स्टेशन भवन का पुनर्विकास।

निविदा मूल्य (रुपये में): 76,79,694/-, बिड सिक्यूरिटी (रुपये में) : 1,53,600/-।

पूरा होने की अवधि : 240 दिन (सभी निविदा हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 13.01.2025 को 1330 बजे (सभी निविदा हेतु), निविदा खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 13.01.2025 को 1600 बजे (सभी निविदा हेतु)।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

कोई भी जारी शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए निविदाकार उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता(G), वाल्टियर

PR-815/P/24-25

जमुई के लाल पुष्पेंद्र ने कर दिया कमाल, गूगल ने दिया सालाना 40 लाख का पैकेज

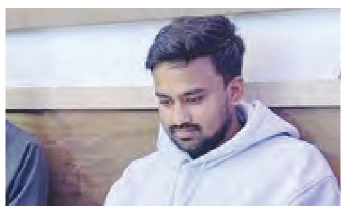

जमुई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। कहते हैं कि इंसान की किस्मत उसी के हाथ में होती है। अगर वह चाहे तो उसे बना ले या बिगाड़ ले। प्रशासनिक सेवा के क्षेत्र में अपना परचम लहराने के बाद जमुई के युवा निजी क्षेत्र की बड़ी-बड़ी कंपनियों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। दिग्गज टेक कंपनी गूगल भी यहां के युवाओं की मुरीद होती जा रही है। कुछ दिनों पहले ही कंपनी ने जमुई के रहने वाले अभिषेक को 2.7 करोड़ का सालाना पैकेज दिया था। अब गूगल ने झाझा प्रखंड क्षेत्र के बूढ़ीखाड़ गांव के रहने वाले पुष्पेंद्र को 40 लाख का सालाना पैकेज देकर डाटा साइंटिस्ट के रूप में हायर किया है। पुष्पेंद्र फिलहाल अपने परिवार के साथ झारखंड राज्य के देवघर में रहते हैं।

माता-पिता हैं प्रेरणा स्रोत

गूगल की तरफ से 40 लाख का पैकेज मिलने के बाद पुष्पेंद्र ने मीडिया से बात करते हुए अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार को दिया। पुष्पेंद्र ने कहा कि हर इंजीनियर का यह सपना होता है की वह गूगल के लिए काम कर सके। सपने के पीछे हर इंजीनियर अपनी मेहनत करता है। बताया कि जब भी उन्हें कभी पढ़ाई में कोई दुविधा होती थी, तब उनके भाई और माता-पिता उनकी प्रेरणास्रोत बन जाते थे। पुष्पेंद्र की प्रारंभिक पढ़ाई देवघर में ही हुई है।

भीषण रोड एक्सीडेंट 5 लोगों की मौत, 2 घायल

शाहजहांपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग जख्मी हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार, मदनापुर क्षेत्र में देर रात एक ट्रक ने एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोगों की जान चली गई जबकि दो मासूम बच्चे घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि कांट क्षेत्र निवासी रियासत अली का परिवार दिल्ली जा रहा था। इसी दौरान कार हादसे का शिकार हो गई। मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गैंगरेप आरोपियों को रिमांड पर लेगी पुलिस

लखनऊ, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में बीटेक छात्रा से गैंगरेप करने वाले आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेगी। पुलिस ने कोर्ट में अर्जी लगाई है। घटना में समय जिस एसयूवी गाड़ी का उपयोग किया गया था उसे भी बरामद कर लिया है। तीन लोग हिरासत में हैं। एक फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। मजिस्ट्रेट के सामने पीड़िता के बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके बाद आरोपियों पर शिकंजा कसा जाएगा। मामले में मुख्य आरोपी सतीश आदतन अपराधी है। इसके पहले भी रेप के मामले में जेल जा चुका है।

मुख्य आरोपी सतीश कश्यप दीनदयालपुरम इंदिरा नगर का रहने वाला है। वह भाई आशीष कश्यप के साथ मिलकर कपड़े की दुकान चलाता है। सतीश की दुकान पर युसूफ और जतिन काम करते हैं। इनके साथ मिलकर आरोपी ने छात्रा से रेप किया। फिर घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरी की घटना में गाजीपुर पुलिस ने छह आरोपियों को जेल भेजा। इन्हीं आरोपियों में से 3 गैंग रेप में शामिल थे। जबकि एक अन्य मन्नू यादव फरार हो गया। हालांकि मन्नू यादव चोरी की घटना में शामिल नहीं था। पुलिस आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

प्रयागराज में 11 रुपए के लिए बवाल दो नामजद, 20 पर केस

प्रयागराज, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में सिगरेट पीने के बाद 11 रुपये की उधारी को लेकर हुए बवाल में दो युवकों को नामजद कर 20 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। महज 11 रुपये के विवाद में गाड़ियों से भरकर आए युवकों ने मारपीट, तोड़फोड़, दुकान पलटने, घर पर हमला कर हंगामा मचा दिया। महाकुंभ की सुरक्षा के दौरान शहरी इलाके में गुंडई का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि पुलिस ने दो आरोपियों को नामजद करते हुए 20 लोगों पर केस दर्ज किया है। 7 युवक हिरासत में लिए गए हैं लेकिन सड़क मारपीट, बवाल का यह वीडियो सुरक्षा पर सवाल उठा रहा है।

'अमित शाह राजनीति छोड़ दें'

लालू यादव का अमित शाह पर आपत्तिजनक बयान

पटना, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बाबा साहब अंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री की टिप्पणी पर उठे विवाद के बीच, राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू यादव ने गुरुवार को कहा कि अमित शाह पागल हो गए हैं और उन्हें राजनीति छोड़ देनी चाहिए और चले जाना चाहिए। लालू यादव ने कहा, "अमित शाह पागल हो गए हैं। उन्हें बाबा साहब अंबेडकर से नफरत होगी। हम उनके इस पागलपन की निंदा करते हैं। बाबा साहब अंबेडकर महान हैं। उन्हें राजनीति छोड़ देनी चाहिए और चले जाना चाहिए।"

तेजस्वी यादव ने बताया "संविधान विरोधी"

इससे पहले, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोला और उन पर और उनकी पार्टी पर "संविधान विरोधी" होने और नफरत फैलाने का आरोप लगाया। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) यादव ने कहा, "बाबासाहेब अंबेडकर हमारे फैशन और जुनून हैं। वे हमारी प्रेरणा और प्रेरणा भी हैं। हम किसी को भी बाबासाहेब अंबेडकर का अपमान नहीं करने देंगे। ये लोग संविधान विरोधी हैं जो नफरत फैलाते हैं और संसद में इस्तेमाल की गई भाषा निंदनीय है।"कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने गुरुवार को लोकसभा में गृह मंत्री से माफ़ी मांगने के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा, "उन्होंने (गृह मंत्री अमित शाह) संसद के अंदर बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया। इसलिए, आज हमने उनके माफ़ी मांगने और मंत्रिमंडल से इस्तीफ़ा देने के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया है... " कांग्रेस सांसद के सुरेश ने कहा, "कल भी हमने अमित शाह के खिलाफ़ स्थगन प्रस्ताव पेश किया था क्योंकि उन्होंने संविधान पर बहस के दौरान राज्यसभा में एक टिप्पणी की थी। आज भी हम इस पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव दे रहे हैं क्योंकि अमित शाह के बयान का पूरे देश में विरोध हो रहा है। पूरा देश अमित शाह के खिलाफ़ प्रदर्शन कर रहा है। अंबेडकर पर उनकी टिप्पणी असहनीय है..."

शाह के बयान पर विपक्ष ने खोला मोर्चा

कांग्रेस और अन्य विपक्षी सदस्यों द्वारा राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कांग्रेस पर हमला करने के दौरान बीआर अंबेडकर से संबंधित टिप्पणी के विरोध में बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। कांग्रेस द्वारा अमित शाह के इस्तीफ़े की मांग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अन्य भाजपा नेताओं द्वारा विपक्षी पार्टी पर हमला करने के साथ ही यह मुद्दा एक बड़े राजनीतिक विवाद में बदल गया। अमित शाह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कांग्रेस पर "बीआर अंबेडकर विरोधी और संविधान विरोधी" होने का आरोप लगाया। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उनके इस्तीफे की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए शाह ने कहा कि इससे कांग्रेस पार्टी के भाग्य पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। शाह ने दावा किया कि उनके इस्तीफे के बावजूद कांग्रेस पार्टी अगले 15 साल तक विपक्ष में ही रहेगी।

प्रभात पांडेय की मौत में अजय राय की भूमिका संदिग्ध!

पुलिस उनके ठिकानों पर दबिश देगी

लखनऊ, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई ने विधानसभा का घेराव किया। इस दौरान एक कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत हो गई। पुलिस का मानना है की यूपी कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष अजय राय की भूमिका भी इस मामले में संदिग्ध है। अजय राय से पूछताछ के लिए लखनऊ पुलिस कांग्रेस मुख्यालय सहित उनके अन्य ठिकानों पर दबिश देगी। उधर, इस मामले पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आएगा तो पता चल जाएगा कि क्या हुआ है। कांग्रेस पार्टी को इस बात पर जवाब देना चाहिए कि एक बेरोजगारी कार्यकर्ता को आपने बुलाया अपने ऑफिस पर जिसकी मृत्यु कांग्रेस ऑफिस पर हुई है, किसी प्रकार के लाठी चार्ज में उसकी मृत्यु नहीं हुई। बता दें कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत मामले में थाना लखनऊ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुधवार को कांग्रेस ने विधानसभा का घेराव किया था। प्रदर्शन के दौरान ही कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। मृतक कार्यकर्ता की पहचान प्रभात पांडेय के रूप में हुई थी। इसी मामले में मृतक के चाचा मनीष कुमार पांडेय ने हुसैनगंज थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

3 अरब की जमीन में फर्जीवाड़ा, कर्मचारियों की मिलीभगत से काश्तकारों के नाम दर्ज

कानपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। केडीए की 3 अरब 16 करोड़ रुपए की कीमत की जमीनें फर्जी तरीके से निजी काश्तकारों के नाम दर्ज हो गईं। केडीए के भूमि बैंक विभाग की जांच में यह मामला उजागर हुआ है। इन जमीनों का कुल क्षेत्रफल 8.7342 हेक्टेयर का है, जो ग्राम बारासिरोही के पनकी गंगागंज, शाहपुर मोहसिनपुर, मोहिसिनपुर और सिंहपुर कछार में हैं। केडीए ने अब खतौनियों से निजी काश्तकारों का नाम खारिज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए अधिवक्ता की भी नियुक्ति कर दी गई है। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देश पर ओएसडी डॉ. रवि प्रताप सिंह ने सभी ग्रामों की आराजीवार अभिलेखीय और स्थलीय जांच कराई। ओएसडी ने बताया कि ये जमीनें केडीए के स्वामित्व की हैं। वर्षों पहले से केडीए के नाम ही चली आ रही थीं मगर बीच में अचानक काश्तकारों के नाम दर्ज हो गईं। अब अधिवक्ता नामित करते हुए निर्देशित किया गया है कि तत्काल ऑनलाइन वाद दर्ज करके पैरवी करें। इसके साथ ही भूमि बैंक की विशेष टीम का भी गठन करके अनुपालन आख्या मांगी गई है। शिथिलता बरतने के लिए संबंधित कर्मचारियों को चेतावनी दी गई है।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव, बिहार बीजेपी अध्यक्ष ने अटकलों पर लगाया विराम

पटना, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव को लेकर बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि एनडीए राज्य में 2025 का विधानसभा चुनाव सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा। इस तरह दिलीप जायसवाल ने जेडीयू मुखिया के बारे में एक सवाल के जवाब में गृह मंत्री अमित शाह की हालिया टिप्पणी के बाद शुरू हुई अटकलों पर विराम लगा दिया है।

दरअसल, एक निजी समाचार चैनल को दिए इंटरव्यू में अमित शाह ने सीधा जवाब देने से परहेज किया था। उनसे पूछा गया था कि क्या एनडीए बिहार में महाराष्ट्र जैसी रणनीति अपनाएगा। इस पर अमित शाह ने कहा था कि हम साथ बैठेंगे और इस मुद्दे पर फैसला करेंगे। फैसला लेने के बाद बता देंगे। अमित शाह के इस जवाब से राजनीतिक गलियारों में नीतीश कुमार की सियासत को लेकर अटकलें तेज हो गईं। अब दिलीप जायसवाल ने साफतौर पर कहा है कि बिहार बीजेपी के अध्यक्ष के नाते वो कह सकते हैं कि हमें 2025 में नीतीश कुमार को नेता मानकर एनडीए की जीत के लिए काम करने के निर्देश दिए गए हैं। अमित शाह के बयान को सही दिशा में देखा जाना चाहिए।

विश्वकर्मा ग्रुप पर आयकर विभाग का छापा

मेरठ, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। मेरठ में विश्वकर्मा ग्रुप पर आयकर विभाग ने छापेमारी कर आज सुबह शहर के बड़े प्रकाशक के यहां छापेमारी की है। बताया गया कि अरिहंत प्रकाशन के दफ्तर और मालिकों के आवास पर आयकर विभाग की टीम कई गाड़ियों में पहुंची और कार्रवाई शुरू कराई। मेरठ बाईपास बिग बाइट के पास अरिहंत प्रकाशन कार्यालय और साकेत स्थित आवास पर आयकर के द्वारा छापा मार की गई। अरिहंत प्रकाशन के संचालक योगेश चंद जैन का साकेत में निवास है। इनके तीन बेटे दीपेश जैन, रितेश जैन और प्रवेश जैन पूरे व्यापार का संचालन करते हैं। कॉम्पिटेटिव बुक पब्लिकेशन में अरिहंत प्रकाशन देश के 5 बड़े पब्लिशर्स में नाम है।

आरजेडी विधायक रीतलाल के भाई के घर मिलीं बंदूकें

रेड में 11 लाख, नोट गिनने की मशीन बरामद एम्स सिक्योरिटी चीफ पर फायरिंग केस में फरार

पटना, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। पटना एम्स के सिक्योरिटी ऑफिसर पर जानलेवा हमला मामले में पुलिस ने आरजेडी विधायक रीतलाल यादव के भाई पिंकू यादव के घर पर छापेमारी की है। रेड के दौरान पुलिस ने 3 बंदूक बरामद की है, जिनमें से किसी का भी लाइसेंस नहीं है। इसके अलावा 11 लाख कैश, नोट गिनने की मशीन, पुराने स्टांप पेपर, जमीन के कागजात मिले हैं। पुलिस ने फाइनेंशियल डॉक्यूमेंट्स भी बरामद किए हैं। इसमें पैसे के लेनदेन का जिक्र है। पिंकू यादव पर आरोप है कि उसने 22 अगस्त 2024 को पटना एम्स के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर पर जानलेवा हमला करवाया था। वो इस घटना के बाद से ही फरार है। दानापुर-2 एएसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया में खगौल थाना में दर्ज केस 284/24 में कोर्ट के आदेश पर वारंट जारी हुआ था। इसी सिलसिले में पिंकू यादव उर्फ टिंकू यादव के कोठवा स्थित ठिकानों पर छापेमारी की गई है। इससे पहले 13 नवंबर को पुलिस ने पिंकू यादव के घर पर सरेंडर करने के लिए नोटिस चिपकाया था, लेकिन अब तक सरेंडर नहीं किया है। बुधवार देर रात पुलिस पिंकू यादव की तलाश में पहुंची थी, लेकिन वो नहीं मिला।

एम्स के सिक्योरिटी चीफ पर गोली चलवाने का आरोप

22 अगस्त 2024 को एम्स के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर प्रेमनाथ राय पर जानलेवा हमला किया गया था। दीघा एलिवेटेड रोड पर घर से ऑफिस जाते समय अपराधियों ने उनकी गाड़ी पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। जिसमें वो बाल-बाल बच गए थे। इस मामले में दानापुर से आरजेडी के बाहुबली विधायक रीतलाल यादव के भाई पिंकू यादव का नाम मास्टमाइंड के रूप में सामने आया था। जिसके बाद 23 अगस्त को प्रेमनाथ राय ने खगौल थाने में लिखित आवेदन देकर शिकायत की थी। आरोप है कि पिंकू यादव एम्स में गार्ड की नियुक्ति में अपने लोगों को रखना चाहता था।

नौकरी के नाम पर लिए गए थे 60 हजार

बताया जाता है कि इसके लिए उसने 35 लोगों से 60-60 हजार रुपए भी वसूले गए थे। वसूली की रकम के आधे पैसे पिंकू यादव को रखने थे। बाकी के पैसे का बंटवारा होना था, लेकिन एम्स चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर के इनकार करने के बाद पिंकू यादव परेशानी बढ़ गई थी।

बिहार में ट्रेन हादसा, पटना-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में लगी आग, 3 घंटे तक फंसे रहे यात्री

पटना, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। गाड़ी संख्या 22972 पटना-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस की जनरल बोगी के निचले हिस्से में अचानक आग लग गई। जिसके बाद यात्रियों में अफरातफरी का माहौल हो गया। यह घटना दानापुर-डीडीयू रेलखंड के डुमरांव रेलवे स्टेशन का बताया जा रहा है। यह ट्रेन बक्सर के टुड़ीगंज स्टेशन से बुधवार रात 1:02 बजे गुजर रही थी। इसी दौरान स्टेशन पर मौजूद रेलवे कर्मचारियों ने जनरल बोगी के निचले हिस्से में आग की लपटें देखीं। जिसके बाद रेलवे कंट्रोल रूम और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। ट्रेन को अगले स्टेशन डुमरांव में 3 घंटे तक रोका गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया फिर ट्रेन को रवाना किया गया। फायर ब्रिगेड ऑफिसर विनोद कुमार ने बताया कि आग ट्रेन के एलएचबी कोच के पहिए और एक्सल के बीच लगी थी। रेलवे अधिकारियों के निर्देश पर आग बुझाने में पानी का इस्तेमाल नहीं किया गया ताकि चक्का और कूलेंट जाम न हो। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने एक्सटिंग्विशर सिलेंडर का इस्तेमाल कर आग बुझाई। पहले बाहर से और फिर चक्के के अंदर जाकर आग पर काबू पाया गया।

'भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारी को बचा लिया' सीएम योगी पर भड़कीं पल्लवी पटेल

लखनऊ, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। अपना दल कमेरावादी की नेता और सिराथू सीट से सपा विधायक पल्लवी पटेल ने एक बार फिर से सदन में उन्हें अपनी बात रखने का मौका नहीं देने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सदन में असंवैधानिक तरीके से उनकी आवाज को दबा दिया गया वो भाजपा के भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना चाहती थीं।

सपा विधायक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट लिखकर निशाना साधा और कहा कि 'एक बार फिर पिछड़े वर्ग की महिला विधायक की भाजपा के भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज को सदन में असंवैधानिक रूप से दबा दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारी दोनों को बचा लिया इसके लिये सीएम योगी आदित्यनाथ अवश्य ही गर्व कर सकते हैं। जय भ्रष्टाचार की।'

कांग्रेस-आरजेडी अलग-अलग लड़ेंगी विधानसभा चुनाव तारिक अनवर ने कहा गठबंधन का जमाना है

पटना, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में सभी राजनीतिक पार्टियां 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी हुई हैं। महागठबंधन के दलों ने भी संगठन को मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। इस बीच कांग्रेस और आरजेडी के नेताओं के बीच कई मौकों पर खींचतान भी दिखाई दे रही है। इसको लेकर अब चर्चाएं ये भी हैं कि क्या कांग्रेस-आरजेडी साथ में चुनाव लड़ेगी या अलग-अलग? इस पर कांग्रेस सांसद तारिक अनवर की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने हाल ही में कहा है कि हर पार्टी अपना विस्तार चाहती है उसके लिए प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि अंतिम फैसला होने के बाद अपने-अपने क्षेत्र में हम काम करेंगे। इसमें एक-दूसरे पर आरोप या हमला करने की कोई जरूरत नहीं है। हमारा गठबंधन बिहार में पूरी तरह से मजबूत है। हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर से पूछा गया कि क्या बिहार में कांग्रेस आरजेडी के भरोसे है? इस पर उन्होंने कहा कि अभी गठबंधन का युग चल रहा है। केंद्र में पीएम मोदी की सरकार चल रही है वो भी गठबंधन की सरकार है। उसी तरह से इंडिया गठबंधन है। इसमें भी 17-18 पार्टियां हैं। ज्यादातर प्रदेशों में भी गठबंधन युग चल रहा है जिसका मतलब है कि सभी पार्टियों को साथ लेकर चलना है।

कर्ज, धोखा और धमकी!

11 पन्नों का सुसाइड नोट लिख दंपति ने उठाया खौफनाक कदम, लिखा- मरना नहीं चाहते थे

गाजियाबाद, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के शालीमार गार्डन में रहने वाले पति-पत्नी ने सुसाइड किया है। उनपर कर्ज था, जिसके चलते उन्होंने यह खौफनाक कदम उठाया। दोनों के शव अलग-अलग कमरों में पंखे से लटके हुए थे। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से 11 पेज का सुसाइड नोट मिला है। जिसमें मृतक दंपति ने कर्ज की बात और आत्महत्या किए जाने के कारणों को बताया है। कर्ज वसूलने आने वाले लोगों की धमकियों से दंपति परेशान थी। इनमें दिल्ली पुलिस का एक कांस्टेबल भी शामिल था। 'हम मरना नहीं चाहते। थोड़ा समय मांग रहे हैं, लेकिन पैसे मांगने वाले परेशान कर रहे हैं। इसलिए अब कोई चारा नहीं बचा।' यह शब्द सुसाइड नोट के अंतिम पन्नों पर मृतक पत्नी ने लिखा था। जिसके मुताबिक कर्जा मांगने वाले उन्हें लगातार परेशान कर रहे थे। तंग आकर उन्होंने मौत का रास्ता चुना। घटना 18 दिसंबर की है और सुसाइड करने वाली दंपति की पहचान पंकज गुप्ता और रीना गुप्ता के रूप में हुई है। दोनों ने घर में अलग-अलग कमरों में छत के पंखे पर फंदा लगाकर आत्महत्या की है। जानकारी के मुताबिक, मृतक पंकज गुप्ता और रीना गुप्ता तलाकशुदा थे। उन्होंने आपस में शादी की थी। पंकज गुप्ता की पहली पत्नी से एक बेटा है। वह 12 साल का है और मानसिक रूप से कमजोर है। वह दिनभर अपने दादा के पास दूसरे घर पर रहता है। हादसे की जानकारी पंकज के भाई को तब हुई जब वह उनके घर पहुंचा और कमरे के दरवाजे खुले हुए पाए। जब वह अंदर गया तो वहां का नजारा देख सन्न रह गया।

बिहार पुलिस का जवान 5 दिन से गायब, पत्नी ने लगाया महिला सिपाही पर आरोप

पटना, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी पटना के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में रहने वाला पुलिस का एक जवान पांच दिनों से गायब है। पत्नी ने बताया कि धर्मेंद्र कुमार 5 दिन पहले फोटो कॉपी कराने के लिए घर से निकले। लेकिन, वापस लौट कर नहीं आए। उनका फोन भी बंद आ रहा है। पत्नी संजू देवी ने जवान के गायब होने के पीछे एक महिला सिपाही के हाथ होने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि महिला सिपाही से जमीन की खरीद-बिक्री को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था। वो मेरे पति को जान से मारने की धमकी भी दी थी। मिली जानकारी के मुताबिक, संजू देवी ने पति धर्मेंद्र कुमार के गायब होने का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि मेरे पति बिहार पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत हैं। इनकी तैनाती आरण्य भवन में है।

सपा सांसद के घर बिजली मीटर की जांच करने गए बिजली विभाग के अधिकारियों को धमकाया गया, दर्ज होगी एफआईआर

संभल, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। एक ओर जहां बिजली विभाग बिजली चोरी के मामले में एफआईआर दर्ज करवाने की तैयारी में है वहीं अब सांसद के घर बिजली मीटर की जांच करने गए बिजली अधिकारियों धमकाने के मामले में भी एफआईआर दर्ज होगी। बिजली विभाग की टीम जिया उर रहमान बर्क के घर जो नए मीटर लगाए गए हैं उनका लोड चेक करने के लिए पहुंची। बिजली विभाग की टीम सांसद के घर इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक अप्लायंसेज को भी चेक करने के लिए पहुंची। बर्क के घर का बिजली बिल जीरो आ रहा था। जबकि जांच में यह पता करने की कोशिश की गई कि उनके घर में कितने किलोवाट बिजली की खपत होती है। बता दें कि जिया उर रहमान का घर 200 गज में बना हुआ है, लेकिन उनके घर में सिर्फ 4 किलो वॉट का मीटर लगा हुआ था। इसके बाद बिजली विभाग ने उनके घर में लगे मीटर बदला। बिजली विभाग की टीम ने सांसद के घर इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक अप्लायंसेज को भी चेक किया कि कितने इलेक्ट्रॉनिक अप्लायंसेज सांसद के घर में इस्तेमाल हो रहे हैं। बिजली विभाग की टीम ने दो दिन पहले ही जिया उर रहमान के घर पर लगे मीटर बदले थे। मीटर को बदलने के लिए बिजली विभाग के 5 से 6 कर्मचारी भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे थे। पुलिस टीम का नेतृत्व इलाके की एएसपी और सीओ कर रहे थे। अब बिजली विभाग की टीम नए मीटरों का लोड चेक करने के लिए पहुंची थी। बता दें कि संभल में मस्जिद और मदरसे सहित कई घरों में बिजली की चोरी हो रही थी। यहां हुई हिंसा के बाद प्रशासन ने बिजली चोरी के खिलाफ अभियान में तेजी लाई और पिछले 3 महीनों में बिजली चोरी की 1250 एफआईआर दर्ज की है।

सूरत में ब्रेनडेड व्यक्ति ने 7 लोगों को दिया नया जीवन

सूरत, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। आज सूरत में एक ब्रेनडेड व्यक्ति के हृदय, किडनी, लिवर और आंखों के दान से सात लोगों को नया जीवन मिला है। डोनेट लाइफ संस्था के प्रमुख निलेश मांडलेवाला ने बताया कि सूरत के कतारगाम स्थित विशालनगर सोसाइटी में रहने वाले हितेश काचरिया को सिरदर्द, उल्टी और चलने में कठिनाई के कारण 10 दिसंबर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान पता चला कि उनको ब्रेनहेमरेज और दिमाग में सूजन होने के कारण 16 दिसंबर को डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया। इसके बाद उनके परिवार को अंगदान का महत्व के बारे में समझाया गया कि मरने के बाद भी ब्रेनडेड व्यक्ति जरूरतमंद लोगों की जिंदगी बचा सकता है। परिवार की सहमति के बाद अंगदान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। दान में मिला हृदय, अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में गुजरात के महेसाना में रहने वाले 47 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। फेफड़े दिल्ली निवासी 60 वर्षीय व्यक्ति में, हरियाणा के गुड़गांव में लिवर का ट्रांसप्लांट 37 वर्षीय व्यक्ति में सूरत की किरण अस्पताल में दो किडनियां दो जरूरतमंद लोगों और आंखों का दान सूरत की लोकदृष्टि चक्षु बैंक में किया गया। हृदय और फेफड़े अहमदाबाद और हरियाणा पहुंचाने के लिए अस्पताल से सूरत एयरपोर्ट तक दो ग्रीन कॉरिडोर सूरत पुलिस द्वारा बनाया गया। इस प्रकार एक ब्रेनडेड व्यक्ति ने सात लोगों को नया जीवन दिया। सूरत सहित दक्षिण गुजरात से अब तक डोनेट लाइफ संस्था द्वारा 1272 अंगों और टिश्यू का दान किया गया है। डोनेट लाइफ संस्था ने बताया कि उसके द्वारा किए गए प्रयास से अलग-अलग लोगों ने 409 आंखों का दान किया है। इससे देश और विदेश में कुल 1169 लोगों को नया जीवन और रोशनी मिली है।

एमपी में वेतन नहीं लेंगे कांग्रेस विधायक

नेता प्रतिपक्ष बोले- इसी पैसे से हमारे क्षेत्र में विकास कार्य कराए सरकार, टोंटी लेकर विधानसभा पहुंचे

भोपाल, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। एमपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन कांग्रेस के विधायक नल की टोंटी लेकर पहुंचे। उन्होंने जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए विधानसभा परिसर में नारेबाजी की। वहीं, सदन के अंदर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- कांग्रेस विधायकों के क्षेत्र में विकास कार्य नहीं कराए जा रहे हैं, इसलिए पार्टी विधायकों ने तय किया है कि वे अपना वेतन नहीं लेंगे। सिंघार ने कहा- इससे संबंधित पत्र आज विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष सदन के पटल पर रख रहे हैं। अध्यक्ष के माध्यम से अनुरोध है कि कांग्रेस विधायकों की तनख्वाह से उनके क्षेत्र में विकास कार्य कराए जाएं।

इनकम टैक्स खुद भरेंगे स्पीकर डिप्टी स्पीकर और नेता प्रतिपक्ष

विधानसभा में प्रश्नोत्तर काल और ध्यानाकर्षण के बाद मध्यप्रदेश माल और सेवा कर तृतीय संशोधन विधेयक 2024, विधानसभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष वेतन भत्ता संशोधन विधेयक 2024 तथा मध्य प्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष वेतन तथा भत्ता संशोधन विधेयक 2024 सर्वसम्मति से पारित किए गए। इन विधेयकों के पारित होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष वेतन तथा भत्ते से होने वाली आमदनी पर लगने वाले इनकम टैक्स की राशि खुद जमा करेंगे। विधेयकों पर चर्चा के बाद आज खाद संकट पर चर्चा होगी। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को नियम 139 के अंतर्गत लोक महत्व के विषय पर चर्चा के लिए अनुमति दी है।

मंत्री राजपूत बोले- क्या एक विधायक पार्टी से बड़ा हो गया?

विधानसभा के बाहर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मीडिया से कहा, 'आज मैंने अखबार में पढ़ा कि भाजपा के एक विधायक ने प्रदेश अध्यक्ष पर टिप्पणी की है। क्या एक विधायक पार्टी से बड़ा हो गया? उन्होंने कहा-सागर से एक विधायक ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से आए हैं। उनको समझ नहीं हैं। विद्यार्थी परिषद से अमित शाह जी और जेपी नड्डा जी भी आए हैं।

मुंबई में 14 साल के लड़के की क्लासमेट से हुई लड़ाई सोशल मीडिया पर अपलोड कर दीं प्राइवेट तस्वीरें, पुलिस ने लिया ये एक्शन

मुंबई मुंबई के अंबोली पुलिस ने 14 वर्षीय लड़के के खिलाफ अपनी ही क्लास में पढ़ने वाली नाबालिग क्लासमेट की अश्लील तस्वीरें शेयर करने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज किया है। अंधेरी के एक स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले दोनों छात्र आरोपी और पीड़ित, कथित तौर पर रिलेशनशिप में थे और मामूली से बहस पर लड़के ने लड़की की निजी तस्वीरें जो उसके पास थी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। वे फोटो शेयरिंग ऐप स्नैपचैट के जरिए एक-दूसरे से चैट करते थे।डीएन नगर पुलिस स्टेशन ने भी नाबालिग लड़के को हिरासत में लिया और उसके खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

मणिपुर में 'प्रोटेक्टेड एरिया परमिट' फिर लागू विदेशियों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी

इंफाल, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पड़ोसी देशों से आने वाले लोगों के कारण उत्पन्न सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर मणिपुर में संरक्षित क्षेत्र परमिट (प्रोटेक्टेड एरिया परमिट) व्यवस्था फिर से लागू कर दी है। बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा गया, ''इस परमिट को पुनः लागू करने के बाद, मणिपुर आने वाले विदेशियों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और उन्हें विदेशी (संरक्षित क्षेत्र) आदेश 1958 के अनुरूप आवश्यक संरक्षित क्षेत्र परमिट (पीएपी) प्राप्त करना होगा।'' इसमें कहा गया है कि केंद्र ने मणिपुर, नागालैंड और मिजोरम में संरक्षित क्षेत्र परमिट की व्यवस्था को फिर से लागू कर दिया है। बयान में यह भी कहा गया है कि राज्य सरकार ने एक संगठन द्वारा जारी की गई चेतावनी पर संज्ञान लिया है जिसमें मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से कहा गया है कि वह सेनापति जिले में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सड़क मार्ग से कांगपोकपी जिले से होकर न गुजरें। बयान में कहा गया, ''जांच के बाद पाया गया है कि मणिपुर में ऐसा कोई संगठन (कुकी ज़ो काउंसिल) मौजूद नहीं है।

अंबेडकर मामले में अरविंद केजरीवाल ने लिखी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को चिट्ठी

केंद्र से समर्थन वापस लेने की मांग

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जेडीयू अध्यक्ष और टीडीपी अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू को चिट्ठी लिखी है। केजरीवाल ने पत्र में कहा कि बाबा साहब अंबेडकर नेता नहीं बल्कि इस देश की आत्मा हैं। बाबा साहब को चाहने वाले बीजेपी का समर्थन नहीं कर सकते। लोग चाहते हैं आप भी इस मसले पर गहराई से विचार करें। अरविंद केजरीवाल ने पत्र में लिखा, 'आदरणीय नीतीश कुमार, आपको यह पत्र एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर लिख रहा हूं, जो न केवल हमारे संविधान बल्कि बाबासाहेब अम्बेडकर की प्रतिष्ठा से भी जुड़ा है। हाल ही में संसद में देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब के नाम पर की गई टिप्पणी ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। उनका यह कहना कि अम्बेडकर- अम्बेडकर बोलना आजकल फैशन बन गया है न केवल अपमानजनक है बल्कि बीजेपी की बाबासाहेब और हमारे संविधान के प्रति सोच को उजागर करता है।

पत्र में पीएम मोदी का भी किया जिक्र

बाबासाहेब अम्बेडकर, जिन्हें कोलंबिया विश्वविद्यालय ने डॉक्टर ऑफ लॉज़ से सम्मानित किया था, जिन्होंने भारत के संविधान को रचा और समाज के सबसे वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने का सपना देखा, उनके बारे में ऐसा कहने का साहस आखिर बीजेपी ने कैसे किया? इस से देश भर में करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। ये बयान देने के बाद अमित शाह ने माफी मांगने की बजाय अपने बयान को उचित ठहराया। प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से अमित शाह के बयान का समर्थन किया। इसने जले पर नमक छिड़कने का काम किया।

हनीमून की बजाय मक्का-मदीना भेजना चाहता था ससुर दामाद नहीं माना तो फेंका तेजाब, अब मौत से जूझ रहा

मुंबई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कल्याण शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दामाद और ससुर के बीच मक्का-मदीना और कश्मीर जाने को लेकर हुए विवाद ने गंभीर रूप ले लिया, जब गुस्साए ससुर ने अपने दामाद पर एसिड फेंक दिया। इस घटना में ईबाद फालके नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका इलाज कल्याण के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। ईबाद फालके का हाल ही में जकी खोटाल की बेटी से निकाह हुआ था। ईबाद हनीमून पर कश्मीर जाना चाहता था, जबकि ससुर जकी खोटाल की इच्छा थी कि नवविवाहित जोड़ा मक्का-मदीना प्रार्थना के लिए जाए। इस बात को लेकर पिछले कुछ दिनों से दोनों के बीच कहासुनी हो रही थी। गुरुवार रात लगभग 8 बजे, जब ईबाद लाल चौकी इलाके से अपने घर की ओर पैदल जा रहा था, तभी जकी खोटाल ने उसे रोक लिया। बहस के दौरान जकी ने अचानक अपने साथ लाए एसिड को ईबाद पर फेंक दिया और मौके से फरार हो गया।

कर्नाटक में बढ़ता ही जा रहा वक्फ प्रॉपर्टी विवाद

लेकिन मंदिरों पर सरकार को पीछे खींचने पड़े कदम

बेंगलूरू, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में वक्फ प्रॉपर्टी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है, यह दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। अब इस मामले पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को विधानसभा में जानकारी दी। सीएम ने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार उन मंदिरों को नहीं हटाएगी जो वक्फ संपत्तियों पर बने हैं, इसके साथ ही किसान जो जमीन जोत रहे हैं उन्हें वापस नहीं लेगी। इस मामले में उन्होंने आगे कहा कि, अगर मंदिरों को नोटिस दिए गए हैं, तो उन्हें वापस ले लिया जाएगा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने वक्फ संपत्तियों के मुद्दे को हल करने के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में एक समिति के गठन की घोषणा की है। वक्फ बोर्ड की तरफ से किसानों, मंदिरों और कई अन्य व्यक्तियों को बेदखली नोटिस जारी करने के मुद्दे पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर वक्फ संपत्तियों पर मंदिर बनाए गए हैं, तो हम उन्हें नहीं हटाएंगे। मैं इसे बहुत स्पष्ट कर रहा हूं। यदि कोई नोटिस जारी किया गया है, तो उन्हें (नोटिस) वापस ले लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जैसे ही वक्फ का मुद्दा विधानसभा में भाजपा की तरफ से उठाया गया। वक्फ और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री बी जेड ज़मीर अहमद खान ने स्पष्ट किया कि अगर किसानों और मंदिरों को नोटिस दिए गए हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने भी खान के बयान को दोहराया और कहा कि किसी भी किसान को उस जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा जिसे वे जोत रहे हैं।

न्यू ईयर पर होने वाले सनबर्न फेस्टिवल को लेकर केरल हाईकोर्ट सख्त?

वायनाड, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने वायनाड जिले में जल्द आयोजित होने वाले सनबर्न फेस्टिवल पर चिंता जाहिर किया है। ये कार्यक्रम नए साल पर वायनाड के बड़े चाय बागन में आयोजित होनी है। जहां डीजे इवेंट और कई तरह के कार्यक्रम होंगे। गोवा में आयोजित होने वाले मशहूर सनबर्न फेस्टिवल के नाम पर इस आयोजन का नाम ऐसा रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ख्याति प्राप्त डीजे कलाकार मारी फेरारी इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। सनबर्न फेस्टिवल भारत में आयोजित होने वाला एक इलेक्ट्रोनिक डांस और म्यूजिक फेस्टिवल है। भारत में इसकी शुरुआत उद्यमी शैलेन्द्र सिंह ने की थी। तीन से पांच दिन चलने वाले इस आयोजन में कई सारे स्टेज होते हैं। जिसमें बड़ी संख्या में कलाकार शिरकत करते हैं। 2007 से 2015 तक ये गोवा में आयोजित होता था। उसके बाद महाराष्ट्र और फिर गोवा में इसका आयोजन होने लगा। इसी की तर्ज पर केरल में ये आयोजन हो रहा है। वायनाड के दो वरिष्ठ नागरिकों ने इस बारे में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने पहले तो जिला आपदा प्रबंधन ऑथोरिटी और जिला कलेक्टर को शिकायत की थी। मगर अब ये मामला हाईकोर्ट के सामने है। शिकायत में कहा गया है कि करीब 20 हजार लोग इस इवेंट में शामिल होने वाले हैं। अदालत ने इस सिलसिले में वायनाड की ऑथोरिटी से पूछा है कि वे भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए किस हद तक तैयार हैं। उम्मीद की जा रही है कि हजारों की संख्या में 31 दिसंबर की रात वायनाड लोग आएंगे। तकरीबन 25 एकड़ खेती की जमीन को इस आयोजन के लिए तैयार किया गया है। टिकट की कीमतें 499 से 5000 रूपये तक हैं।

हाईकोर्ट का रुख क्या है?

केरल के हाईकोर्ट ने इवेंट की पूरी जानकारी मांगी है। इसमें आयोजन कराने वाले समूह से लेकर कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों की संभावित संख्या, लाइसेंस से लेकर इजाजत तक की विस्तृत जानकारी मांगी गई है। अब अदालत इवेंट को लेकर किस तरह का आदेश देता है, इस पर सभी की नजरें होंगी। पिछले बरस इसी जगह पर आयोजित हुए कार्यक्रम में लाठीचार्ज की नौबत आ गई थी। ये तब हुआ जब आयोजन में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई थी। तब रिपोर्ट किया गया था कि कुछ लोगों को गंभीर रूप से चोटें भी आईं थीं।

लुधियाना के अस्पताल में इनकम टैक्स का छापा

डॉक्टरों से पूछताछ जारी दस्तावेजों की हो रही जांच भारी मात्रा में नकदी मिली

लुधियाना, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में डॉ। सुमिता सोफत और डा। रमा सोफत के घर और अस्पतालों में आज सुबह आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा। अधिकारियों को भारी मात्रा में नकदी मिली है। टैक्स धोखाधड़ी का मामला सामने आने के बाद अधिकारियों ने घर और अस्पताल की तलाशी शुरू कर दी है। फिलहाल अधिकारी डॉ। सुमिता सोफत और डा। रमा सोफत से नकदी का हिसाब भी मांग रहे हैं। अधिकारियों के हाथ कई दस्तावेज लगे हैं, जिनकी अब जांच की जा रही है। सुबह जब अधिकारियों ने जब छापामारी की तो मुकम्मल तौर पर अस्पतालों की सभी ब्रांचों पर एक समय दबिश दी। अस्पताल में काम करने वाले वर्करों और मैनेजरों से भी पूछताछ की जा रही है। रोजाना की काउंटर कैश पर होने वाली बिल्डिंग को भी अधिकारियों ने चैक किया।

पहली ट्रांस वुमन फॉरेस्ट गार्ड बनीं वसावे, मजाक के चलते तीन बार की खुदकुशी की कोशिश

मुंबई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। आजकल विजया वसावे का नाम काफी सुर्खियों में हैं। यह कोई और नहीं बल्कि महाराष्ट्र की पहली ट्रांस महिला वन रक्षक (ट्रांस वुमन फॉरेस्ट गार्ड) हैं। अपने सेक्शुअल ओरिएंटेशन (यौन रुझान) के कारण शुरू से ही काफी कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना किया। मगर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने न केवल बाधाओं को पार किया, बल्कि वन रक्षक बनकर सम्मानजनक जीवन जीने का साहस भी दिखाया।

तीन बार की खुद की जान देने की कोशिश

30 साल के वसावे का लोग मजाक उड़ाते और उनके साथ दुर्व्यवहार करते थे। हद तब पार हो गई थी, जब उन्होंने तीन बार खुदकुशी करने की कोशिश की। हालांकि, जब उन्होंने अपनी लैंगिकता के बारे में जानकारी जुटा ली और परिवार का साथ हासिल कर लिया तब उन्होंने पुरुष से एक ट्रांस महिला बनने का फैसला लिया। तब से लेकर आजतक उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने हाल ही में राज्य वन विभाग में रोजगार सुरक्षित करने के लिए एक प्रतियोगी परीक्षा पास की। वसावे ने बुधवार को बताया, 'मैं अब बहुत खुश हूं। परिवार, गांव और कार्यालय में मेरे साथ गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार किया जा रहा है।'

अब बनीं वन रक्षक

बता दें, नंदुरबार जिले के सतपुडा पर्वत श्रृंखला की मूल निवासी आदिवासी समुदाय से आने वाली वसावे वर्तमान में नंदुरबार की अक्कलकुवा तहसील में वन रक्षक के रूप में काम कर रही हैं। उन्होंने पुणे स्थित कर्वे इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस से सामाजिक कल्याण में मास्टर डिग्री हासिल की है।

शिक्षक भी बनाते थे मजाक

पुरुष के रूप में जन्म लेने वाले विजय वसावे अब विजया वसावे हैं। उन्होंने नंदुरबार में आदिवासी छात्रों के लिए बने एक आवासीय स्कूल में पढ़ाई की। उन्होंने कहा, 'मेरे स्कूल के दिन बहुत कठिनाइयों से भरे थे। सिर्फ साथ पढ़ने वाले बच्चे ही नहीं बल्कि शिक्षक भी मेरा मजाक बनाते थे। लगातार मजाक बनने से मैं आत्महत्या करने की सोचने लगी। मैंने तीन बार खुद की जान लेने की कोशिश की थी। मेरे शुरुआती स्कूल और स्नातक के दिनों के दौरान, मैं एक पुरुष शरीर में फंस गई थी। उससे निकलने के लिए तरस रही थी। यहां तक कि नासिक में कॉलेज के दौरान भी चुनौतिया जारी रहीं।'

शाहदरा पुलिस की बड़ी कामयाबी

'ऑपरेशन विश्वास' के तहत चोरी हुए 555 मोबाइल फोन बरामद

शाहदरा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के शाहदरा जिले की पुलिस ने 'ऑपरेशन विश्वास' के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए 555 चोरी, झपटे और गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, इन मोबाइल फोन्स की अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये है। पुलिस ने ये ऑपरेशन 1 अप्रैल 2024 को शुरू किया गया था। जिसका मकसद चोरी हुए मोबाइल फोन को ट्रैक कर बरामद करना और क्राइमियों को सलाखों के पीछे पहुंचाना था। शाहदरा जिला पुलिस की टेक्निकल सर्विलांस टीम ने सबसे अहम भूमिका निभाई। एएसआई दीपक कुमार और उनकी टीम ने मोबाइल फोन की एक्टिविटी को आईएमईआई नंबर और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) के जरिए ट्रैक किया। सरकारी सीईआईआर पोर्टल की भी मदद ली गई, जिससे 150 मोबाइल फोन बरामद हुए। इसके बाद शाहदरा जिला पुलिस की 14 स्पेशल टीमों को अलग-अलग राज्यों में भेजा गया, जिनमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर शामिल है। इन टीमों ने मिलकर 555 मोबाइल फोन बरामद किए।

बांदकपुर स्टेशन पर गौंडवाना एक्सप्रेस से गिरा सैनिक, पैर कटा; गंभीर हालत में जबलपुर रेफर

दमोह, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। दमोह जिले के बांदकपुर रेलवे स्टेशन पर एक आर्मी जवान ट्रेन में चढ़ते समय गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल आरपीएफ पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन स्थिति गंभीर होने पर उसे जबलपुर रेफर किया गया। जवान का एक पैर कट गया है।

भोपाल में पुलिस भी नहीं सुरक्षित 5 मिनट में चोरों ने साफ कर दिया क्राइम ब्रांच 'टीआई का घर

भोपाल, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आम लोग तो छोड़िए, पुलिस के घर भी सुरक्षित नहीं हैं। शहर में एक शातिर चोर ने टीआई दंपत्ति के घर को ही अपना निशाना बनाया लिया। चोर ने घर का ताला तोड़ दो लाख नगदी और जेवर चोरी कर लिए हैं। हैरानी की बात ये है कि आरोपी ने इस पूरी वारदात को महज पांच मिनट में अंजाम दिया है। मामला शहर के हबीबगंज थाना क्षेत्र के शिवाजी नगर स्थित शासकीय आवास का है। शासकीय आवास में रहने वाले क्राइम ब्रांच के टीआई के घर से एक चोर ने दो लाख कैश के साथ कीमती जेवरों पर हाथ साफ कर दिया। चोर घर में घुसते हुए सीसीटीवी में कैद हो गया है। ऐसे में पुलिस सीसीटीवी में आधार पर आरोपी को तलाश में जुट गई हैं। भोपाल क्राइम ब्रांच में पदस्थ टीआई अशोक मरावी और पीटीआरआई (पुलिस ट्रेनिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट) में पदस्थ उनकी पत्नी किरण मरावी शिवाजी नगर 6 नंबर स्टॉप के पास रहते हैं। अशोक और किरण दोनों पति-पत्नी बुधवार सुबह 10:30 करीब अपने दफ्तर के लिए निकले थे और उनका बेटा स्कूल गया था। अशोक अपने बेटे को लेकर दोपहर करीब 1:00 बजे जब घर पहुंचे तो घर का ताला टूटा मिला। ऐसे में उन्होंने घर के अंदर देखा तो अलमारी का दरवाजा भी खुला था और उसमें रखे सोने के जेवर और पैसे गायब थे। घर के आसपास लगे सीसीटीवी देखे तो चोर 12:25 बजे घर में घुसते हुए दिखाई दिया और ठीक 5 मिनट में 12:30 बजे घर से बाहर आते हुए नजर आया। सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि चोर बिना मास्क के चोरी करने के लिए घर में दाखिल हुआ था और महज पांच मिनट में गेट का ताला तोड़कर अंदर गया और अलमारी का लॉक तोड़ा पैसे और जेवर लेकर फरार हो गया। आरोपी इतना शातिर था कि उसने इस दौरान घर के डॉग को स्टोर रूम में बंद कर दिया था।

सीसीटीवी में कैद हुआ आरोपी

हबीबगंज थाना पुलिस क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर आरोपी तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है। टीआई दंपति के घर हुई चोरी की इस वारदात ने भोपाल पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। इस वारदात से नजर आ रहा है कि बदमाशों में पुलिस का खौफ नहीं हैं। वह बेवकूफ होकर आमजन के साथ पुलिस के घर को भी अपना निशाना बना रहे हैं।

महाकाल में जल चढ़ाने के नाम पर वसूले 8800 रुपये

नंदी हॉल से दर्शन करते समय कलेक्टर ने पकड़ा

उज्जैन, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकाल लोक बनने के बाद जिस प्रकार से कालों के काल बाबा महाकाल की प्रसिद्धि में इजाफा हुआ है, वैसे ही मंदिर में कुछ ऐसे लोग भी सक्रिय हो गए हैं जो कि मौका मिलते ही यहां आने वाले बाबा महाकाल के भोले वाले भक्तों को ठगने से बाज नहीं आते हैं। श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति वैसे तो हर तरीके से श्रद्धालुओं को ठगी से बचाने का प्रयास करती है, लेकिन फिर भी कुछ लोग इन ठगौरो के शिकार बन जाते हैं। गुरुवार सुबह भी महाकालेश्वर मंदिर में एक ऐसा ही ठगी का मामला सामने आया, जिसमें बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के अध्यक्ष और कलेक्टर नीरज कुमार सिंह जब नंदी हॉल में दर्शन करने पहुंचे थे तो उन्हें नंदी हॉल में लगभग दर्जन भर श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन करते दिखाई दिए। नंदी हॉल में इतनी भीड़ देखकर जब कलेक्टर ने इस पर आपत्ति ली और दर्शन कर रहे हैं श्रद्धालुओं से बात की तो पता चला कि उन श्रद्धालुओं को महाकाल मंदिर में पुरोहित प्रतिनिधि राजेश भट्ट और उनका एक अन्य सहयोगी दर्शन करवाने लाए थे। श्रद्धालुओं ने बताया कि उनसे प्रति व्यक्ति दर्शन व जल चढ़ाने के नाम पर 1100 रुपए प्रति व्यक्ति की राशि दी गई है। यह सुनने के बाद कलेक्टर ने तत्काल सभी श्रद्धालुओं और पुरोहित प्रतिनिधि को महाकाल थाने भिजवा दिया। एडीएम अनुकूल जैन ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा अनाधिकृत रूप से यूपी और गुजरात के श्रद्धालुओं से बाबा महाकाल के दर्शन के नाम पर 1100-1100 लिए गए थे। इस मामले मे श्रद्धालुओं के बयान लेने के बाद महाकाल थाना पुलिस पूरा मामले की जांच करने में जुटी हुई है। इस जांच के बाद जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 20 दिसंबर- 2024

परमाणु जंग हुई तो कोई नही बचेगा

निरंकार सिंह

परमाणु युद्ध हुआ तो कुछ बड़े बड़े नगरों का मिट जाना तो साधारण बात होगी पर इसके भयानक खतरे तो पूरी दुनिया को भोगना पड़ेगा। एनी जैकबसन की न्यूक्लियर वॉर: ए सिनेरियो एक रोमांचक पुस्तक है, जिसमें बताया गया है कि कैसे धीरे-धीरे दुनिया परमाणु हथियारों के कारण खत्म हो सकती है। यह एक स्वागत योग्य और समयोचित अनुस्मारक है कि ''12,000 साल की सभ्यता'' ''कुछ ही मिनटों और घंटों में मलबे में तब्दील हो सकती है'', जैसा कि लेखिका कहती हैं। उनकी यथार्थवादी कहानी में, यह सब 72 मिनट में खत्म हो जाता है। यह पुस्तक पाठक को एक आकर्षक ढंग से परिदृश्य से गुजारती है, जिसमें उत्तर कोरिया ने वाशिंगटन, डीसी और मध्य कैलिफोर्निया में डियाब्लो कैन्यन पावर प्लांट के विरुद्ध ''आकस्मिक रूप से'' परमाणु हमला किया। संयुक्त राज्य अमेरिका ने उत्तर कोरिया के विरुद्ध 82 वॉरहेड्स के साथ एक बहुत बड़ी जवाबी कार्रवाई की। चूँकि अमेरिकी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें (फ्ळढे) प्योंगयांग की ओर जाते समय रूस के ऊपर से गुजरती हैं, इसलिए मास्को को लगता है कि उस पर संयुक्त राज्य अमेरिका से हमला हो रहा है और वह 1,000 वॉरहेड्स के साथ जवाबी कार्रवाई करता है। उत्तर कोरिया के नष्ट होने से पहले, वह संयुक्त राज्य अमेरिका के ऊपर एक विद्युत चुम्बकीय पल्स हथियार का विस्फोट करता है। अंत में, संयुक्त राज्य अमेरिका रूस के विरुद्ध अपनी सारी शक्ति के साथ जवाबी कार्रवाई करता है। खेल खत्म। इस पुस्तक में यही तस्वीर पेष की गई है। इसीलिए, बहुत पहले ही आइंस्टीन ने परमाणु युद्ध के खतरों को प्रचारित करने और विश्व शांति के लिए एक मार्ग प्रस्तावित करने के लिए परमाणु वैज्ञानिकों की आपातकालीन समिति की सह-स्थापना की। 1947 में न्यूजवीक पत्रिका के लिए एक लेख में, जिसका शीर्षक था आइंस्टीन, द मैन हू स्टार्टेड इट ऑल, उन्होंने कहा: ''अगर मुझे पता होता कि जर्मन परमाणु बम बनाने में सफल नहीं होंगे, तो मैं बम के लिए कुछ नहीं करता।'' आज, तकनीकी जानकारी होने के बावजूद, जर्मनी के पास अभी भी परमाणु हथियार नहीं हैं आइंस्टीन ने अपना शेष जीवन परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए अभियान चलाने में समर्पित कर दिया। 1954 में नोबेल पुरस्कार विजेता रसायनज्ञ लिनस पॉलिंग से बात करते हुए, उन्होंने रूजवेल्ट को लिखे पत्र को अपनेजीवन की एक बड़ी गलती बताया था। रसेल-आइंस्टीन घोषणापत्र,जो दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल द्वारा शुरू किए गए परमाणु युद्ध के खिलाफ एक भावनात्मक रूप से तैयार किया गया संकल्प है और जिसे आइंस्टीन ने अपनी मृत्यु से ठीक एक सप्ताह पहले परमाणु युद्ध के बारे में दुनिया को चेताया था कि-''हम मनुष्य के रूप में, मनुष्य से अपील करते हैं।'' ''अपनी मानवता को याद रखें और बाकी सब भूल जाएँ। यदि आप ऐसा करते हैं, तो एक नए स्वर्ग का रास्ता खुला है यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपके सामने सार्वभौमिक मृत्यु का जोखिम है।'' दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फैल रहे संघर्ष और बढ़ती गुटबाजी ने तीसरे विश्व युद्ध की आशंका को बढ़ा दिया है। खासतौर से अमेरिका और रूस के बीच बढ़ते तनाव ने दुनिया को फिक्रमंद किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी सेनाओं से कहा है कि वो रूस, चीन और उत्तर कोरिया के साथ संभावित परमाणु युद्ध के लिए तैयार रहें। इसके लिए बाइडेन ने अत्यधिक खुफिया दस्तावेज 'न्यूक्लियर एंप्लॉयमेंट गाइडेंस' पर कुछ बदलाव के बाद हस्ताक्षर भी किए। यानी अमेरिका को डर है कि ये तीनों देश न्यूक्लियर वॉर शुरू कर सकते हैं।न्यूक्लियर एंप्लॉयमेंट गाइडेंस ही अमेरिका की परमाणु रणनीति को तय करता है। यह निर्धारित करता है कि किस परमाणु संपन्न देश के साथ किस तरह पेश आना है। एटमी जंग के दौरान क्या-क्या कदम उठाने हैं। इस दस्तावेज में हुए बदलावों में बाइडेन ने अपनी सेनाओं को रूस, चीन और उत्तर कोरिया के साथ परमाणु जंग के लिए तैयार रहने को भी कहा है। यह खुलासा न्यूयॉर्क टाइम्स ने किया है। 20 अगस्त 2024 को व्हाइट हाउस ने कहा कि यह योजना अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस साल के शुरुआत में ही अप्रूव कर दिया था। इसमें किसी एक देश से परमाणु युद्ध का खतरा नहीं है। बल्कि तीन देशों से है। लेकिन द टाइम्स ने रिपोर्ट किया है कि अमेरिका को सबसे ज्यादा खौफ चीन का है। इस तनाव के बीच एक नक्शे के जरिए बताया गया है कि अमेरिका पर परमाणु बम से हमले के किस तरह के विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं। नक्शा दिखाता है कि अमेरिकी शहरों पर परमाणु हमले का किस तरह से असर होगा और कैसे लाखों लोगों की जान जोखिम में पड़ जाएगी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में धमकी दी है कि अगर अमेरिकी सेना यूक्रेन में घुसी तो वो परमाणु हथियार इस्तेमाल करेंगे। इस धमकी के बीच ही परमाणु हमले के बाद अमेरिकी शहरों की स्थिति दिखाने वाला नक्शा न्यूक मैप ने जारी किया है। न्यूक मैप के कर्ताधर्ता एलेक्स वेलरस्टीन का कहना है कि परमाणु हमले में अमेरिका के न्यूयॉर्क जैसे प्रमुख शहरों को भारी नुकसान होगा और लाखों लोग मारे जा सकते हैं। एलेक्स वेलरस्टीन ने ये नक्शा बनाया है, जो परमाणु तकनीक के जानकार और न्यूक मैप के निर्माता हैं। नक्शा परमाणु विस्फोट की स्थिति में रेडियोधर्मिता के फैलाव, आग के गोले के दायरे और संभावित पीड़ितों की संख्या का अनुमान लगाता है। अगर अमेरिका के पूर्वी तट पर 800 किलोटन का टोपोल (SS-25) बम गिरा तो न्यूयॉर्क में 16 लाख तक मौत हो सकती हैं और 30 लाख लोग घायल हो सकते हैं। आग का गोला मैनहट्टन, नेवार्क, एलिजाबेथ, ब्रुकलिन और दूसरे शहरों को तबाह कर सकता है। इस विस्फोट से निकलने वाला तापीय विकिरण 11.1 किलोमीटर तक फैलेगा। जाहिर है कि यह कई अमेरिकी शहरों को अपनी चपेट में लेगा और इससे बड़ी तबाही मचेगी। अगर ऐसा ही परमाणु हमला वाशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस पर हुआ तो मरने वालों की संख्या 40 लाख तक पहुंच सकती है। कैपिटल हिल और कोलंबिया हाइट्स जैसे प्रतिष्ठित स्थलों को भी भारी नुकसान हो सकता है। हमले से अलेक्जेंड्रिया से लेकर सिल्वर स्प्रिंग तक के निवासियों को तापीय विकिरण से थर्ड डिग्री बर्न हो सकते हैं।आयरिश स्टार की रिपोर्ट कहती है कि परमाणु हमलों के बाद की भयावह स्थिति दिखाने वाले नक्शे बताते हैं कि अमेरिका के कई बड़े शहर पलभर में तबाह हो सकते हैं। अनुमान के मुताबिक, 'लिटिल बॉय' बम जैसे विस्फोट के बाद ह्यूस्टन पूरी तरह तबाह हो जाएगा। इसमें 90,000 से ज्यादा लोग हताहत होंगे। पिछले दिनों राष्ट्रपति ने रूस के परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की नीति में बदलाव को मंज़ूरी दे दी है। रूस की नई परमाणु नीति में कहा गया है कि कोई ऐसा देश जिसके पास खुद परमाणु हथियार न हों, लेकिन वो देश किसी परमाणु हथियार संपन्न देश के साथ मिलकर हमला करता है, तो इसे रूस संयुक्त हमला मानेगा। यूक्रेन के पास तो परमाणु हथियार नहीं हैं, लेकिन अमेरिका के पास हैं और इस युद्ध में अमेरिका और ब्रिटेन दोनों यूक्रेन के साथ हैं। साथ ही 32 देशों का सैन्य गठबंधन नेटो भी यूक्रेन को समर्थन दे रहा है।रूस की परमाणु नीति में ये भी कहा गया है कि अगर रूस को पता चला कि दूसरी तरफ़ से रूस पर मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमले हो रहे हैं तो वो परमाणु हथियारों से जवाब दे सकता है। यूक्रेन अब तक रूस पर कई बार हवाई हमले करते आया है जिसमें ड्रोन भी शामिल है, लेकिन अब उसने हमलों के लिए अमेरिकी मिसाइलों का भी इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।

इसके अलावा कुछ और स्थितियों की बात रूस की परमाणु नीति में की गई है। इसमें कहा गया है कि अगर किसी ने नया सैन्य गठबंधन बनाया, पुराने गठबंधन को और बढ़ाया, रूस की सीमा के करीब कोई सैन्य बुनियादी ढांचे को लाया गया या रूस की सीमा के आस-पास कोई सैन्य गतिविधियां की, तो परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

अखाड़ा बना संसद परिसर

संसद परिसर गुरुवार को तब अखाड़ा नजर आया जब विरोध प्रदर्शन के दौरान बीजेपी के दो सांसद चोटिल हो गए। आरोप है कि राहुल गांधी ने इन सांसदों को धक्का दिया था,जबकि राहुल ने इन आरोपों से इनकार किया है। इस बात को लेकर बवाल बढ़ गया है। संसद में जो भी हुआ हो, उससे संसदीय मर्यादा और गरिमा को ठेस पहुंची है। दरअसल, गृहमंत्री अमित शाह के संसद में डॉ. आंबेडकर पर दिए बयान को लेकर समूचे विपक्ष ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया। लेकिन इस दौरान वहां जो हुआ, वह संसदीय इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज हो गया। बीजेपी सांसद प्रताप सारंगी और सांसद मुकेश राजपूत चोटिल हो गए। व्हीलचेयर पर बैठे सारंगी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर धक्का देने का आरोप लगाया है। आरोप है कि राहुल ने मुकेश राजपूत को धक्का दिया, जिससे वह व्हीलचेयर पर बैठे सारंगी पर गिर पड़े। हालांकि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इन आरोपों को झूठा करार दिया है। ऐसे में सवाल है कि आखिर ऐसा भी क्या विरोध कि किसी को अस्पताल में भर्ती होना पड़े? क्या सारी संसदीय मान-मर्यादा भूल गए हमारे सांसद। इस घटना की वजह से भारत को पूरी दुनिया में शर्मिंदगी झेलनी पड़ सकती है। संविधान में हर सांसद के लिए शपथ तय है। इसमें कहा गया है कि मैं विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगा। मैं भारत की प्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण रखूंगा और जिस पद को मैं ग्रहण करने वाला हूं उसके कर्तव्यों का श्रद्धापूर्वक निर्वहन करूंगा। अब इसे पढ़कर आम जनता तो यही सोचेगी कि धक्का-मुक्की या हाथापाई तो कतई नहीं होनी चाहिए। कम से कम संविधान और शपथ की लाज तो रख लेते। हमारे माननीयों को एक बात यह समझनी होगी कि डा. आंबेडकर, गांधी या नेहरू में भले ही मतभेद रहे हों, मगर वो कभी ऐसी धक्का-मुक्की या हाथापाई पर नहीं उतरे थे। आजादी के वक्त और उसके बाद भी अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं के जमाने में भी नेता एक-दूसरे के विचारों का विरोध करते हुए भी सम्मान करते थे। वजह यह थी कि उनमें एक-दूसरे को सुनने की सहनशीलता थी। आंबेडकर और गांधी तो जिंदगी भर अहिंसक सत्याग्रह किया, मगर अपने धरना-प्रदर्शन से किसी को आहत नहीं किया। हमारे माननीयों को उनसे कुछ भी नहीं सीखा। बहरहाल, चोटिल सांसदों को आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि मैं संसद के प्रवेश द्वार(मकर द्वार) से अंदर जाने की कोशिश कर रहा था,तो भाजपा सांसद मुझे रोकने की कोशिश कर रहे थे,मुझे धमका रहे थे। यह उसी वक्त हुआ है। यह संसद का प्रवेश द्वार है और हमारा अंदर जाने का अधिकार है। मुख्य मुद्दा यह है कि वे संविधान पर आक्रमण कर रहे हैं। विरोध करना अच्छे लोकतंत्र की निशानी है। अच्छे लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष, निष्ठावान न्यायपालिका और प्रेस की आजादी बड़ी चीज मानी जाती है। मगर, जिस भी देश में संसद में मार-पीट या धक्कामुक्की होती है, उसकी आलोचना पूरी दुनिया में होती है। पहले भी भारतीय संसद और विधानसभाओं का ऐसा तमाशा दुनिया देख चुकी है। फरवरी, 2017 में तमिलनाडु विधानसभा में विश्वास मत के लिए विशेष सत्र बुलाया गया था। बहुमत परीक्षण से पहले विधानसभा में इतना हंगामा हुआ था कि सदन में कुर्सियां उछलने लगीं। स्पीकर की कुर्सी और माइक्रोफोन तोड़ दिया गया, उनकी शर्ट फाड़ी गई। इसी तरह की घटनाएं यूपी विधानसभा में भी हो चुकी हैं। संविधान की किताब हाथ में लेने और दोनों महापुरुषों की फोटो साथ में रखने से उनकी विरासत संभालने की मैच्योरिटी नहीं आ सकती। इसके लिए मन से भी उनके विचारों को अपनाना होगा, तभी संविधान और संसद की मर्यादा बनी रहेगी।

नागरिक संहिता: अन्याय को दूर करने की औषधि

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में वर्तमान में पूरे देश में धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता लागू नहीं है। इसके बजाय, अलग-अलग समुदायों के लिए विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मुद्दों को नियंत्रित करने वाले व्यक्तिगत कानून धर्म के अनुसार अलग-अलग होते हैं। प्रधानमंत्री ने एक धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की वकालत की है, जो डॉ. अंबेडकर के एकीकृत कानूनी ढांचे के दृष्टिकोण को प्रतिध्वनित करती है। इस आह्वान का उद्देश्य मौजूदा कानूनों के कथित सांप्रदायिक और भेदभावपूर्ण पहलुओं को सम्बोधित करना और कानूनी प्रणाली को एकीकृत करना है। सुप्रीम कोर्ट ने देश को धार्मिक आधार पर विभाजित करने वाले कानूनों को ख़त्म करने के लिए एक धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की आवश्यकता पर ज़ोर दिया है। हिंदू कोड बिल सिखों, जैनियों और बौद्धों सहित हिंदुओं के लिए व्यक्तिगत कानूनों को संहिताबद्ध और एकीकृत करने के लिए पेश किया गया। गोवा में गोवा सिविल कोड (पुर्तगाली सिविल कोड 1867) के तहत एक समान नागरिक संहिता है, जो धर्म या जातीयता की परवाह किए बिना सभी गोवावासियों पर समान रूप से लागू होती है। उत्तराखंड ने हाल ही में उत्तराखंड समान नागरिक संहिता विधेयक 2024 पारित किया है, जो अनुसूचित जनजातियों को छोड़कर सभी निवासियों पर लागू विवाह, तलाक और विरासत जैसे मामलों के लिए एक समान नागरिक संहिता लागू करता है। समान नागरिक संहिता असमानता को बनाए रखने वाले पुराने व्यक्तिगत कानूनों को हटाकर धर्मनिरपेक्षता को बनाए रखेगी। यह सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी उपचार सुनिश्चित करता है, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, एक एकीकृत कानूनी ढांचे को बढ़ावा देता है जो राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देता है। समान नागरिक संहिता व्यक्तिगत कानूनों में निहित भेदभावपूर्ण प्रथाओं को समाप्त करेगी, विशेष रूप से महिलाओं को प्रभावित करने वाली प्रथाओं को। नागरिक कानूनों को मानकीकृत करके, यह सभी के लिए समान अधिकारों और सुरक्षा की गारंटी देगा, सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाएगा। यहाँ तक कि एक धर्म के भीतर भी, इसके सभी सदस्यों को नियंत्रित करने वाला एक भी सामान्य व्यक्तिगत कानून नहीं है। उदाहरण के लिए, मुसलमानों के बीच विवाह के पंजीकरण के लिए, कानून जगह-जगह अलग-अलग होते हैं। समान नागरिक संहिता विवाह, तलाक और उत्तराधिकार जैसे नागरिक मामलों पर केंद्रित है, जिसमें धार्मिक प्रथाओं को अछूता रखा गया है। यह दृष्टिकोण अन्य लोकतंत्रों में प्रथाओं के साथ संरेखित है जहाँ धार्मिक स्वतंत्रता के साथ एक समान कानूनी ढांचा मौजूद है। समान नागरिक संहिता भारत के कानूनी ढांचे को सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाएगी, जटिल और असंगत व्यक्तिगत कानूनों को सरलीकृत प्रणाली से बदल देगी।

इससे कानूनी अनिश्चितता कम होगी और कानूनी खामियों का फायदा उठाने से रोका जा सकेगा। उदाहरण के लिए, सरला मुद्गल बनाम भारत संघ के मामले ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे व्यक्ति कानूनी प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए व्यक्तिगत कानूनों में अंतर का फायदा उठा सकते हैं। समान नागरिक संहिता को लागू करने से कई व्यक्तिगत कानून विवादों को कुशलतापूर्वक हल करके न्यायपालिका पर बोझ काफ़ी कम हो जाएगा। इससे अन्य महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों को सम्बोधित करने के लिए संसाधन मुक्त होंगे, जिससे समग्र न्यायिक प्रभावशीलता में सुधार होगा। मार्च 2022 तक भारत की अदालतों में लगभग 4.70 करोड़ मामले लंबित हैं, न्यायपालिका लंबित मामलों को निपटाने के लिए संघर्ष कर रही है। वैश्विक धारणाः समान नागरिक संहिता को अपनाने से समानता, धर्मनिरपेक्षता और मानवाधिकारों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करके वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ावा मिल सकता है। संवैधानिक कर्तव्य की पूर्तिः भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में कहा गया है कि राज्य सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। समान नागरिक संहिता धर्म को सामाजिक सम्बंधों और व्यक्तिगत कानूनों से अलग करेगी, समानता सुनिश्चित करेगी और इस प्रकार सद्भाव और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देगी।

भारतीय कानून पहले से ही कई सिविल मामलों में एक समान संहिता बनाए रखते हैं, जैसे कि भारतीय अनुबंध अधिनियम और सिविल प्रक्रिया संहिता। हालाँकि, राज्यों ने कई संशोधन किए हैं, जिससे धर्मनिरपेक्ष नागरिक कानूनों के भीतर भी विविधता आई है। संविधान के अनुच्छेद 371 (ए) से (आई) और छठी अनुसूची कुछ राज्यों को विशेष सुरक्षा प्रदान करती है, जो पारिवारिक कानूनों में क्षेत्रीय विविधता की मान्यता को दर्शाती है। समवर्ती सूची में व्यक्तिगत कानूनों को शामिल करना इस विविधता की सुरक्षा का समर्थन करता है, जो अनुच्छेद 44 के तहत एकरूपता के लिए दबाव के साथ विरोधाभास को उजागर करता है। समान नागरिक संहिता भारत के बहुलवादी समाज के लिए ख़तरा हो सकती है, जहाँ लोगों की अपने धार्मिक सिद्धांतों में गहरी आस्था है। भारत के 2018 के विधि आयोग ने कहा कि इस स्तर पर समान नागरिक संहिता ₹न तो आवश्यक है और न ही वांछनीय₹, इस बात पर ज़ोर देते हुए कि धर्मनिरपेक्षता को सांस्कृतिक मतभेदों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को सुनिश्चित करना चाहिए, न कि उन्हें कमज़ोर करना चाहिए। टी.एम.ए. पाई फाउंडेशन बनाम कर्नाटक राज्य में सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय धर्मनिरपेक्षता एक संयुक्त राष्ट्र के भीतर विविध पहचानों को पहचानने और संरक्षित करने के बारे में है।

समान नागरिक संहिता राष्ट्रीय पहचान के तहत कई व्यक्तिगत पहचानों के सह-अस्तित्व को संभावित रूप से नष्ट करके इस सिद्धांत के साथ संघर्ष कर सकती है। समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश या दृष्टिकोण की अनुपस्थिति एक महत्त्वपूर्ण बाधा है। सभी व्यक्तिगत कानूनों को मिलाने या संवैधानिक जनादेश का पालन करने वाले नए कानून बनाने की जटिलता आम सहमति बनाने को जटिल बनाती है।

बाबा साहेब अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धा रखने वाला कौन है, भाजपा या कांग्रेस

रामस्वरूप रावतसरे

देश की संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के भाषण के क्लिप के एक हिस्से को काटकर कॉन्ग्रेसी और विरोधी दल सरकार को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है कि कॉन्ग्रेस ऐसा कर रही है। जब-जब कॉन्ग्रेस मुद्दाविहीन होती है तो इसी तरह के फेक न्यूज फैलाकर सरकार को बदनाम करने का प्रयास करती है। ये काम सिर्फ कॉन्ग्रेसी या विपक्षी नेता ही नहीं, इसमें तथाकथित बुद्धिजीवी लोग भी अपना अहम रोल अदा कर रहे हैं। दरअसल, 17 दिसंबर 2024 को राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम पर राजनीति करने वालों को आड़े हाथों लिया था। अपने लगभग 90 मिनट के स्पीच में अमित शाह ने कॉन्ग्रेस और उसके नेताओं को डॉक्टर अंबेडकर के साथ पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं कॉन्ग्रेस द्वारा की गई हरकतों को देश के सामने रखा था। इसके बाद कॉन्ग्रेस का चिढ़ना स्वाभाविक था। इसी के चलते कॉन्ग्रेस और उसके नेताओं द्वारा अमित शाह के भाषण के हिस्से को शेयर करके सरकार को बदनाम करना शुरू कर दिया। कॉन्ग्रेस ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, "'अभी एक फैशन हो गया है- अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर.. इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।' अमित शाह ने बेहद घृणित बात की है। कॉन्ग्रेस ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, "इस बात से जाहिर होता है कि भाजपा और आरएसएस के नेताओं के मन में बाबा साहेब अंबेडकर जी को लेकर बहुत नफरत है। नफरत ऐसी कि उनके नाम तक से इनको चिढ़ है। ये वही लोग हैं जिनके पूर्वज बाबा साहेब के पुतले फूँकते थे, जो ख़ुद बाबा साहेब के दिए संविधान को बदलने की बात करते थे। जब जनता ने इन्हें सबक सिखाया तो अब इन्हें बाबा साहेब का नाम लेने वालों से चिढ़ हो गई है। शर्मनाक! अमित शाह को इसके लिए देश से माफी माँगनी चाहिए। यही बात कॉन्ग्रेस के नेता जयराम और सुप्रिया श्रीनेत सहित तमाम नेताओं ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में शेयर की है। इन नेता ने सिर्फ अमित शाह को ही नहीं बल्कि बाबा साहेब के नाम पर भाजपा और आरएसएस को भी लपेटने की कोशिश की है। दरअसल, ये सारा फेक न्यूज एक षडयंत्र के तहत वायरल किया जा रहा है ताकि अमित शाह, भाजपा और संघ को दलित-वंचित विरोधी साबित किया जा सके। वहीं, कॉन्ग्रेस के नेता अपने पूर्वजों की करतूतों को छिपाने और वर्तमान परिस्थितियों में राजनीतिक लाभ लेने के लिए अब फेक न्यूज जैसे गैर-कानूनी काम करने लगे हैं। अमित शाह के भाषण के जिस हिस्से को विरोधियों द्वारा साझा किया जा रहा है, वह सही है लेकिन उसका संदर्भ क्या है, उसे विरोधी छिपा गए। इससे अमित शाह का बयान एकतरफा दिखने लगा जबकि हकीकत इसके विपरीत है। अमित शाह ने अंबेडकर के साथ कॉन्ग्रेस के नेताओं के दुर्व्यवहार को उजागर किया था। अमित शाह ने अपने भाषण में कहा, "अभी यह फैशन चल गया है अंबेडकर अंबेडकर अंबेडकर. इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों का स्वर्ग मिल जाता। हमें आनंद है कि ये अंबेडकर का नाम लेते हैं, लेकिन अंबेडकर जी के प्रति आपका भाव क्या है ये मैं बताता हूँ। इसके बाद अमित शाह कॉन्ग्रेस और पंडित नेहरू की पोल खोलकर रख देते हैं। अमित शाह ने आगे कहा, "अंबेडकर जी ने देश की पहली कैबिनेट से इस्तीफा क्यों दे दिया? अंबेडकर जी ने कई बार कहा कि अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के साथ हुए व्यवहार से मैं असंतुष्ट हूँ। सरकार की विदेश नीति से मैं असहमत हूँ और आर्टिकल 370 से मैं असहमत हूँ। इसलिए वे छोड़ना चाहते थे। उन्हें आश्वासन दिया गया लेकिन वो पूरा नहीं हुआ और नजरअंदाज किए जाने के कारण इस्तीफा दे दिया। केंद्रीय गृहमंत्री ने आगे बताया, "श्री बीसी रॉय ने पत्र लिखा कि अंबेडकर और राजा जी जैसे लोग मंत्रिमंडल छोड़ेंगे तो क्या होगा। तो उनको नेहरू जी ने जवाब में लिखा- राजाजी के जाने से थोड़ा-बहुत नुकसान तो होगा, लेकिन अंबेडकर के जाने से मंत्रिमंडल कमजोर नहीं होगा। अमित शाह ने आगे कहा कि कॉन्ग्रेस जिसका विरोध करती रही है, उसका वोट के लिए नाम लेना कितना उचित है। अंबेडकर जी को मानने वाले पर्याप्त संख्या में आ गए हैं, इसलिए आप अंबेडकर अंबेडकर कर रहे हो। इस तरह, केंद्रीय मंत्री अमित शाह के पूरे भाषण को सुना जाए तो वो साफ तौर पर बता रहे हैं कि जिस अंबेडकर का नाम अब कॉन्ग्रेस जप रही है, उन्हीं अंबेडकर को उसने कितना जलील किया है हालाँकि, अपने राजनीतिक फायदे के लिए कन्ग्रेस, उसके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गाँधी, जयराम रमेश, सुप्रिया श्रीनेत आधे-अधूरे क्लिप को चलाकर फेक न्यूज फैला रहे हैं।

राष्ट्रवाद की भूमिका मत्वपूर्ण

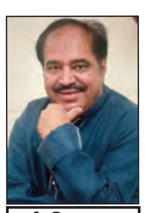

संजीव ठाकुर

राष्ट्रीय चरित्र और राष्ट्रवाद शालाओं की बुनियादी शिक्षा कक्षाओं और गुरु और शिष्य के साथ देश के प्रति समर्पण के भाव से प्रस्फुटित होता है । राष्ट्रवाद राष्ट्र की रक्षा ,अखंडता एवं सशक्तिकरण के भाग्य को संरक्षित कर सुदृढ़ बनाता है । स्वतंत्रता के बाद विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के भावी भविष्य को पहचानते हुए बुनियादी कक्षाओं की राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका को सहजता से पहचान लिया और अमेरिका की तर्ज पर भारत को तकनीकी तौर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए अमेरिका के एमआईटी की तर्ज पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करवाया था ।जब खड़कपुर आईआईटी की स्थापना की गई थी तब उन्होंने अतिथि के रूप में अपने भाषण में कहा की भारत को वैज्ञानिक महाशक्ति बनाने का दायित्व इन्हीं आई,आई,टी की कक्षाओं शिक्षकों एवं छात्राओं का होगा, वे राष्ट्र को तकनीकी दिशा में मील का पत्थर बनाने में साबित होंगे । वर्तमान में भारत आज अंतरिक्ष की बड़ी शक्तियों की कतार में शामिल है।

इसके पीछे भारत के कई वैज्ञानिक सीवी रमन ,विक्रम साराभाई, सतीश धवन जैसे बड़े वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इसरो संस्थान है जिसकी कक्षाओं में मंगल तक भारतीय तिरंगे को लहराया. भाभा एटॉमिक परमाणु शक्ति बन गया है। वैश्विक स्तर पर हर बड़े स्पेस रिसर्च सेंटर पर भारत की इंजीनियर और वैज्ञानिक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आज अमेरिका आर्थिक महाशक्ति बनने के पीछे उसके विश्वविद्यालय ,संस्थाएं हैं। हावर्ड बिजनेस स्कूल विश्व स्तरीय व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में से एक माना जाता है। आर्थिक सामाजिक तथा वैज्ञानिक शोध संस्थाओं में अधिकाधिक धनराशि खर्च करके अमेरिका, रूस, ब्रिटेन ,चीन, ऑस्ट्रेलिया ,कनाडा ने विश्व में सर्वश्रेष्ठ बुद्धिजीवी दिए हैं । यह तो तय है कि कोई भी देश का भाग्य तभी उन्नत तथा विकसित होगा जब वहां के छात्र शिक्षक एवं आमजन न्याय, समता ,प्रबुद्धता के प्रति अपनी अडिग प्रतिबद्धता रखें। आने वाली पीढ़ी यानी कि वर्तमान के बच्चे और भविष्य के नागरिक ही किसी देश का भविष्य निर्माण करते हैं और यह भी तय रहता है कि बुद्धिमान शिक्षक अपने छात्रों के माध्यम से किसी महान राष्ट्र की नींव रखते हैं।

किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण रातों-रात नहीं होता है इसके लिए पीढीयो का योगदान और श्रेष्ठ शिक्षक एवं छात्रों की लग्न शीलता और मेहनत की प्रतिबद्धता होती है। 1960 और 70 के दशक में चीन में गठित सांस्कृतिक क्रांति कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेतों ,कारखानों को एकता में बांधकर सक्रिय नीति का प्रयोग कर सभी को एक सूत्र में बांधा गया था। जापान तो प्राथमिक कक्षाओं से उपजे राष्ट्रवाद, अनुशासन तथा कर्तव्य बोध के लिए सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रहा है, जापान में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पराजय का कड़वा घूंट पीने के पश्चात कमजोर एवं मृतप्राय जापान को एक शक्तिशाली आर्थिक राष्ट्र बना दिया। इसके विपरीत वर्तमान कक्षाएं प्रेम, अनुशासन ,करुणा जैसे पाठ ना सिखा कर ईर्ष्या, कंपटीशन, हिंसा ,कटुता जैसे अध्याय सिखा कर राष्ट्र के भविष्य को गर्त में ले जा रही है ।

तिजोरी में ताले, जेब अजनबी के हवाले

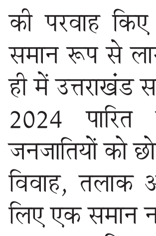

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

किसी ने ठीक ही कहा है, ₹रुपया वह रानी है, जो महाराज को उसकी मर्जी से नचाती है।₹ अब यह कहानी उस रानी और उसके अजीबो-गरीब दरबारियों की है, जो एक छोटे से गाँव के सबसे बड़े व्यापारी, कन्हैया लाल की है। कन्हैया लाल, नाम से तो बड़े 'धनपति' मालूम होते थे, लेकिन असलियत में वो एक ऐसे आदमी थे, जिनके बैंक अकाउंट में हमेशा से दो शून्य ज्यादा होते थे—कभी तकदीर के, कभी झूठे अहंकार के! एक दिन कन्हैया लाल को याद आया कि उन्हें अपनी दुकान के नए शटर पर रंग कराना है। लेकिन पुराने 'शटर' की हालत देखकर यह तय हुआ कि इस काम के लिए भी उधारी का ही सहारा लिया जाएगा। कन्हैया लाल ने सबसे पहले अपने पुराने दोस्त माखनलाल से संपर्क किया, जो गांव में प्रसिद्ध था 'उधारी बैंक' के नाम से। माखनलाल ने मस्त बात कहते, "भैया, अगर उधारी का कोई स्कूल होता, तो मैं इसका प्रिंसिपल होता!" कन्हैया लाल को आज इसी पाठशाला में दाखिला लेना है। कहा - "मुझे रंगीन शटर चाहिए, लेकिन इसके लिए तुमसे थोड़ी उधारी की जरूरत है।" माखनलाल हंसते हुए बोला, "अरे, रंग तो तुम्हारे शटर का होगा, लेकिन अगर शटर टूटेगा तो तुम मुझे तो जिम्मेदार नहीं ठहराओगे, न? भाभी को बताओगे तो उधारी की नफरत और बढ़ जाएगी। बेशक उधारी से कुछ हासिल होता है, लेकिन कई बार बदनामी भी मिलती है, जैसे हमारी सरकार को मिलती है!" उधारी की खुमारी में डूबे कन्हैया लाल ने समझा, 'तो क्या हुआ, माखनलाल? बिना उधारी के तो हर काम अधूरा ही रहेगा।' कन्हैया लाल ने माखनलाल से उधारी लेकर शटर रंगवाया, लेकिन अब समस्या यह थी कि उधारी वापस कैसे चुकाई जाए। कन्हैया लाल ने सोचा, अगर माखनलाल को सच में उधारी के पैसे देना पड़े, तो उसके लिए कुछ बड़ा करना पड़ेगा। यही सोचते हुए उन्होंने अपने पड़ोसी बबलू भैया से संपर्क किया, जो हमेशा नए-नए जुगाड़ों के लिए मशहूर थे। बबलू भैया ने कहा, "कन्हैया भाई, तुमने मुझसे उधारी के बारे में पूछा था, लेकिन देखो! मुझे बाइक खरीदनी है, तो क्या तुम फाइनेंस कर सकते हो?" कन्हैया लाल हक्का-बक्का होकर बोले, "फाइनेंस? भाई, मैं अपनी उधारी चुकाने के लिए परेशान हूँ और तुम हो कि उल्टे मेरे पीछे पड़ गए हो। जैसे पत्ते चाटने वाले को मुँह चाटने वाला मिल गया हो।" "नहीं भाई,मैं तो चाहता था कि आपसे फाइनेंस करवाके आपसे रिश्ते मजबूत करना चाहता था। हर महीने आपको फाइनेंस के पैसे चुकाने के बहाने आपके घर आकर चाय-वाय पीने का मौका मिल जाता। देने और लेने वाले के संबंध किसी भी अन्य रिश्तों से अधिक मजबूत होते हैं।" बबलू भैया ने शरारत से कहा। यह सुनकर कन्हैया लाल को समझ में आया कि उधारी तो सिर्फ झंझट का नाम है। उसका कोई रास्ता नहीं, और उसकी मुसीबतें लगातार बढ़ती जा रही थीं। यही वह समय था, जब कन्हैया लाल को उधारी के गहरे दर्शन का एहसास हुआ। उन्होंने सोचा, क्यों न अपनी छोटी-छोटी परेशानियों को उधारी के माध्यम से निपटाया जाए? फिर वह अपने पुराने दोस्त रामु से मिले। रामु, जिनकी दुकान पर हर चीज़ पर 'उधारी' का स्टिकर चिपका था। रामु ने कन्हैया से कहा, "कन्हैया भाई, यह उधारी की दुनिया सचमुच अद्भुत है। हर चीज़ उधारी में बिकती है, पर उधारी कभी खत्म नहीं होती!" कन्हैया लाल ने अपना सिर पकड़ लिया और कहा, "तो हम उधारी के फेर में फंसकर क्या हासिल करने वाले हैं?"रामु मुस्कराते हुए बोले, "अरे भाई, जो चीज़ सपने में नहीं मिलती, वो उधारी से मिल जाती है। उधारी चुकाए न चुकाए उधार देने वाले को हमेशा याद रखते हैं।

500 साल पुराने मंदिर का रहस्य
जहां हनुमान जी ने स्वयं प्रकट होकर हल कर दिया था भक्तों का विवाद!

गुजरात के जामनगर को छोटी काशी कहा जाता है क्योंकि यहां कई धार्मिक स्थान हैं। जामनगर जिले के लोग धार्मिक प्रवृत्ति के माने जाते हैं। ऐसा ही एक प्राचीन धार्मिक स्थल है कुंडालिया हनुमानजी मंदिर, जो जोडियाणा के कुंडा गांव में स्थित है। बता दें कि करीब 500 साल पुराने इस मंदिर में कुंडालिया हनुमानजी स्वयंभू रूप में प्रकट हुए थे और आज हजारों लोग उनकी दर्शन करने आते हैं क्योंकि वे भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

मंदिर का इतिहास और पौराणिकता

लोकल 18 से बात करते हुए इस मंदिर के पुजारी महामंडलेश्वर अभदेश दास बापू ने बताया, "मैं यहां 7वीं पीढ़ी से सेवा कर रहा हूं। यह मंदिर लगभग 500 साल पुराना है।" वे पिछले 35 सालों से पूजा और सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हनुमानजी महाराज स्थापन किए गए देवता नहीं हैं, बल्कि स्वयंभू रूप से प्रकट हुए हैं। इस मंदिर में 2 मूर्तियां हैं और खास बात यह है कि दोनों मूर्तियां दक्षिण दिशा की ओर हैं।"

एक मान्यता के अनुसार, पहले हनुमानजी महाराज की सिर्फ एक मूर्ति थी, लेकिन पुजारी और भक्तों के बीच यह विवाद हुआ कि सुबह सबसे पहले पूजा कौन करेगा। इस समस्या के समाधान के लिए भगवान से प्रार्थना की गई और कहते हैं कि मुख्य मूर्ति के पीछे एक दूसरी मूर्ति स्वयंभू रूप से प्रकट हो गई।

दुर्लभ मंदिर और भक्तों की मान्यता

ऐसा कोई गांव नहीं है जहां हनुमानजी महाराज का मंदिर न हो, लेकिन ऐसे बहुत कम मंदिर हैं जहां भगवान स्वयंभू प्रकट हुए हों और उनमें भी दो मूर्तियां होना अत्यंत दुर्लभ है। मान्यता है कि हनुमानजी महाराज यहां भक्तों की इच्छाएं पूरी करते हैं और इसी वजह से यहां बड़ी संख्या में भक्त आते हैं। बता दें कि शनिवार और विशेष अवसरों पर, त्योहारों के समय, कई भक्त पैदल चलकर भी यहां दर्शन करने आते हैं।

मंदिर का महत्व

पुजारी महाराज ने दावा किया, "यह मंदिर जामनगर और खंभालिया के अस्तित्व में आने से पहले का है। संतों और महंतों ने सालों तक यहां पूजा की है। जब जमरावल ने हलार की भूमि पर अपना राज्य स्थापित किया, तो उनकी नजर जांकीदास महंत पर पड़ी। इतिहास कहता है कि इस मंदिर के महंत जांकीदास ने जामनगर और खंभालिया की भूमि का पूजन किया था।"

कमर में कतार बांधे विश्व के इकलौते हुनमान, जहां विवाह कामना को जुटते देशभर से कुंवारे, अनूठी मान्यता

मंदिर के साथ यहां एक गौशाला भी है। साथ ही, यहां कई व्यापारी, जैसे कि खाने-पीने के विक्रेता, रोजगार के लिए आते हैं। बच्चों के मनोरंजन के लिए यहां एक गार्डन भी है।

किस पांडव को दिल में रखती थी दुर्योधन की पत्नी

क्या आपने कभी सोचा कि जिस तरह रामायण में रावण की पटरानी यानि मुख्य पत्नी मंदोदरी ने पति की मृत्यु के बाद विश्वासघाती भाई विभीषण से क्यों शादी कर ली थी। ठीक ऐसा ही उदाहरण महाभारत में देखने को मिलता है, क्योंकि इसमें दुर्योधन की खूबसूरत और चतुर पत्नी भानुमति ने युद्ध में पति के मारे जाने के बाद प्रबल शत्रु रहे पांडव भाइयों में से ही एक से शादी करके घर बसा लिया, फिर जिंदगीभर वह आराम से रही। आखिर किस वजह से भानुमति ने ऐसे काम किए कि एक मुहावरा ही उसके नाम पर पड़ गया।

महाभारत के मुख्य पात्र दुर्योधन के बारे में बहुत लिखा और कहा गया है लेकिन क्या आपको मालूम है कि उनकी पत्नी कौन थी, जिसे वह बहुत प्यार करते थे। उसका महाभारत के युद्ध में पति समेत कौरवों की मृत्यु के बाद क्या हुआ। दुर्योधन की पत्नी का नाम भानुमति था, जो अपूर्व सुंदरी थी।

आंचलिक कथाओं में ये कहा गया कि जब दुर्योधन नहीं रहा तो भानुमति ने अर्जुन से विवाह कर लिया। कहा जाता है कि दुर्योधन से विवाह करने से पहले वह मन ही मन अर्जुन को चाहती थीं। हालांकि अर्जुन से विवाह के कोई पुख्ता साक्ष्य महाभारत या उसकी उत्तर कथा वाले ग्रंथों में नहीं मिलते।

महाभारत के मुताबिक दुर्योधन की पत्नी का नाम भानुमति था। महाभारत में दुर्योधन की पत्नी का तीन बार ज़िक्र मिलता है। शांति पर्व में बताया गया है कि दुर्योधन ने कर्ण की मदद से राजा चित्रांगद की बेटी भानुमति का स्वयंवर से अपहरण करके विवाह कर लिया था।

बाद में, स्त्री पर्व में भी दुर्योधन की सास गांधारी ने भानुमति का ज़िक्र किया है। भानुमती के एक बेटा और एक बेटी थी। शांति पर्व में ऋषि नारद दुर्योधन और कर्ण की मित्रता के बारे में एक कहानी सुनाते हुए बताते हैं कि किस तरह कर्ण की मदद से दुर्योधन ने कलिंग राजा चित्रांगद की बेटी का अपहरण कर शादी की थी। भानुमति के बारे में उल्लेख हुआ है कि वह ताजिंदगी कृष्ण की पूजा करती रही। बेशक उसके पति दुर्योधन ने कई बार कृष्ण को खरीखोटी सुनाई, अपमान भी किया लेकिन भानुमति के लिए वह हमेशा आराध्य रहे। यहां तक कि पति के निधन के बाद भी वह उनकी भक्त बनी रही।

भानुमति के बारे में उल्लेख किया गया है कि वह ताजिंदगी कृष्ण की पूजा करती रही। बेशक उसके पति दुर्योधन ने कई बार कृष्ण को खरीखोटी सुनाई, अपमान भी किया लेकिन भानुमति के लिए वह हमेशा आराध्य रहे। यहां तक कि पति के निधन के बाद भी वह उनकी भक्त बनी रही। महाभारत के स्त्री पर्व में दुर्योधन की मां गांधारी , कृष्ण से अपनी पुत्रवधू का वर्णन इस प्रकार करती हैं। भानुमति के बेटे का नाम लक्ष्मण था, जो खुद महाभारत के युद्ध में मारा गया। बेटी का नाम लक्ष्मणा था।

गांधारी कृष्ण से कहती हैं, हे कृष्ण! देखो, ये दृश्य मेरे पुत्र की मृत्यु से भी अधिक दुःखदायी है। दुर्योधन की प्रिय पत्नी महाबुद्धिमान कन्या है, देखो वह कैसे अपने पति और बेटे के लिए विलाप कर रही है। अब सवाल ये उठता है कि भानुमति ने पति दुर्योधन के सबसे बड़े दुश्मन पांडु पुत्र अर्जुन से क्यों विवाह कर लिया। भानुमति जितनी रूपवती थी, उतनी ही चतुर भी।

कहा जाता है कि जब महाभारत का युद्ध तय हो गया, तब भानुमति को पता था कि कौरवों का सर्वनाश हो जाएगा। अपने कुनबे को बचाने के लिए उसने ही भगवान श्री कृष्ण के पुत्र साम्ब को अपनी पुत्री लक्ष्मणा को भगाकर ले जाने की युक्ति सुझाई।

एक अन्य कथा के अनुसार साम्ब जब लक्ष्मणा का अपहरण कर फरार हो गया तो भानुमति ने दुर्योधन को अपने अपहरण की याद दिलाई और साम्ब से लक्ष्मणा के विवाह में अहम भूमिका निभाई। भानुमति ने अपने कुनबे को बचाने के लिए हर वो असंगत कार्य किया, हर उस चीज को जोड़ा, जिसका जुड़ना संभव नहीं था। इसीलिए कहीं का ईंट, कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा। संबंधित कहावत बनी।**(जारी)**

रावण के 5 अधूरे सपने, अगर हो जाते पूरे तो आज कुछ और ही होती दुनिया

लंका का राजा रावण एक प्रकांड्य विद्वान, महाज्ञानी और महा पराक्रमी था। उसने तीनों लोगों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर रखा था। 9 ग्रह उसके चरणों में पड़े रहते थे। शनि देव को उसने बंदी बना रखा था।

उससे देवता भी भय खाते थे। रावण ने अपने जीते जी हर सपने को पूरा करना चाहा, लेकिन उसके कुछ सपने ऐसे भी थे, जो अधूरे रह गए। आइए जानते हैं रावण के 5 अधूरे सपनों के बारे में।

सोने में सुगंध पैदा करना: सोने की नगरी लंका में हर सुख और ऐशोआराम के साधन थे। पूरी लंका सोने से बनी थी, जिसकी चमक हर किसी को अपनी ओर खिंचती थी। लेकिन उस सोने में कोई सुगंध नहीं थी। रावण चाहता था कि वह सोने में सुगंध पैदा कर दे, लेकिन यह सपना भी अधूरा रह गया।

लंका से स्वर्ग तक सीढ़ी बनाना: रावण का तीसरा सपना था लंका से स्वर्ग तक सीढ़ी बनाना। रावण चाहता था कि स्वर्ग जाने के लिए किसी को मरना न पड़े। व्यक्ति जीवित ही स्वर्ग पहुंच जाए। उसने स्वर्ग तक सीढ़ी बनाने की कोशिश की, लेकिन बीच में ही सो गया। इस वजह से यह सपना अधूरा रह गया।

समुद्र के खारे पानी को मीठा बनाना: रावण की नगरी लंका चारों ओर समुद्र से घिरी हुई थी, जिसका पानी खारा था। रावण चाहता था कि समुद्र का पानी मीठा हो जाए। रावण का यह पहला सपना था, जो अधूरा रह गया।

खून का रंग बदलना: दशानन रावण चाहता था कि खून का रंग लाल न हो। वह खून का रंग सफेद करना चाहता था, ताकि लोग खून देखकर भयभीत न हों।

पिता के सामने कोई पुत्र न मरे: रावण एक और सपना था कि किसी भी पिता का कोई पुत्र न मरे। अपनी आंखों के सामने पुत्र को मरता देखना, दुनिया का सबसे बड़ा कष्ट होता है। लेकिन जो व्यक्ति ने जन्म लिया है, उसका मरना निश्चित है। इस वजह से रावण का यह भी सपना पूरा नहीं होना था।

तिरुपति बालाजी में क्यों किया जाता है बालों का दान, कैसे शुरू हुई थी परंपरा?

भारत में बहुत से प्राचीन मंदिर हैं। जिनमें से कुछ मंदिर ऐसे है जो अपने रहस्यों के चलते जाने जाते हैं। वहीं कुछ मंदिर ऐसे जो अपनी अनोखी परंपरा के चलते दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। उनमे से एक तिरुपति बाला जी मंदिर है। जहां सिर्फ देश नहीं बल्कि विदेशों मे बहुत से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। इसलिए तिरुपति बालाजी मंदिर की गिनती देश के सबसे अधिक धनवान मंदिरों में की जाती है, क्योंकि यहां श्रद्धालु हर साल अपनी श्रद्धा के अनुसार कई करोड़ का चढ़ावा चढ़ाते हैं, जिसमे रुपए,पैसे और सोने का दान किया जाता है। इसके अलावा यहां लोग अपने बाल भी दान करते हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में बालों का दान करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और मां लक्ष्मी भी प्रसन्न होकर आशीर्वाद देती हैं।

किस देवता की होती है पूजा?

तिरुपति बालाजी का यह प्रसिद्ध मंदिर श्री वेंकटेश्वर स्वामी यानी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस मंदिर में श्री वेंकटेश्वर अपनी पत्नी पद्मावती के साथ तिरुमला में निवास करते हैं। इस खूबसूरत मंदिर भारतीय वास्तु कला और शिल्प कला का उत्कृष्ट नमूना है। यह मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में तिरुमाला पर्वत पर स्थित है।

क्या है कहानी?

पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन काल में एक बार भगवान बालाजी की मूर्ती पर ढेरों चीटियों का एक पहाड़ बन गया था। जिस पर हर दिन एक गाय आकर दूध देकर चली जाती थी। जब गाय के मालिक को यह पता चला तो, वो नाराज हो गया और कुल्हाड़ी से गाय का वध कर दिया। इससे बालाजी के सिर चोट लग गई और उनके सिर के बाल गिर गए। इसके बाद भगवान तिरुपति बालाजी की मां नीला देवी ने अपने बाल काट दिए और बालाजी के सिर पर रख दिए। ऐसे भगवान के सिर का घाव बिल्कुल ठीक हो गया।

जिसके बाद भगवान ने प्रसन्न होकर कहा कि बाल शरीर की सुंदरता को बढ़ाते हैं, लेकिन आपने मेरे लिए बालों का त्याग कर दिया। आज से जो भी मेरे लिए अपने बालों का त्याग करेगा, उनकी हर इच्छा पूरी होगी। तब से भक्त अपने बालों को तिरुपति बालाजी मंदिर में अपने बालों का दान कर रहे हैं। इस मंदिर के पास नीलादरी हिल्स है, जहां पर नीला देवी का भी मंदिर है।

एक व्यक्ति ने विवेकानंद से पूछा मैं मेहनत करता हूं, मुझे सफलता क्यों नहीं मिल रही है?

स्वामी विवेकानंद के आश्रम में कई लोग उनसे मिलने, उनसे मार्गदर्शन लेने, अपनी समस्याओं के हल पूछने के लिए पहुंचते थे। एक दिन स्वामी जी के पास एक व्यक्ति आया और वह लगातार प्रश्न पूछने लगा।

उस व्यक्ति ने पूछा कि मैं दिनभर कई काम करता हूं, खूब मेहनत करता हूं, फिर भी मुझे सफलता क्यों नहीं मिल रही है?

विवेकानंद उसकी बातें ध्यान से सुन रहे थे, वह बिना रुके लगातार बोले जा रहा था। जब वह व्यक्ति शांत हुआ तो उन्होंने उससे कहा कि मैं आपकी सभी समस्याओं के हल बता दूंगा, लेकिन पहले क्या आप मेरा एक काम कर सकते हैं?

उस व्यक्ति ने कहा कि बताइए, क्या काम करना है?

स्वामी जी ने कहा कि आश्रम में एक कुत्ता है, क्या आप उसे थोड़ा घुमा लाएंगे? ये बड़ा आज्ञाकारी है। जो व्यक्ति इसे घुमाने ले जाता है, वह अभी आया नहीं है।

उस व्यक्ति ने सोचा कि ये तो छोटा सा काम है। वह स्वामी जी की बात मानकर वह व्यक्ति कुत्ते को घुमाने ले गया।

करीब एक घंटे बाद जब वह व्यक्ति कुत्ते को घुमाकर लौटा तो व्यक्ति कम थका हुआ था, लेकिन कुत्ता बहुत ज्यादा थक गया था, वह बहुत हांफ रहा था।

विवेकानंद ने उस व्यक्ति से पूछा कि आप दोनों तो साथ में गए और साथ में ही लौटे, लेकिन ये कुत्ता इतना अधिक क्यों थक गया है, आप तो थके हुए नहीं दिख रहे?

उस व्यक्ति ने कहा कि मैं जब इसे घुमाने ले गया तो इसे जिस गली में इसे दूसरे कुत्ते दिख जाते, ये उस गली में दौड़ पड़ता, फिर मैं रस्सी पकड़कर इसे वापस लेकर आता। पूरे समय ये इधर-उधर दौड़ता रहा, इसलिए इसे थकना ही था। मैं इसके पीछे ज्यादा दौड़ा नहीं।

स्वामी विवेकानंद की सीख

स्वामी जी ने कहा कि इसी घटना में आपकी परेशानी का हल छिपा है। आप दिनभर इस कुत्ते की तरह लगातार दौड़ते रहते हैं तो आपकी ऊर्जा नष्ट हो जाती है।

आप एक बार में एक काम नहीं करते हैं, कई काम एक साथ करने की कोशिश में कोई एक काम भी पूरा नहीं हो पाता है। यही आपकी असफलता का कारण है।

आप पहले अपने कामों की प्राथमिकता तय करें, फिर जो सबसे महत्वपूर्ण काम है, उस पर ध्यान लगाएं।फिर अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें, एक-एक करके योजना बनाकर काम निपटाएंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।

बिना नहाए रसोई में नहीं जाना

शास्त्रों में दैनिक जीवन से जुड़ी कई बातें बताई गई हैं, जिसका पालन करने पर घर में सुख-समृद्धि आती है। शास्त्रों में बताई गई बातों का कनेक्शन व्यवहारिक जीवन से जुड़ा होता है। खासकर भोजन और स्नान को लेकर शास्त्रों में बताए नियमों का पालन करना जरूरी होता है।

दादी-नानी हमेशा कहती है कि सुबह बिना नहाए किचन में प्रवेश नहीं करना चाहिए। लेकिन बदलते लाइफस्टाइल और दिनचर्या की वजह से लोग शास्त्रों में बताए नियमों का पालन नहीं करते, जिसका प्रभाव उनके घर-परिवार और जीवन पर पड़ता है।

आपको दादी-नानी की ये बातें अटपटी या मिथक लग सकती है। लेकिन शास्त्रों में इसका कारण भी बताया गया है। अगर आप दादी-नानी की बताई बातों को फॉलो करेंगे तो भविष्य में होनी वाली अनहोनी या अशुभ घटना से बच सकते हैं। दादी-नानी की इन बातों में परिवार की भलाई छिपी होती है। आइए जानते हैं आखिर क्यों क्यों दादी-नानी कहती है कि बिना स्नान किए रसोई में प्रवेश नहीं करना चाहिए।

क्यों स्नान के बाद ही करें रसोई में प्रवेश

हिंदू धर्म में स्नान को शुद्धिकरण के रूप में देखा जाता है। मान्यता है कि स्नान के बाद शरीर शुद्ध हो जाता है। भोजन पकाने के लिए भी तन और मन का शुद्ध होना जरूरी होता है।

स्नान के बाद रसोई में प्रवेश करने से शारीरिक और आध्यात्मिक स्थिति स्वच्छ होती है, जिससे भोजन पकाने वाले के शरीर से सकारात्मक ऊर्जा निलकती है। इस स्थिति में पकाया गया भोजन जो ग्रहण करता है उसे भी कई लाभ होते हैं।

इसके अलावा स्नान के बाद ही रसोई में प्रवेश करने का एक कारण यह भी है कि हिंदू धर्म में रसोई को मंदिर की तरह पवित्र स्थल माना जाता है। कई घरों में भोजन तैयार होने के बाद सबसे पहले भगवान को भोग लगाया जाता है, उसके बाद परिवार के अन्य सदस्य भोजन ग्रहण करते हैं। इसलिए भी स्नान के बाद रसोई में जाने और भोजन पकाने की सलाह दी जाती है।

क्या कहता है विज्ञान

बड़े बुजुर्गों और शास्त्रों में बताई गई बातों का संबंध विज्ञान से भी होता है। विज्ञान भी मानता है कि, स्नान के बाद रसोई में जाना स्वच्छता के लिहाज से अच्छा होता है। रातभर सोकर उठने के बाद या कहीं बाहर से आकर तुरंत रसोई में जाने से शरीर में मौजूद बैक्टीरिया या गंदगी खाने की शुद्धता को कम करते हैं।

इसलिए स्नान के बाद ही रसोई में प्रवेश करने की सलाह दी जाती है। यह न सिर्फ आपके लिए बल्कि परिवार की सेहत के लिए भी अच्छा होता है।

समुद्र मंथन से महाकुंभ का क्या संबंध, चार जगहों पर ही क्यों होता है इसका आयोजन

महाकुंभ की शुरुआत नए साल 2025 में 13 जनवरी से होने जा रही है। इस भव्य आयोजन की तैयारियां लगभग हो चुकी हैं। यह विशाल प्रोग्राम 26 फरवरी महाशिवरात्रि के साथ 2025 को संपन्न होगा। लेकिन क्या आपको पता है कि महाकुंभ का समुद्र मंथन से क्या संबंध है? और इसके लिए पूरे भारत में चार जगह ही क्यों निर्धारित की गई हैं। यहां जानिए महाकुंभ का समुद्र मंथन से गहरा संबंध।

समुद्र मंथन से महाकुंभ का संबंध

धार्मिक कथाओं के अनुसार एक बार देवता और दानवों के बीच समुद्र मंथन के दौरान निकले अमृत कलश को लेकर महायुद्ध हो गया। दानव चाहते थे कि अमृत कलश उनको मिले। वहीं देवता दानवों को अमृत कलश देना नहीं चाहते थे। मान्यता है कि दानवों ने देवताओं से अमृत कलश को लेने के लिए इतना भीषण युद्ध किया कि देवताओं को वहां से कलश को लेकर भागना पड़ा। देवता और दानवों की यह लड़ाई 12 दिन तक चली थी, जो आज के समय के 12 साल माने जाते हैं।

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार माना जाता है कि देवता दानवों के भय से अमृत कलश को लेकर भाग रहे थे तब उस कलश से अमृत की बूंदे धरती चार स्थानों पर गिरी थीं, जो कि आज के समय में विशेष पवित्र स्थान माने जाते हैं। जिसमें प्रयागराज, उज्जैन, हरिद्वार और नासिक शामिल है।

महाकुंभ में स्नान करने से मिलता है मोक्ष

अमृत कलश से जो इन चार तीर्थ स्थलों पर बूंदें गिरी थीं। इन्हीं स्थानों पर आज महाकुंभ मेले का भव्य आयोजन किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि महाकुंभ मेले में स्नान करने से आत्मा शुद्ध होती है और मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

समुद्र मंथन की दिव्य घटना

महाकुंभ केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि समुद्र मंथन की दिव्य घटना की याद दिलाता है। इसमें आस्था, परंपरा, और आध्यात्मिक ऊर्जा का संगम होता है। जहां करोड़ों की संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु इस विशाल और भव्य आयोजन में शामिल होने के लिए आते हैं।

ऋतिक रोशन ने किया सुजैन की पोस्ट पर कमेंट एक्स वाइफ के बॉयफ्रेंड से कही ये बात

ऋतिक रोशन और सुजैन खान का जब तलाक हुआ था, तो लोगों ने मान लिया था कि इनके रिश्ते पहले की तरह कभी सहज नहीं रहेंगे। लेकिन तलाक के बाद भी दोनों को साथ देखा गया, ऋतिक रोशन और सजुैन ने कभी भी अपने रिश्ते में खटास पैदा नहीं होने दी। वह पति-पत्नी नहीं रहे लेकिन एक-दूसरे को अच्छा दोस्त मानते हैं। एक-दूसरे की खुशियों में समय-समय पर शामिल होते हैं। हाल ही में ऋतिक ने एक्स वाइफ सुजैन के बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी का नाम लेकर, एक जरूरी बात सोशल मीडिया पर शेयर की।

सुजैन, ऋतिक से तलाक के बाद अर्सलान गोनी के साथ रिलेशनशिप में आईं। इन दोनों को अकसर ही पब्लिक इवेंट, फैमिली फंक्शन में साथ देखा जाता है। सुजैन, अर्सलान के साथ सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें भी साझा करती है। हाल ही में सुजैन ने अर्सलान को अपने इंस्टाग्राम पेज पर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। साथ ही खुद को दुनिया की सबसे खुशकिस्मत महिला बताया, क्योंकि उन्हें अर्सलान जैसा प्यार करने वाला साथी मिला है। सुजैन की इसी इंस्टाग्राम पोस्ट पर ऋतिक रोशन का कमेंट भी नजर आया। उन्होंने भी अर्सलान को बर्थडे विश किया और लिखा- हैप्पी बर्थडे माय फ्रेंड।

कैसा है इनका रिश्ता

ऋतिक रोशन ने एक्स वाइफ सुजैन के बॉयफ्रेंड अर्सलान को जन्मदिन की प्यार भरी शुभकामनाएं दी हैं क्योंकि दोनों ही एक-दूसरे को अच्छे से जानते हैं। ऋतिक अपनी गर्लफ्रेंड सबा के साथ सुजैन और अर्सलान की पार्टीज में शामिल होते हैं। साथ ही ऋतिक, सबा, सुजैन, अर्सलान, सभी अपनी तस्वीरें साथ में सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं।

सुजैन और ऋतिक तलाक के बाद अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं, नए रिलेशनशिप में जा चुके हैं। लेकिन पैरेंट्स होने की अपनी जिम्मेदारियों को वह बखूबी निभा रहे हैं। ऋतिक और सुजैन अपने दोनों बेटों की परवरिश में कोई कमी नहीं रखते हैं। कई बार ऋतिक रोशन, सुजैन खान को अपने बच्चों के साथ वैकेशन मनाते हुए देखा गया है।

प्रभास की चोट के कारण आगे खिसकी 'द राजा साब'? निर्माताओं ने पोस्ट कर दिया जवाब

प्रभास अभिनीत बहुप्रतीक्षित रोमांटिक हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'द राजा साब' को लेकर एक निराश करने वाली खबर सामने आई। कुछ सोशल मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि 'फौजी' के सेट पर प्रभास के चोटिल होने के बाद इस फिल्म को आगे खिसकाया जा सकता है। वहीं, अब खुद 'द राजा साब' के निर्माताओं ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए इस पर बड़ा अपडेट साझा किया है।

आगे खिसकी 'द राजा साब'?

'द राजा साब' के निर्माताओं ने फिल्म को आगे खिसकाने की रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है। साथ ही प्रशंसकों को आश्वस्त किया कि यह अभी भी अपने तय समय पर है। 'द राजा साब' 25 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने के लिए तैयार है और इसने अपनी अनूठी शैली और प्रभास की स्टार पावर के कारण भारी उत्साह पैदा किया है। देरी की अफवाहें तब शुरू हुईं जब प्रभास के टखने में चोट लगने की खबर सामने आई, जिससे फिल्म की प्रगति के बारे में चिंताएं बढ़ गईं, खासकर जब प्रशंसक टीजर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

अफवाहों पर लगा विराम

अफवाहों पर विराम लगाने के लिए पीपल मीडिया फैक्ट्री ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने पुष्टि की कि शूटिंग सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। जानकारी के अनुसार, 'राजा साब की शूटिंग लगातार दिन और रात के शेड्यूल के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। लगभग 80 फीसदी शूटिंग पूरी हो चुकी है और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर है।'

टीजर पर आया बड़ा अपडेट

निर्माताओं ने टीजर के बारे में अटकलों को भी संबोधित किया, जिसके बारे में कुछ लोगों को उम्मीद थी कि यह क्रिसमस या नए साल के आसपास आएगा। निर्माताओं ने कहा, 'हमने क्रिसमस या नए साल के दौरान टीजर रिलीज के बारे में विभिन्न अटकलें देखी हैं। हमारा आपसे विनम्र अनुरोध है कि इन झूठी अफवाहों पर विश्वास न करें। हम किसी भी अपडेट की आधिकारिक तौर पर सही समय पर घोषणा करेंगे। आपको मंत्रमुग्ध करने के लिए टीजर जल्द ही आ रहा है।'

'द राजा साब' का निर्माण, स्टारकास्ट

प्रभास अपने करियर में पहली बार मारुति दासारी के निर्देशन में हॉरर-कॉमेडी शैली में कदम रख रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में एक विशेष रूप से निर्मित सेट पर हो रही है। कलाकारों की बात करें तो 'द राजा साब में' प्रभास के साथ निधि अग्रवाल हैं। फिल्म का हिस्सा बनने वाले अन्य कलाकारों में मालविका मोहनन, वरलक्ष्मी सरथकुमार, अनुपम खेर, संजय दत्त, मुरली शर्मा और जिशु सेनगुप्ता शामिल हैं।

मलाइका ने बताया कॉलेज में कम अटेंडेंस रहती थी पढ़ाई करते टाइम ही काम करना शुरू कर दिया था

मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में अपने मॉडलिंग करियर के शुरूआती समय के कुछ किस्से शेयर किए हैं। इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने काफी कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था। बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने कर्ली टेल्स से बातचीत में अपने कॉलेज और मां से जुड़ा किस्सा शेयर किया। उन्होंने कहा- मां को अक्सर मेरी कम अटेंडेंस के कारण कॉलेज से कॉल आते थे।

इस बातचीत के दौरान मलाइका से एक सवाल पूछा गया कि उन्होंने कॉलेज में रहते हुए मॉडलिंग कैसे शुरू की। जिस पर एक्ट्रेस ने जवाब देते हुए कहा- 'मैंने जय हिंद कॉलेज में दो साल पूरे किए फिर उसके बाद मॉडलिंग शुरू कर दी थी। हालांकि, यह काफी मुश्किल था क्योंकि मेरी मां को कॉलेज से कॉल आने लग गए थे कि मेरी कॉलेज अटेंडेंस कम है। मेरी अटेंडेंस इसलिए कम हो गई थी क्योंकि मैंने कुछ एडवर्टाइजमेंट और कुछ शो में काम करना शुरू कर दिया था। कॉलेज से बार-बार कॉल आने के बाद एक्ट्रेस ने अपनी मां को बताया कि वह काम करना चाहती हैं क्योंकि वह इंडिपेंडेंट रहना चाहती हैं।'

इस बातचीत के दौरान एक्ट्रेस से एक और सवाल किया गया कि क्या वो फेम और इंडिपेंडेंसी चाहती थीं। इस सवाल का जवाब देते हुए मलाइका ने कहा- मैं हमेशा से इंडिपेंडेंट होना चाहती थी। मुझे कुछ ऐसा करना था जिससे मुझे वेल्यू मिले। जहां तक पैसे की बात है, तो पैसा मेरे लिए इतना जरूरी नहीं था। अगर हम काम करते हैं तो पैसा तो मिलता ही है।

एक्ट्रेस ने कहा- मुझे काम इसलिए नहीं करना था कि मुझे अपना घर चलाने की जरूरत थी। लेकिन मुझे लगता था कि इससे मैं मेरी मां की मदद कर सकती हूं। ये एक अच्छा तरीका है क्योंकि मेरी मां सिंगल पैरेंट हैं। ऐसा नहीं है कि मेरी मां ने कभी इसकी उम्मीद की थी, लेकिन मुझे ही लगता था कि बड़ी बेटी होने के नाते यह मेरी रिस्पांसिबिलिटी है।

मलाइका अक्सर अपनी मां जॉयस के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। साल 2022 में ग्राजिया के साथ एक इंटरव्यू में मलाइका ने अपनी मां के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मां को हमेशा एक नए और यूनिक नजरिए से देखा है।

इस बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा था- मेरा बचपन काफी अच्छा रहा, लेकिन मेरे लिए कुछ भी आसान नहीं था। मैं पीछे मुड़कर देखूं तो मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। लेकिन कठिन समय काफी कुछ सिखाता है। मेरे माता-पिता के अलग होने से मुझे अपनी मां को जानने का काफी मौका मिला।

बता दें, मलाइका महज 11 साल की थीं जब उनके पैरेंट्स का तलाक हो गया था। उस समय मलाइका की छोटी बहन अमृता अरोड़ा सिर्फ छह साल की थीं। दोनों बहनें अपनी मां जॉयस के साथ ठाणे से चेंबूर चली गईं थी। तलाक के बाद दोनों की परवरिश मां जॉयस ने ही की।

अक्षय की 'भूत बंगला' में हुई तब्बू की एंट्री?

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी बहुचर्चित हॉरर-कॉमेडी फिल्म को लेकर कमर कस चुके हैं। फिल्म की शूटिंग लगातार जाती है। जानिए इस फिल्म में अक्षय के अपोजिट कौन सी अभिनेत्री नजर आएंगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक प्रियदर्शन की आगामी फिल्म भूत बंगला में अक्षय कुमार संग तब्बू को जोड़ी नजर आ सकती है। अगर ऐसा होता है तो तब्बू करीब 13 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के साथ इस फिल्म में काम करेंगी। इससे पहले दोनों ने साल 2000 में एक साथ फिल्म हेरा फेरी में काम किया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हॉरर-कॉमेडी फिल्म में तब्बू महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आएंगी। तब्बू को फिल्म में उनका किरदार और स्क्रिप्ट दोनों काफी पसंद आए हैं। तब्बू इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। भूत बंगला 2026 को रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी नजर आएंगे। फिल्म भूत बंगला की शूटिंग लगातार जारी है। हो सकता है कि फिल्म की शूटिंग अप्रैल, 2025 तक खत्म हो जाएगी।

फिल्म भूत बंगला की शूटिंग को लेकर अक्षय कुमार ने पहले सूचना दी थी। इसके साथ ही अक्षय ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया था। अक्षय ने फिल्म के पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीड डेट 2 अप्रैल, 2026 का खुलासा भी किया था। भूत बंगला के दो पोस्टर अभीतक सामने आ चुके हैं। भूत बंगला के दूसरे पोस्टर में अक्षय गेट किपर की तरह हाथ में लालटेन थामे नजर आए। तो वहीं फिल्म के पहले पोस्टर में अक्षय ब्लू सूट-व्हाइट शर्ट और रेड टाई में हाथ में दूध का कटोरा लिए और दूध को चाटते हुए नजर आए थे। उनके बगल में एक खतरनाक बिल्ली भी नजर आई।

फिल्म भूत बंगला से पहले अक्षय प्रियदर्शन के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। इस लिस्ट में भागम भाग, भूल भुलैया, दे दना दन, हेरा फेरी शामिल हैं। फिल्म भूत बंगला का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं और इसका निर्माण शोभा कपूर, एकता कपूर और अक्षय कुमार का प्रोडक्शन हाउस केप ऑफ गुड फिल्म्स के अंतर्गत किया जा रहा है। फिल्म की कहानी आकाश ए कोशिक ने लिखी है। फिल्म के डायलॉग रोहन शंकर ने लिखे हैं।

कार्तिक आर्यन ने 37 रीटेक्स में किया था किसिंग सीन कहा- सोचा नहीं था ये सीन सिरदर्द बन जाएगा

कार्तिक आर्यन ने हाल ही में एक किस्सा शेयर किया है। एक्टर ने बताया कि साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'कांचीः द अनब्रेकेबल' में एक किसिंग सीन उनके लिए सिरदर्द बन गया था। उन्होंने परफेक्ट किसिंग सीन देने के लिए 37 रीटेक्स दिए थे।

सुभाष जी पैशेनेट किस चाहते थे- कार्तिक

कार्तिक आर्यन से फिल्मफेयर में इंटरव्यू के दौरान इस किसिंग सीन के बारे में सवाल किया गया था। जिसका जवाब देते हुए एक्टर ने कहा- हो सकता है, मिष्टी उस वक्त जानकर गलतियां कर रही हो। सुभाष जी पैशेनेट किस चाहते थे। मुझे नहीं पता था कि किस कैसे किया जाता है। मैं उनसे पूछने ही वाला था, 'सर प्लीज मुझे दिखाओ कि किस कैसे किया जाता है।'

कार्तिक आर्यन ने आगे कहा- मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक किसिंग सीन मेरे लिए सिरदर्द बन जाएगा। उस दिन मैं लवर की तरह बिहेव कर रहा था। जब सुभाष जी ने ओके बोला तब मैं काफी खुश हुआ था।

इस फिल्म का डायरेक्शन सुभाष घई ने किया था। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन ने लवर बॉय का रोल प्ले किया था। उनके साथ फिल्म में मिष्टी चक्रवर्ती भी मुख्य भूमिका में नजर आई थीं।

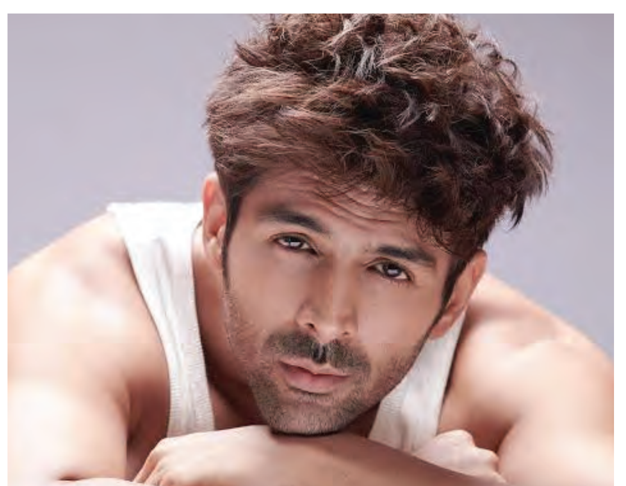

बता दें, कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 इसी साल 1 नवंबर को रिलीज हुई थी। फिल्म में कार्तिक के अलावा विद्या बालन, तृप्ति डिमरी और माधुरी दीक्षित भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था।

वहीं कार्तिक आर्यन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही अनुराग बसु की फिल्म में नजर आ सकते हैं। इस साल रिलीज हुई भूल भुलैया 3 सुपरहिट फिल्म है। रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ने 300 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है।

रवि किशन ने शेयर किया कास्टिंग काउच का एक्सपीरियंस

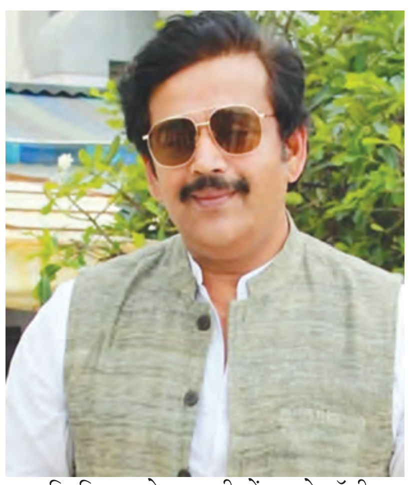

रवि किशन ने हाल ही में अपने बॉलीवुड करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। इस दौरान एक्टर ने इंडस्ट्री में हुए कास्टिंग काउच एक्सपीरिएंस का खुलासा किया है। साथ ही उन्होंने किरण राव की फिल्म लापता लेडीज में पुलिस अफसर श्याम मनोहर का किरदार निभाने को लेकर भी बात की है। रवि किशन से पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान एक सवाल पूछा गया कि बॉलीवुड में क्या सही में उनके साथ कास्टिंग काउच हुआ था।

जिसका जवाब देते हुए एक्टर ने कहा- देखो जिंदगी में हर प्रोफेशन में, हर इंडस्ट्री में, ऐसी घटनाएं होती हैं, आप सुंदर होते हैं, यंग होते हैं, फिट होते हैं बस आपके पास पैसे नहीं होते। काफी स्ट्रगल करना पड़ता है, आपके पास कुछ नहीं होता, तो इस तरह की कोशिशें आप पर अक्सर होती हैं। लोग आपके ऊपर एक पत्ता फेंककर तो जरूर देखते हैं कि लगा तो ठीक है। तो ऐसे कई लोगों ने हमारे ऊपर भी बहुत सारे अटैक किए थे।

रवि किशन से बातचीत के दौरान एक और सवाल पूछा गया कि क्या बॉलीवुड में जात-पात या धर्म देखकर काम होता है? जिस पर रवि किशन ने कहा, 'नहीं, नहीं, कभी नहीं। इंडस्ट्री में ऐसा कुछ नहीं होता है।

रवि किशन ने बातचीत में फिल्म लापता लेडीज का किस्सा शेयर करते हुए बताया कि आमिर खान लापता लेडीज में खुद काम करना चाहते थे। उन्होंने पुलिस की वर्दी भी बनवा ली थी। लेकिन किरण राव जी ने मना कर दिया था। उन्होंने कहा था कि नहीं, हमको रवि किशन चाहिए। और आमिर खान का इतना बड़ा दिल है कि उन्होंने इस बात को एक्सेप्ट किया।

रवि किशन ने कहा कि फिल्म के रिलीज होने के बाद आमिर ने हम लोगों ने साथ भोपाल में फिल्म देखी थी। तो उस दौरान उन्होंने मुझसे कहा कि मैं शायद आपके जैसा नहीं कर सकता था। आपने बहुत बढ़िया काम किया है।

मनोहर का किरदार निभाने के लिए खाए थे 160 पान

लापता लेडीज में रवि किशन के किरदार पुलिस अफसर मनोहर को पान खाते हुए दिखाया गया था। इस बारे में एक्टर ने बताया, 'मैंने 160 पान खाए थे, हम एक बार बिहार में गए थे तो ऐसा ही एक अधिकारी देखा था। रवि ने बताया कि फिल्म में उनका किरदार मनोहर मुंह में पान लिए अजीब तरह से जो बात करता नजर आया है, वो उनका खुद का आइडिया था। एक्टर ने कहा, हां, किरण राव चाहती थीं, मैं समोसा खाता रहूं। ये एक ऐसा अधिकारी था जो हमेशा कुछ न कुछ खाता रहता है। तो मैंने बोला- मैम पान मंगवाइए। बता दें, रवि किशन हिंदी और भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुके हैं। साथ ही एक्टर गोरखपुर संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के सांसद भी हैं।

कपिल बोले- मैंने एटली के लुक्स पर टिप्पणी नहीं की पलटवार करते हुए कहा- नफरत फैलाने की जरूरत नहीं

फिल्ममेकर एटली कुमार हाल ही में 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में अपने नए प्रोडक्शन वेंचर 'बेबी जॉन' को प्रमोट करने के लिए पहुंचे थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर काफी गुस्सा देखा गया। कुछ यूजर्स ने कपिल शर्मा पर एटली की अपीयरेंस को लेकर मजाक बनाने का आरोप लगाया।अब कपिल शर्मा ने इन आरोपों का पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने एटली का मजाक उड़ाने की कोशिश नहीं की। उन्होंने यूजर्स से इस एपिसोड को देखने और खुद फैसला करने की अपील की।

कपिल ने एक सोशल मीडिया यूजर के पोस्ट का जवाब दिया, जिसमें लिखा था, 'कपिल शर्मा ने एटली के लुक्स का मजाक उड़ाया? एटली का जवाब एक बॉस की तरहः लुक्स से मत देखो, दिल से देखो। जवाब में कपिल ने लिखा, 'प्रिय सर, बताएं कि इस वीडियो में मैंने लुक्स के बारे में कब और कहां बात की? सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने की कोशिश मत कीजिए, धन्यवाद। (लोग खुद देखें और कोई ट्वीट फॉलो न करें, भेड़ की तरह)।'

क्या है पूरा मामला?

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के एक वीडियो में एटली और कपिल शर्मा के बीच बातचीत दिखी। इस बातचीत में कपिल एटली से पूछते हैं, 'एटली सर, आप इतने युवा हैं। इतनी बड़ी प्रोड्यूसर, डायरेक्टर कैसे बन गए? कभी ऐसा हुआ है कि किसी स्टार से पहली बार मिले और उसने कहा 'एटली कहां है?'

इस पर एटली कहते हैं, 'आपकी बात समझ में आई। मैं इसे समझाने की कोशिश करूंगा। मैं AR मुरुगदास सर का बहुत शुक्रगुजार हूं। क्योंकि उन्होंने मेरी पहली फिल्म बनाई। उन्होंने स्क्रिप्ट मांगी, लेकिन उन्होंने मेरे लुक्स या मेरी क्षमता के बारे में सवाल नहीं किया। लेकिन उन्होंने मेरी कहानी पसंद की। हमें सिर्फ दिल से देखना चाहिए, लुक्स से नहीं।''बेबी जॉन' के साथ 'वरुण धवन', 'वामीका गब्बी' और 'कीर्ति सुरेश' भी इस एपिसोड में एटली के साथ दिखाई दिए।

बता दें, एटली ने 2013 की तमिल फिल्म 'राजा रानी' से अपने निर्देशन की शुरुआत की, जिसमें अजय, जय, नयनतारा और नाजरिया नाजिम मुख्य भूमिका में थे। फिल्म का निर्माण AR मुरुगदास ने किया था। इसके बाद एटली ने 'थेरी', 'मर्सल', 'बिगिल', 'जवान' जैसी और भी फिल्में डायरेक्ट कीं।

गूगल पर ट्रेंड कर रहे हैं कपिल शर्मा

कुछ यूजर्स ने ''द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में कपिल शर्मा पर एटली का मजाक बनाने का आरोप लगाया। इस पर कपिल शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसा नहीं किया और यूजर्स से खुद देख कर फैसला करने की अपील की। यही कारण है कि वह गूगल पर ट्रेंड कर रहे हैं।

'शाहरुख खान कमाल के मिमिक्री आर्टिस्ट हैं': नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ऐसे एक्टर हैं, जो बॉलीवुड के तीनों खान के साथ काम कर चुके हैं। हाल ही में म्यूजिक वीडियो 'यंता' की लॉन्चिंग पर एक्टर ने बॉलीवुड के तीनों खान के साथ काम करने का अपना अनुभव शेयर किया। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान कमाल के मिमिक्री आर्टिस्ट हैं। फिल्म 'रईस' की शूटिंग के दौरान जब उन्होंने प्रोड्यूसर- डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा की कॉपी की, तो लगा कि विधु विनोद चोपड़ा आ गए।

देखिए, मैं तो डांसर बिल्कुल भी नहीं हूं। गाने की शूटिंग से पहले कोरियोग्राफर अमित सियाल ने कुछ स्टेप्स सीखा दिए थे। जब सेट पर पहुंचा तो सब कुछ भूल गया। शूटिंग के समय कोरियोग्राफर और को-एक्टर और सिंगर रेणुका पंवार का सपोर्ट सिस्टम अच्छा था। मुझसे किसी तरह से डांस हो गया। यह पहला ऐसा मौका था जब शूटिंग के दौरान मैंने डांस को एन्जॉय किया। 'यंता' का मतलब ही मौज मस्ती होता है। इस म्यूजिक वीडियो में भी मौज मस्ती भरा डांस है।

मेरी नजर में अमिताभ बच्चन और गोविंदा बहुत अच्छे डांसर हैं। इनके डांस की खासियात यह रही है कि ये लोग ऐसा डांस करते हैं, जिसे देखकर मैं भी डांस कर सकता हूं। बॉलीवुड में और भी अच्छे डांसर हैं, लेकिन उनके जैसा मैं डांस नहीं कर सकता, इसलिए उनमें मुझे कोई भी दिलचस्पी नहीं है।

जब पहली बार मैंने 'यंता' का सॉन्ग सुना तो खुद को रोक ही नहीं पाया। यह बहुत ही रिदमिक सॉन्ग है। म्यूजिक को लोग लंबे समय तक याद रखते हैं। म्यूजिक को जितने करोड़ों व्यूज मिलते हैं। उतना लोग फिल्म नहीं देखते हैं।पहले के बड़े स्टार्स को देखिए, तो उनको आगे बढ़ाने में म्यूजिक का बहुत बड़ा कंट्रीब्यूशन रहा है। देव आनंद और दिलीप कुमार साहब को जब याद करते हैं, तो उनकी फिल्मों से पहले उन पर फिल्माए गीत याद आते हैं।देव आनंद और दिलीप कुमार पर फिल्माए गीत जब बजते थे, पता चला चलता था कि किस सिंगर ने आवाज दी होगी।

अब वक्त काफी बदल गया है। यह बदलाव शायद आज के म्यूजिशियन और सिंगर्स की वजह से हुआ है। आज इस बात पर लोगों का फोकस नहीं है कि किस स्टार्स पर किस सिंगर्स की आवाज फिट बैठ सकती है। आज सिंगर्स अपनी आवाज के लिए जाने जाते हैं। आप दिलजीत दोसांझ को ही देख लीजिए, वे अपनी आवाज के लिए पहचाने जाते हैं। उनकी बहुत ही तगड़ी फैन फॉलोइंग है।

'सोचा नहीं था कमर्शियल सिनेमा का हिस्सा बनूंगा':श्रेयस तलपडे

इंडियन सिनेमा के सबसे लोकप्रिय किरदार 'पुष्प राज' की आवाज बन चुके श्रेयस तलपदे की 'पुष्पा 2' के बाद दूसरी फिल्म 'मुफासाः द लॉयन किंग' रिलीज हो रही है। इस फिल्म में एक्टर ने टिमोन के किरदार की डबिंग की है। हाल ही में श्रेयस तलपडे ने इस फिल्म को लेकर दैनिक भास्कर से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्म 'इकबाल' को लेकर कुछ खास यादें शेयर करते हुए कहा कि इस फिल्म को करते समय कमर्शियल सिनेमा के बारे में नहीं सोचा था।

हम तो बहुत बड़े शाहरुख खान के फैन हैं

'मुफासाः द लॉयन किंग' के हिंदी वर्जन में शाहरुख खान और उनके बेटों की आवाज सुनने को मिलेगी। शाहरुख खान ने इस फिल्म के मुख्य किरदार मुफासा, आर्यन खान ने सिंबा और अबराम ने छोटे मुफासा की डबिंग की है। एक तरह से देखा जाए तो यह शाहरुख खान की फैमिली फिल्म हो गई है। श्रेयस तलपडे ने इस फिल्म में टिमोन के किरदार की डबिंग की है। वह कहते हैं- हम तो बहुत बड़े शाहरुख खान के फैन हैं। इस फिल्म से जुड़कर बहुत खुशी हुई। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा' और 'मुफासाः द लॉयन किंग' की डबिंग श्रेयस तलपडे ने की है। वह कहते हैं- मैंने दो ही फिल्में डब की है, लेकिन इन दोनों फिल्मों में डबिंग का काफी अलग

अनुभव रहा है।

हम अपनी फिल्मों की डबिंग तो करते ही हैं। वह बहुत आसान होता है, लेकिन किसी और की डबिंग करना आसान नहीं होता है। 'पुष्पा' की डबिंग के समय हमेशा यह ध्यान रखना पड़ता था कि शूटिंग के समय किरदार ने क्या सोचा होगा? बाकी स्क्रीन पर उनके हाव-भाव और इमोशन को समझकर डायलॉग बोलना पड़ता था।

एनिमेटेड करेक्टर की डबिंग बिल्कुल ही अलग होती है

श्रेयस तलपडे मानते है कि एनिमेटेड करेक्टर की डबिंग बिल्कुल ही अलग होती है। वह कहते हैं- ओरिजिनल करेक्टर के सुर को पकड़कर अपने अंदाज और अपनी भाषा में डबिंग करनी पड़ती है। सबको भाषा समझ में आए, इसका भी ध्यान देना पड़ता है। टिमोन को हिंदी में मयूर पुरी ने सहज भाषा में लिखा है, लेकिन उसमें अपनी तरफ से भी कुछ वाक्य ऐसे जोड़ने पड़े, जिसे हिंदी दर्शक आसानी से समझ सके। हमने ऐसी कोशिश की है कि डायलॉग असरदार तरीके से लोगों तक पहुंचे।

श्रेयस तलपडे कहते हैं- 'द लॉयन किंग' में टिमोन के किरदार की डबिंग कर चुका था। किरदार के बारे में तो मुझे पता था। 2019 में यह बहुत बड़ी हिट हुई थी। ऐसे में दर्शकों की उम्मीदें थोड़ी बढ़ जाती है। हमारे सामने भी बेटर परफॉर्मेंस का प्रेशर हमेशा रहता है। इसलिए यह किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होता है।

'द लॉयन किंग' से श्रेयस तलपडे ने प्रोफेशनल तरीके से डबिंग की दुनिया में कदम रखा था। वह कहते हैं- डबिंग की दुनिया में एक कलाकार के तौर पर टिमोन की डबिंग मेरा पहला प्रयोग था। इस फिल्म के टिमोन किरदार की वजह से ही मुझे 'पुष्पा पार्ट वन' में डबिंग करने का मौका मिला था और फिर 'पुष्पा पार्ट टू' मिली थी।

डबिंग अब पैरेलल इंडस्ट्री बन गई है

क्षेत्रीय फिल्मों की वजह से अब डबिंग पैरेलल इंडस्ट्री बन गई है। श्रेयस तलपडे कहते हैं- बेसिकली डबिंग भी एक आर्ट है। इसको भी एक सम्मानित जगह मिलनी ही थी। आज क्षेत्रीय फिल्में पैन इंडिया स्तर पर रिलीज हो रही हैं। इसका फायदा डबिंग कलाकारों को मिल रहा है। डबिंग कलाकारों का सम्मान बढ़ा है और लोग उन्हें उनके नाम से जानने लगे हैं। अब यह इंडस्ट्री भी तेजी से बढ़ रही है।

श्रेयस तलपडे ने लीड एक्टर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत सुभाष घई की फिल्म 'इकबाल' से की थी। इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिला था। श्रेयस तलपडे कहते हैं- आज भी यह फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है। इस फिल्म को बहुत मिस करता हूं। आज भी लोग मिलते हैं और इस फिल्म के बारे में चर्चा करते हैं। जब कहते हैं कि उन्होंने यह फिल्म अपने बच्चों को दिखाई है, तो बहुत खुशी होती है।

फिल्म 'इकबाल' से जुड़ा एक किस्सा शेयर करते हुए श्रेयस ने कहा- गोवा फिल्म फेस्टिवल में 'इकबाल' दिखाई जा रही थी। तभी सुभाष घई जी का फोन आया कि संगीत सिवन एक फिल्म 'अपना सपना मनी मनी' बना रहे हैं, गोवा से आते ही उनसे मिल लेना।

श्रेयस तलपडे को उम्मीद नहीं थी कि 'इकबाल' के तुरंत बात उन्हें कमर्शियल फिल्म में काम करने मौका मिलेगा। वह कहते हैं- 'अपना सपना मनी मनी' का नाम सुनते ही मैंने सोचा कि यह तो कमर्शियल फिल्म है। मन की बात जब सुभाष घई जी से शेयर की। वे बोले- तो क्या उम्र भर 'इकबाल' ही करता रहेगा, कमर्शियल फिल्म नहीं करेगा। मैंने कहा कि कभी सोचा नहीं था कि कमर्शियल फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा।

बदलापुर फेम राधिका आप्टे को प्रेग्नेंसी में अपने शरीर को अपनाना मुश्किल हो गया था

राधिका आप्टे ने हाल ही में बेबी गर्ल को जन्म दिया है। अब एक इंटरव्यू में राधिका ने अपनी बदलती बॉडी, मुश्किल प्रेग्नेंसी और जिंदगी में हुए बदलाव के बारे में बात की। राधिका की मानें तो उनके लिए ये प्रेग्नेंसी एक्सीडेंट नहीं थी। लेकिन वह इससे शॉक्ड जरूर हुई थीं। हालांकि, अब वह इन बदलावों को स्वीकार कर चुकी हैं और बेहद खुश भी हैं।

वोग मैगजीन को दिए अपने इंटरव्यू में राधिका आप्टे ने कहा, 'जब मुझे मेरी प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला था, तो मैं काफी शॉक्ड हो गई थी। मैंने अगले ही दिन सबको बता दिया था। हालांकि, मैं किसी को बताना नहीं चाहती थी। लेकिन यह सब अचानक हुआ था, जो काफी मजेदार भी था कि कैसे हुआ, क्योंकि हमने इसके बारे में सोचा भी नहीं था।'

राधिका ने कहा, 'मुझे लगता है कि जब लोगों को यह पता होता है कि वे बच्चा चाहते हैं या नहीं, तो सब कुछ आसान होता है। हमारी स्थिति में हम दोनों ने कभी बच्चों के बारे में नहीं सोचा था। लेकिन एक छोटा सा सवाल था कि अगर बच्चा हो तो कैसा होगा। फिर जब ऐसा हुआ, तो हम यह सोचने लगे कि क्या हमें इसे आगे बढ़ाना चाहिए या नहीं।'

राधिका ने कहा, 'मैंने जन्म देने से एक हफ्ते पहले ही फोटो शूट कराया था। सच में उस समय मुझे अपने शरीर को अपनाना मुश्किल हो रहा था। मैंने कभी इतना वजन नहीं बढ़ाया था। मेरा शरीर सूजा हुआ था, पेल्विस में दर्द हो रहा था और नींद की कमी के कारण मेरी सोच भी बदल गई थी। अभी मुझे मां बने हुए दो हफ्ते भी नहीं हुए हैं, और मेरा शरीर फिर से बदल गया है।'

राधिका ने आगे कहा, 'अब मैं अपने शरीर को अपना चुकी हूं। यह सब नए अनुभव हैं। नई चीजें सीख रही हूं। मेरा नजरिया भी बदल चुका है। अब मैं इन फोटोज को अच्छे नजरिए से देखती हूं और खुद पर इतने सख्त होने के लिए मुझे अफसोस होता है। अब मैं इन बदलावों में सिर्फ खूबसूरती देखती हूं और मुझे पता है कि मैं इन फोटोज को हमेशा याद रखूंगी।'

राधिका ने आगे कहा, 'ज्यादातर महिलाएं जिन्हें मैं जानती हूं, उनकी प्रेग्नेंसी कठिन रही है। सच में यह मेनोपॉज या पीरियड्स की तरह है। वह हार्मोन कोई मजाक नहीं होते। लेकिन जबकि हम पीरियड्स और मेनोपॉज के बारे में खुलकर बात करते हैं। गर्भावस्था को हमेशा एक चमकदार अनुभव बताया जाता है। हां, बच्चे को जन्म देना अद्भुत है, लेकिन कोई भी प्रेग्नेंसी के कठिन हिस्सों के बारे में नहीं बात करता और मुझे यह अजीब लगता है।'

एज शेमिंग को लेकर मेल एक्टर्स पर भड़कीं सोनाक्षी सिन्हा

बोलीं- अपनी उम्र नहीं देखते, 30 साल छोटी एक्ट्रेस के साथ करते हैं रोमांस

सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों मुकेश खन्ना के परवरिश पर उठाए सवालों को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री स्टैंडर्ड्स पर बात की है। उन्होंने बताया कि एक एक्टर ने उनके साथ काम करने से मना कर दिया था। उस एक्टर का कहना था कि वे उनसे उम्र में बड़ी लगती हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने जूम के साथ बातचीत के दौरान एक्टर का नाम नहीं बताते हुए कहा- असल में वो एक्टर मुझसे कई साल बड़े थे। मैं बहुत खूशकिस्मत हूं कि मैंने ऐसे माइंडसेट वाले एक्टर्स के साथ कभी काम नहीं किया। मुझे ऐसे लोगों के साथ काम करना पसंद नहीं है।

सोनाक्षी से इंटरव्यू के दौरान एक सवाल पूछा गया कि महिलाओं पर इंडस्ट्री में किस तरह का प्रेशर है? जिसका जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा- 'यह एकदम क्लियर है कि इंडस्ट्री में मेल एक्टर्स से इस तरह की उम्मीदें नहीं होती, जैसी फीमेल एक्ट्रेसेस से की जाती हैं। मेल एक्टर्स को अपनी उम्र के लिए शर्मिंदगी नहीं झेलनी पड़ती।

सोनाक्षी ने आगे कहा- 'जब मेल एक्टर्स स्क्रीन पर खुद से 30 साल छोटी एक्ट्रेस के साथ रोमांस करते हैं तो उन्हें एज शेम नहीं किया जाता। उन्हें उनके बॉडी टाइप के लिए कुछ भी नहीं बोला जाता। वहीं, ये क्लियर है कि महिलाओं को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।'

एक्ट्रेस ने कहा कि हमेशा महिलाओं को ही कोसा जाता है। मैंने भी कई बार ऐसे एक्टर्स का सामना किया है। जो उम्र में मुझसे बड़े हैं और इसके बाद भी उन्होंने मेरे लिए ये कहा कि 'वो उम्र में हमसे बड़ी दिखती है, इसलिए हम उसके साथ काम नहीं करेंगे'। मैं बस ऐसे लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं।

मुझे समझ नहीं आता कि हमेशा महिलाओं को ही इस तरह की चीजों से क्यों जूझना पड़ता है। हमेशा महिलाएं ही आगे बढ़ने के लिए स्ट्रगल करती हैं, बैरियर्स तोड़ती हैं और अपना रास्ता बनाती हैं। सोनाक्षी ने कहा कि हम सभी आर्टिस्ट हैं।

महिलाओं के लिए चीजें इतनी मुश्किल नहीं होनी चाहिए। सोनाक्षी ने उस एक्टर के लिए मजाकिया अंदाज में कहा, 'अरे, मैं तुमसे 5-6 साल छोटी हूं'।

सोनाक्षी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अपनी आगामी फिल्म निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस में नजर आएंगी। इस फिल्म में सोनाक्षी के साथ अर्जुन रामपाल, परेश रावल, और सुहैल नय्यर भी हैं। साथ ही सोनाक्षी संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी के दूसरे सीजन में भी दिखेंगी।

महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले कम काम मिलता है : फिल्ममेकर निखिल आडवाणी

बोले- मेरे पास डेटा है, 170 में सिर्फ 9 जॉब महिलाओं के लिए सूटेबल

फिल्ममेकर निखिल आडवाणी ने हाल ही में एक्टर्स के मेकअप और हेयर आर्टिस्ट्स से जुड़ी इंट्रेस्टिंग बात शेयर की है। उन्होंने कहा- फिल्मों के सेट पर मेकअप के लिए मेल आर्टिस्ट को काम पर रखा जाता है, लेकिन हेयर डिपार्टमेंट में ज्यादातर फीमेल स्टाइलिस्ट ही होती हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि एक्ट्रेसेस बाल छूने पर सेक्सुअली अराउज्ड हो जाती हैं।

अमेजन प्राइम के ओ वुमनिया राउंडटेबल डिस्कशन में ऋचा चड्ढा, अनन्या पांडे, अनुपमा चोपड़ा और निखिल आडवाणी सहित कई लोग शामिल हुए थे।

इस पैनल में बातचीत के दौरान एक सवाल पूछा गया कि महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले कितना काम मिलता है। जिसका जवाब देते हुए फिल्ममेकर निखिल ने कहा- एक प्रोजेक्ट के लिए बजट तैयार करते टाइम, डेटा कलेक्ट किया गया था। जिसे देखकर मैं हैरान हो गया था कि लगभग 170 में से केवल 9 नौकरियां ही महिलाओं के लिए सूटेबल मानी जाती हैं।

निखिल के जवाब पर एक पैनलिस्ट ने कहा कि ऐसा नहीं है अब तो महिलाओं को हेयर, मेकअप और वॉर्डरोब के अलावा दूसरे डिपार्टमेंट में भी काम पर रखा जा रहा है। उनकी इस बात पर फिल्ममेकर ने जवाब देते हुए कहा, मेरे पास हेयर और मेकअप आर्टिस्ट को लेकर एक मजेदार बात है। मैं बताता हूं कि हेयर दीदी क्यों होती है और मेकअप दादा क्यों होते हैं।

फिल्ममेकर निखिल ने कहा- 'जब कोई पुरुष किसी महिला की गर्दन के पीछे छूता है तो महिलाएं सेक्सुअली अराउज्ड हो जाती हैं। यूनियन इसकी अनुमति नहीं देता कि हेयर के लिए कोई मेल आर्टिस्ट हो।'

निखिल की इस बात पर ऋचा चड्ढा ने पूछा कि उन्हें ये कैसे पता। निखिल ने जवाब देते हुए कहा, 'जब कोई महिला आपके बाल छुएगी तो आप अराउज्ड नहीं होंगी। ये लॉजिक है। जब हमने मिकी कॉन्ट्रैक्टर के साथ काम करना शुरू किया, तो हमें उसे एक महिला को काम पर रखने के लिए कहना पड़ा था।'

लोग कहते थे- बच्चन की नकल करता है : भीष्म बने तो इज्जत मिली, उधार लेकर शक्तिमान बनाया

50 साल लंबे करियर में पैसों से ज्यादा आदर्शों और सिद्धांतों को तरजीह दी

यह बात दिग्गज एक्टर मुकेश खन्ना कहते हैं। तकरीबन 50 साल लंबे करियर में इन्होंने पैसों से ज्यादा आदर्शों और सिद्धांतों को तरजीह दी। करोड़ों रुपए के ऑफर ठुकरा दिए। काम मांगने के लिए किसी फिल्ममेकर के दरवाजे पर नहीं गए। साइड हीरो का रोल नहीं चाहते थे, इसलिए सालों तक बिना काम के घर बैठे।

फिर 1988 में बी.आर. चोपड़ा ने टीवी शो महाभारत बनाया। मुकेश खन्ना उस शो में भीष्म पितामह के रोल में दिखे। उस शो के बाद इंडस्ट्री को इनकी काबिलियत पता चली। 1997 में इन्होंने टेलीविजन पर शक्तिमान के जरिए दूसरी इनिंग शुरू की। इस शो ने उन्हें यंग जनरेशन, खास तौर पर बच्चों में काफी ज्यादा फेमस कर दिया।

प्लास्टिक इंजीनियर बनना चाहते थे, एक्टिंग का शौक नहीं था

मुकेश खन्ना के पूर्वज मुल्तान (अब पाकिस्तान में) के रहने वाले थे। 1947 में बंटवारे के बाद उनका परिवार बॉम्बे (मुंबई) आ गया। 23 जून, 1958 को उनका जन्म हुआ। चार भाइयों में सबसे छोटे थे। मुंबई के मरीन ड्राइव पर घर था। जॉइंट फैमिली थी, सब साथ ही रहते थे।

मुकेश खन्ना को एक्टिंग का कोई शौक नहीं था। उन्हें प्लास्टिक इंजीनियरिंग करनी थी। मुंबई के सेंट जेवियर कॉलेज से उन्होंने BSc किया। साथ में क्रिकेट भी खेला करते थे। बॉलिंग में इनस्विंग डालते थे। खुद की तुलना कपिल देव से करते थे।

मुकेश खन्ना ने अपने करियर में 60 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है।

बड़े भाई ने एक्टिंग फील्ड में उतरने की सलाह दी

मुकेश खन्ना तो नहीं, लेकिन उनके बड़े भाई को एक्टिंग का शौक था। उनका नाम जग्गी खन्ना था। वे एक्टिंग करना चाहते थे, लेकिन घरवालों ने शादी करा दी। फिर उन्होंने भाई मुकेश को इस फील्ड में उतरने के लिए मोटिवेट किया। खन्ना के एक और भाई ने उन्हें लॉ कॉलेज जॉइन करने की सलाह दी। वहां उन्होंने LLB की पढ़ाई की। तीन साल के कोर्स के दौरान उन्होंने कॉलेज में प्ले और ड्रामा में भाग लिया। वहां मुकेश खन्ना को पहली बार लगा कि वे एक्टिंग कर सकते हैं। इसके बाद उन्होंने फिल्म इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे में दाखिल लिया।

फिल्म इंस्टीट्यूट से पास होने के बाद मुझे 1978 में एक फिल्म 'खूनी' मिल गई, लेकिन यह कभी रिलीज नहीं हो पाई। हालांकि, इससे इंडस्ट्री के लोगों को पता चल गया कि एक लंबा-चौड़ा नया एक्टर मार्केट में आ गया है। फिर एक साथ कई फिल्में साइन कर लीं। बाद में 1981 में 'रूही' नाम की एक फिल्म से डेब्यू किया। दिलचस्प बात यह है कि रूही मेरी 15वीं साइन की हुई फिल्म थी, लेकिन सबसे पहले रिलीज हो गई।

लोगों ने कहा- अमिताभ बच्चन की नकल करता है

अभी मैं इंडस्ट्री में आया ही था कि लोगों ने नकारात्मक तौर पर मेरी तुलना अमिताभ बच्चन से करनी शुरू कर दी। लोग कहने लगे कि मेरी आवाज और कदकाठी अमिताभ बच्चन की तरह है। मैं उनकी नकल करता हूं। उस वक्त उन्हें कौन समझाए कि मेरा अपना शरीर, अपनी आवाज और अपना टैलेंट है। मैं क्यों दूसरे व्यक्ति को कॉपी करूंगा।

करीबी कहते थे- बॉलीवुड पार्टीज में जाओ, वहां संपर्क बनाओ

मैंने इंडस्ट्री जॉइन करते ही एक हफ्ते में 5 फिल्में साइन कर लीं। अधिकतर फिल्में फ्लॉप हो गईं। मुझे बॉलीवुड पार्टीज में जाने की नसीहत मिलने लगी। मेरे करीबी कहते थे कि पार्टीज अटेंड करो, तभी लोगों से जान-पहचान होगी। फिर अच्छे प्रोजेक्ट्स मिलेंगे। मेरा हमेशा से यही मानना था कि काम के लिए किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना है। साइड हीरो के रोल तो मुझे आसानी से मिल जाते। हालांकि, करना नहीं था।

यश चोपड़ा की बात बुरी लग गई

एक बार बड़े भाई जग्गी मेरी शो रील लेकर यश चोपड़ा को दिखाने गए थे। उस शो रील में मेरी एक्टिंग से जुड़ी क्लिप्स थीं। यश चोपड़ा को मेरा काम तो पसंद आया, लेकिन उन्होंने एक ऐसी बात कह दी, जो नहीं कहनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि जब हमें फॉरेन लिकर मिल रहा है, तो कंट्री लिकर क्यों लें। उनके कहने का मतलब

यह था कि जब मेरे पास अमिताभ बच्चन और विनोद खन्ना जैसे स्टार हैं, तो मैं मुकेश खन्ना जैसे नए-नवेले एक्टर को अपनी फिल्म में क्यों लूं।

महाभारत मिलने से पहले 2 साल खाली बैठे थे

1978 में डेब्यू करने से लेकर 1985 तक मैंने दर्जनों फिल्मों में काम कर लिया। उसके बाद दो-तीन साल घर बैठा रहा। 1988 में मेरे पास टीवी सीरियल महाभारत का ऑफर आया। मुझे बस इस बात का दुख है कि मेरे भाई जग्गी महाभारत देख नहीं पाए। सीरियल आने से पहले ही वे दुनिया से चल बसे।

दुर्योधन का रोल मना किया, फिर भीष्म बने

महाभारत के लिए मेरे पास गूफी पेंटल का बुलावा आया था। एक्टर होने के साथ-साथ वे कास्टिंग डायरेक्टर भी थे। गूफी पेंटल और शो के मेकर बी.आर. चोपड़ा चाहते थे कि मैं दुर्योधन का रोल करूं। मैंने निगेटिव किरदार करने से मना कर दिया। मैं अर्जुन या कर्ण का रोल चाहता था। हालांकि, ये दोनों रोल किसी और को दे दिए गए थे। फिर मुझे भीष्म पितामह का किरदार मिला। उसके बाद जो हुआ, इतिहास गवाह है।

स्क्रीन पर औरत बनना मंजूर नहीं

मुझे लगता है कि मैं अर्जुन का रोल और बेहतर तरीके से कर पाता, क्योंकि मैंने महाभारत पूरी पढ़ी है। मुझे हर किरदार का मर्म पता है। हालांकि, जो होता है, उसके पीछे कोई न कोई वजह होती है। अगर मैं अर्जुन का रोल करता तो एक सीक्वेंस में मुझे बृहन्नला बनना पड़ता। मुझे यह कतई मंजूर नहीं था कि मैं औरत की वेशभूषा में नजर आऊं। इसलिए जो हुआ ठीक हुआ।

मेरे पास शाहरुख-आमिर जितना पैसा नहीं, लेकिन गुडविल उनसे ज्यादा

मैंने हमेशा पैसों से ज्यादा सिद्धांतों और आदर्शों को तरजीह दी है। शाहरुख खान, आमिर खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन जैसे बड़े स्टार्स के पास करोड़ों-अरबों रुपए होंगे। शायद मेरे पास उतने पैसे नहीं होंगे, लेकिन मैंने अरबों रुपए की गुडविल कमाई है, जो उनके पास नहीं है। जब हम दुनिया छोड़ेंगे तो यही गुडविल हमारे साथ जाएगी।

काम पाने के लिए जी हुजूरी नहीं कर सकता

मुझे लोग घमंडी समझते हैं। कहा जाता है कि मेरे अंदर बहुत अकड़ है। ऐसा कुछ नहीं है। मैं बस अपने आत्म-सम्मान को सर्वोपरि रखता हूं, इसलिए मेरी बातें थोड़ी बहुत खराब लग जाती हैं। मैं काम पाने के लिए किसी की जी हुजूरी नहीं कर सकता। लोग कहते हैं कि आप ऐसे सबके खिलाफ मत बोला करिए। इंडस्ट्री से बायकॉट कर दिए जाएंगे। मैं उनसे कहता हूं कि बायकॉट उन्हें करेंगे, जिन्हें काम का लालच होगा। मुझे कोई काम दे या न दे, कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं आज भी खुद के दम पर फिल्में बनाने का माद्दा रखता हूं।

बाकी जिसका सम्मान करना है, मैं करता ही हूं। कोई कह दे कि मुकेश खन्ना ने कभी दिलीप कुमार के बारे में कुछ गलत बोला हो। मैंने उन्हें हमेशा सम्मान दिया है। वे भी मेरे काम को तवज्जो देते थे। महाभारत में मुझे भीष्म के रोल में देखकर वे काफी प्रभावित हुए थे। उन्होंने मेरी तारीफ भी की थी।

75 लाख उधार लेकर बनाया शक्तिमान, शो ने रिकॉर्ड तोड़े

भीष्म पितामह के बाद मुकेश खन्ना के करियर की सबसे बड़ी हाईलाइट टीवी शो शक्तिमान रहा। शक्तिमान बनाने के पीछे भी एक दिलचस्प कहानी है। मुकेश खन्ना ने कहा, 'मेरे पड़ोस का एक बच्चा दिन भर सुपरहीरो वाले छोटे-छोटे खिलौनों से खेलता रहता था। उन्हें नहलाता-धोता भी था। मैंने सोचा कि हमारे यहां कोई सुपरहीरो वाला कैरेक्टर क्यों नहीं है। फिर मेरे और मेरे एक दोस्त के दिमाग में शक्तिमान का कॉन्सेप्ट आया। हालांकि, इसे बनाने के लिए मेरे पास पैसे नहीं थे। सुपरहीरो वाले शो का बजट ज्यादा होता था।

फिर मुझे एक सज्जन मिले। मैंने उनसे 75 लाख उधार लिए। उन्होंने मुझसे कोई ब्याज नहीं लिया। एक-दो सालों के अंदर ही मैंने उनके पैसे चुका दिए।' इस शो ने व्यूअरशिप के कई सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। खास तौर से बच्चों ने इसे काफी पसंद किया। इतना क्रेज हो गया था कि बच्चे शक्तिमान की तरह बनने की कोशिश करने लगे थे। इससे घटनाएं भी होने लगी थीं। बाद में मुकेश खन्ना को खुद सामने आकर समझाना पड़ा था।

शक्तिमान 27 साल पहले 1997 में टेलीकास्ट होना शुरू हुआ था। 2005 में अचानक इसे बंद कर दिया गया। शो बंद होने के पीछे मुकेश खन्ना और दूरदर्शन के बीच पैसों को लेकर उपजा विवाद था। मुकेश खन्ना ने एक बार बताया था कि दूरदर्शन वालों ने उनसे काफी ज्यादा पैसे लेने शुरू कर दिए थे। इस वजह से उनका नुकसान होने लगा था। दरअसल, दूरदर्शन पर पहले सीरियल चलवाने के लिए प्रोड्यूसर्स को खुद पैसे देने होते थे।

दूरदर्शन तय करता था कि उसे कितने पैसे लेने हैं। 104 एपिसोड्स पूरे होने पर दूरदर्शन ने चार्जेज बढ़ाते हुए 10.8 लाख रुपए कर दिया। शुरुआत में ये अमाउंट 2.8 लाख था। खन्ना के लिए यह घाटे का सौदा साबित होने लगा, इसलिए उन्होंने शो को अचानक बंद करने का फैसला किया।

ईवी मार्केट में चीन को पछाड़कर कैसे धाक जमा सकता है भारत

नितिन गडकरी ने बताई तरकीब

नई दिल्ली ,19 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री में वर्तमान उत्पादन से 10 गुना अधिक प्रॉडक्शन की क्षमता है लेकिन दुनिया में नंबर 1 ऑटो मार्केट बनने के लिए उसे ग्लोबल ईवी बाजार पर कब्जा करने की जरूरत है।

ईवएक्सपो 2024 में गडकरी ने कहा कि ईवी की मांग आने वाले समय में बढ़ेगी और यह इंडस्ट्री के विस्तार के लिए उपयुक्त समय है। गडकरी ने कहा कि भारत अभी दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल उद्योग है लेकिन अगले पांच साल में ईवी के माध्यम से नंबर 1 पर पहुंच जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि घरेलू ईवी कंपनियों को क्वालिटी से समझौता किए बिना चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने प्लांट्स का विस्तार करना चाहिए। नवंबर में ग्लोबल ईवी सेल में चीन की हिस्सेदारी करीब 70% थी जबकि भारत की हिस्सेदारी महज 1 फीसदी है। चीन की कंपनी बीवाईडी ने बिक्री के मामले में अक्टूबर में पहली बार टेस्ला को पीछे छोड़ दिया। चीन की बढ़ती ताकत को देखने हुए जापान की निसान, होंडा और मित्सुबिशी ने मर्जर का विकल्प तलाशना शुरू कर दिया।

लाइफ साइकिल कॉस्ट

गडकरी ने कहा कि सभी देश ग्रीन एनर्जी प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। इंडस्ट्री के पास वर्तमान में अनुकूल परिस्थितियां और क्षमताएं हैं। उन्हें ग्लोबल मार्केट पर कब्जा करने के लिए रिसर्च करके प्रौद्योगिकी विकसित करनी चाहिए। इस इंडस्ट्री का भविष्य अच्छा है। हमें इस क्षेत्र में चीन के साथ होड़ करनी है। इसके लिए हमें अच्छी तकनीक और क्वालिटी की आवश्यकता है। ई-वीकल इंडस्ट्री न केवल ऑटोमोबाइल सेक्टर की मदद करेगा, बल्कि विकसित भारत 2047 मिशन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गडकरी ने कहा कि सरकार मेक इन इंडिया बैटरी और ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि लीथियम-आयन बैटरी की मौजूदा लाइफसाइकिल लागत 115 डॉलर है लेकिन अगले 6 महीनों में यह घटकर 100 डॉलर से भी कम हो जाएगी। भारत में बैटरी का निर्माण महत्वपूर्ण है। टाटा, अडानी और मारुति जैसी कंपनियां पहले से ही बैटरी विकसित करने की प्रक्रिया में हैं। भारत में दुनिया के लीथियम भंडार का 6 प्रतिशत भी है। लीथियम-आयन बैटरी के अलावा उन्होंने कंपनियों को सोडियम-आयन और जिंक-आयन बैटरी पर शोध के लिए प्रोत्साहित किया। गडकरी ने कहा कि भारत में अभी 16,000 ईवी चार्जिंग सेंटर हैं और 2,800 पाइपलाइन में हैं।

अभी महंगे नहीं होंगे मैगी नेस्कैफे, किटकैट जैसे प्रोडक्ट्स

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां)। एफएमसीजी प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि स्विट्जरलैंड के भारत को दिए गए मोस्ट फेवर्ड नेशन के दर्जे को वापस लेने का कंपनी के ऊपर कोई असर नहीं आएगा। एफएमसीजी कंपनी ने बयान में कहा डबल टैक्सेशन अवॉइडेंस एग्रीमेंट (डीटीएए) के तहत देश के एमएफएन दर्जे को वापस लेना भारत और स्विट्जरलैंड सरकार के बीच एक नीतिगत मुद्दा है। इसका सीधे तौर पर नेस्ले से कोई नाता नहीं है। स्विट्जरलैंड ने 11 दिसंबर को डबल टैक्सेशन से बचाव के लिए भारत के साथ हुए समझौते में मोस्ट फेवर्ड नेशन के प्रावधान को वापस ले लिया था।

नेस्ले इंडिया के प्रवक्ता ने दी साफ जानकारी

नेस्ले इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, यह मामला नेस्ले से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह भारत और स्विट्जरलैंड के बीच नीतिगत मामला है। हम आपको बताना चाहते हैं कि नेस्ले इंडिया पहले ही 10 प्रतिशत विदहोल्डिंग टैक्स की कटौती कर रही है और इसका हम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। नेस्ले इंडिया के पास मैगी, नेस्कैफे और किटकैट जैसे पॉपुलर ब्रांड का स्वामित्व है। कंपनी पहले से ही क्रॉस बॉर्डर पेमेंट पर 10 प्रतिशत विदहोल्डिंग टैक्स की कटौती कर रही है।

11 दिसंबर को स्विट्जरलैंड ने भारत से वापस लिया एमएफएन दर्जा

स्विट्जरलैंड के वित्त मंत्रालय ने 11 दिसंबर को बयान में एमएफएन दर्जा वापस लेने की जानकारी देते हुए कहा था कि यह कदम भारत के सुप्रीम कोर्ट के पिछले साल आए एक फैसले के बारे में उठाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि अगर किसी देश के 'आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन' (ओईसीडी) में शामिल होने से पहले भारत सरकार ने उस देश के साथ टैक्स ट्रीटी पर सिग्नेचर किए हैं तो एमएफएन प्रावधान अपने-आप लागू नहीं होता है। इससे स्विट्जरलैंड में ऑपरेट करने वाली भारतीय कंपनियों की टैक्स लायबिलिटी बढ़ गई थीं।

सोना 1,029 गिरकर 75,629 पर आया

फेड के ब्याज दरों में कटौती का असर, चांदी 2,214 फिसलकर 86,846 किलो बिक रही

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां)। फेडरल रिजर्व के ब्याज में कटौती से सोने-चांदी के दाम में आज यानी 19 दिसंबर को बड़ी गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 1,029 रुपए गिरकर 75,629 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,658 रुपए प्रति दस ग्राम थी। चांदी का भाव भी आज 2,214 रुपए कम होकर 86,846 रुपए पर आ गया है। कल चांदी 89,060 रुपए प्रति किलोग्राम थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

ब्याज दरों में कटौती से सोने पर दबाव

करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट (0.25%) की कटौती की है। इस कटौती से सोने-चांदी पर दबाव देखने को मिल रहा है। इसके चलते आज इनकी कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है।

हालांकि, आने वाले दिनों में सोने-चांदी में फिर से बढ़त देखने को मिल सकती है। अगले एक साल में सोना के 82 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 95 हजार रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,280 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,130 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 70,700 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,130 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,130 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,180 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,340 रुपये है।

फेड रिजर्व के एक इशारे से टॉप रईसों ने गंवाए 75 अरब डालर, किसे हुआ ज्यादा नुकसान?

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने नीतिगत ब्याज दरों में 0.25% की कटौती की है लेकिन अगले साल केवल दो बार कटौती का संकेत दिया है। इससे पहले सितंबर में कहा गया था कि अगले साल चार बार ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है। फेड की घोषणा के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों में भारी गिरावट आई। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज में 1123 अंक गिर गया। इस इंडेक्स में लगातार दसवें दिन गिरावट रही। यह 1974 के बाद पहला मौका है जब इंडेक्स में इतने लंबे समय तक गिरावट आई है। एस एंड पी 500 में 3% और नैस्डैक कम्पोजिट इंडेक्स में 3.6% गिरावट रही। इससे अमेरिका के टॉप अमीरों की नेटवर्थ में करीब $75 अरब की गिरावट आई। अमेरिका शेयर बाजार में बुधवार को आई गिरावट से सबसे ज्यादा नुकसान में एलन मस्क रहे। टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स समेत कई कंपनियां चला रहे मस्क की नेटवर्थ एक झटके में 28.4 अरब डॉलर घटकर 458 अरब डॉलर रह गई। टेस्ला के शेयरों में 8.28 फीसदी गिरावट रही। दुनिया के सबसे बड़े रईस मस्क की इस कंपनी में करीब 23 फीसदी हिस्सेदारी है।ऐमजॉन के को-फाउंडर जेफ बेजोस की नेटवर्थ में बुधवार को 9.72 अरब डॉलर की गिरावट आई। ऐमजॉन का शेयर 4.60 परसेंट की गिरावट के साथ बंद हुआ। बेजोस की नेटवर्थ अब 240 अरब डॉलर रह गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

इस साल उनकी नेटवर्थ में 63.2 अरब डॉलर की तेजी आई है।

मार्क जकरबर्ग

दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग की नेटवर्थ में 7.69 अरब डॉलर की गिरावट रही। वह 211 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 83.2 अरब डॉलर की तेजी आई है।

लैरी एलिसन

सॉफ्टवेयर कंपनी ओरेकल कॉरपोरेशन के को-फाउंडर लैरी एलिसन को बुधवार को 5.53 अरब डॉलर का झटका लगा। अब उनकी नेटवर्थ 188 अरब डॉलर रह गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 64.9 अरब डॉलर की तेजी आई है।ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक गूगल के फाउंडर लैरी पेज की नेटवर्थ में बुधवार को 5.53 अरब डॉलर की गिरावट आई। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ अब 168 अरब डॉलर रह गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 41.9 अरब डॉलर की तेजी आई है।

बिल गेट्स

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में सातवें नंबर पर मौजूद 2.62 अरब डॉलर की गिरावट आई। अब उनकी नेटवर्थ 162 अरब डॉलर रह गई है। इस साल इसमें 21.5 अरब डॉलर की तेजी आई है। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर गेट्स कई साल तक दुनिया के सबसे बड़े रईस रहे। कंपनी के शेयरों में बुधवार को 3.76% गिरावट आई।

सर्गेई ब्रिन

शेयर मार्केट में गिरावट से गूगल के को-फाउंडर सर्गेई ब्रिन की नेटवर्थ में 5.15 अरब डॉलर की गिरावट आई। अब उनकी नेटवर्थ 158 अरब डॉलर रह गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में आठवें नंबर पर हैं। इस साल इसमें 38.3 अरब डॉलर की तेजी आई है।

बुधवार को गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में 3.54% की गिरावट रही।

स्टीव बालमर

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ रहे और कंपनी के शुरुआती कर्मचारियों में शामिल स्टीव बालमर ने बुधवार को 5.47 अरब डॉलर गंवाए। उनकी नेटवर्थ अब 152 अरब डॉलर रह गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में नौवें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 20.9 अरब डॉलर की तेजी आई है।

वॉरेन बफे

अमेरिका का जाने-माने निवेशक वॉरेन बफे की नेटवर्थ में गुरुवार को 2.76 अरब डॉलर की गिरावट रही। वह 140 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 10वें नंबर पर हैं।

इस लिस्ट में बर्नार्ड अरनॉल्ट को छोड़कर सभी अमेरिकी हैं। बफे की नेटवर्थ में इस साल 20.3 अरब डॉलर की तेजी आई है।

माइकल डेल

डेल कॉरपोरेशन के फाउंडर माइकल डेल की नेटवर्थ में बुधवार को 5.83 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह 122 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 43.1 अरब डॉलर की तेजी आई। बुधवार को डेल के शेयरों में 4.74% की गिरावट आई।

'प्याज पर 20 फीसदी निर्यात शुल्क हटाएं.

अजित पवार ने केंद्र को पत्र लिखकर की मांग

नागपुर,19 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने गुरुवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि वह प्याज के निर्यात पर 20 फीसदी शुल्क हटा दे, ताकि प्याज उगाने वाले किसानों को राहत मिल सके। पवार ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखा है और नासिक जिले के किसानों का मुद्दा उठाया है। नासिक बड़ी मात्रा में प्याज का उत्पादन होता है। पत्र में अजित पवार ने लिखा, यहां (नासिक में) उगाए गए प्याज अन्य राज्यों में बड़े पैमाने पर निर्यात किए जाते हैं। गर्मी के सीजन का प्याज खत्म हो चुका है और इसकी ताजा फसल महाराष्ट्र के विभिन्न कृषि उत्पाद बाजार समितियों में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा, प्याज की बड़ी मात्रा आने के कारण किसान अब परेशान हैं, क्योंकि उन्हें अपनी उपज बहुत कम कीमत पर बेचनी पड़ रही है। इसके कारण उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा, किसान प्याज को औसदन 2,400 रुपये प्रति क्विंटल बेच रहे हैं। पवार ने कहा, अनियमित बारिश और बदलते मौसम ने पहले प्याज किसानों की आय में भारी कमी की है। उप मुख्यमंत्री नागपुर में महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में शामिल होने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा, अगर किसानों को उत्पादन लागत से कम कीमत पर प्याज बेचना पड़ा, तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि विदेश में महाराष्ट्र से प्याज की बड़ी मांग है। महाराष्ट्र देश का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक राज्य है और नासिक जिले के लासलगांव में एशिया का सबसे बड़ा प्याज का थोक बाजार है। पत्र में उन्होंने कहा, केंद्र ने प्याज के निर्यात पर 20 फीसदी शुल्क लगा रखा है, जिससे राज्या का यह मुख्य उपभोक्ता उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहा है।

जी. गायत्री प्रसाद ने सम्हाला बीडीएल निदेशक (वित्त) का पद

हैदराबाद, 19 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। जी. गायत्री प्रसाद ने भारत डायनामिक्स लिमिटेड(बीडीएल) के निदेशक (वित्त) के रूप में, अपना पदभार सम्हाला। इसके पहले वे बीडीएल में महा प्रबंधक(वित्त) एवं सीएफओ के रूप में कार्यरत रहे। जी. गायत्री प्रसाद ने नागार्जुन विश्वविद्यालय से कामर्स में डिग्री हासिल की है तथा वे इंस्टिट्यूट आफ कास्ट एकाउन्ट्स आफ इण्डिया के एसोसिएट मेंबर हैं। उन्होंने वर्ष 1997 मेंबीडीएल में मेनेजमेंट ट्रेनी के रूप अपना पहला पदभार सम्हाला था।

पानी की बोतल 10 रुपये की, जोमैटो ने वसूले 100 रुपये

ट्वीट के बाद मच गया बवाल

बैंगलूरू,19 दिसंबर (एजेंसियां)। कोई इवेंट हो या फेस्टिवल, दुकानदारों द्वारा ओवरचार्जिंग एक पोपुलर ट्रेंड बन गया है। इस वजह से किसी आयोजन में गए व्यक्ति की जेब तेजी से खाली होती है। आप किसी कंसर्ट में जाएं, किसी मेला-तमाशा में जाएं या फिर किसी स्पोर्ट्स इवेंट में जाएं, वहां पाएंगे कि जीवन के लिए आवश्यक वस्तु जैसे पानी की बोतल और खाने-पीने की वस्तुएं बेहद महंगी बेची जाती हैं। यहां तक कि पार्किंग चार्ज भी महंगा कर दिया जाता है। इसी तरह की एक घटना बेंगलुरु में हुई है, जिससे जोमैटो भी सुखियों में आ गया है।

क्या हुआ बेंगलुरु में

बेंगलुरू में एक कंसर्ट के आयोजन स्थल पर हाल ही में एक घटना हुई थी। एक टेक एक्सपर्ट पल्लब डे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पानी की बोतलों के लिए अधिक पैसे लिए जाने के बारे में एक पोस्ट डाला। उनकी यह पोस्ट वायरल हो गई। उनके पोस्ट के अनुसार, उनसे 10 की एमआरपी वाली पानी की बोतल के लिए 100 लिए गए। डे ने अपने पोस्ट में ज़ोमैटो को टैग करते हुए सवाल किया कि वे इस तरह के मार्कअप की अनुमति कैसे दे सकते हैं। डे ने सबूत के तौर पर अपनी रसीद की

तस्वीर संलग्न करते हुए पूछा 'जोमैटो को कॉन्सर्ट स्थलों पर 10 की पानी की बोतलें 100 में बेचने की अनुमति कैसे दी गई, जहां किसी को भी अपनी बोतलें लाने की अनुमति नहीं है?' उनकी पोस्ट तेज़ी से वायरल हुई, जिसने इवेंट में कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर ध्यान आकर्षित किया।

जोमैटो का क्या था जवाब

इस पोस्ट के जवाब में, ज़ोमैटो ने इस पोस्ट के कमेंट सेक्शन में अपनी भूमिका को स्पष्ट करते हुए कंपनी ने लिखा 'हाय पल्लब, हमें आपके अनुभव के लिए खेद है। हालांकि हम इवेंट आयोजक नहीं थे, लेकिन टिकटिंग पार्टनर थे, हमने आपकी प्रतिक्रिया को नोट कर लिया है और यह सुनिश्चित करेंगे कि इससे हमें अपने इवेंट को आगे बढ़ाने में मदद मिले।,डे ने इवेंट आयोजकों ईवा लाइव को भी टैग किया, उन्हें अधिक कीमत के लिए जिम्मेदार ठहराया।

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी; 80 हजार के नीचे आया सेंसेक्स, निफ्टी भी 1% टूटा

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां)। फेडरल रिजर्व की ओर से 2025 में ब्याज कटौती की रफ्तार धीमी रखने के एलान के बाद अमेरिकी शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दिखी। इसके असर से गुरुवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक भी कमजोर पड़ गए। गुरुवार को सेंसेक्स 964.15 (1.20%) अंकों की गिरावट के साथ 79,218.05 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 247.15 (1.02%) अंक टूटकर 23,951.70 पर पहुंच गया।अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अगले साल ब्याज दरों में कटौती कम करने के संकेत के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में भारी बिकवाली के कारण गुरुवार को शेयर बाजार का सेंसेक्स करीब 965 अंक टूटकर 80,000 के स्तर से नीचे आ गया। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा, विदेशी पूंजी निकासी के बीच कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, बैंकिंग और आईटी शेयरों में भारी गिरावट से निराशा और बढ़ गई। लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 964.15 अंक या 1.20 प्रतिशत टूटकर 79,218.05 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान ब्लू-चिप इंडेक्स 1,162.12 अंक या 1.44 प्रतिशत टूटकर 79,020.08 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 247.15 अंक या 1.02 प्रतिशत गिरकर 24,000 अंक से नीचे 23,951.70 अंक पर आ गया।जानकारों के अनुसार अमेरिकी फेड के ब्याज दरों पर सख्त रुख के कारण वैश्विक स्तर पर हुई बिकवाली के बाद भारतीय बाजार में व्यापक गिरावट देखी गई। बैंकिंग और रियल एस्टेट जैसे ब्याज दरों के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों को इसका काफी नुकसान उठाना पड़ा। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, हालांकि, ब्याज दर को स्थिर रखने के बैंक ऑफ जापान के फैसले ने अर्थशास्त्रियों को आश्चर्यचकित कर दिया, जिससे बिकवाली दबाव कम करने में मदद मिली। इसके बावजूद, एफआईआई की बिकवाली के बीच निवेशक सतर्क बने रहे, और फार्मा जैसे रक्षात्मक क्षेत्रों की ओर रणनीतिक बदलाव हुआ, जिसका सबूत उनके बेहतर प्रदर्शन से मिलता है। 30 ब्लू-चिप कंपनियों में से इंफोसिस, बजाज फिनसर्व, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा सबसे ज्यादा पिछड़े। दूसरी ओर, सन फार्मा, पावर ग्रिड और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में लाभ रहा। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में गिरावट रही। यूरोपीय बाज़ार नकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। बुधवार को वॉल स्ट्रीट में भारी गिरावट दर्ज की गई। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,316.81 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.08 प्रतिशत गिरकर 73.33 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बीएसई का सेंसेक्स 502.25 अंक या 0.62 प्रतिशत गिरकर 80,182.20 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 137.15 अंक या 0.56 प्रतिशत गिरकर 24,198.85 अंक पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन -1444
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय - 06-44, सूर्यास्त. -17-43
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	06-25 बजे
चंद्र-	सिंह	मे	मकर...	08-31 बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	10-22 बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	मीन-	12-00 बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	13-36 बजे
शुक्र-	मकर	मे	वृष---	15-21 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	17-22 बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	19-34 बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	21-46 बजे
			कन्या---	23-53 बजे
			तुला----	01-58 बजे
			वृश्चिक...	04-08 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी . 10-49 तक उपरान्त षष्ठी
मास - पौष कृष्ण , शुक्रवार 20 December
नक्षत्र - मघा 03-46 तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - विष्कुंभ 18-11 तक उप प्रीति
करण- तैतिल 10-49 तक उप गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - गण्ड मूल नक्षत्र

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:51 से 12:14 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:44 - 08:05	शुभ	रोग.	17:43 - 19:23	अशुभ
लाभ.	08:05 - 09:28	शुभ	काल	19:23 - 20:59	अशुभ
अमृत	09:28 - 10:51	शुभ	लाभ	20:59 - 22:37	शुभ
काल	10:51 - 12:14	अशुभ	उत्पात	22:37 - 00:14	अशुभ
शुभ	12:14 - 13:37	शुभ	शुभ	00:14 - 01:51	शुभ
रोग.	13:37 - 14:59	अशुभ	अमृत	01:51 - 03:29	शुभ
उत्पात	14:59 - 16:23	अशुभ	चंचल.	03:29 - 05:06	शुभ
चंचल	16:23 - 17:43	शुभ	रोग	05:06 - 06:44	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा । आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे । लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा । आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे ।अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज सावधान रहें । आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवशयकता महसूस होगी । आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें,आपको किसी करीबी से कोई अप्रत्याशित खबर मिल सकती है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपका मूड बदलता रहेगा । आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे । फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी । आज सब चीजों को हल्के में लें और खुद को बस निरीक्षक की भूमिका तक सीमित रखें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे । उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा । इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें । इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी । परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
पिछले काफी समय से जिस अटके काम को करने की सोच रहे हैं वह आज होने की उम्मीद है । खासी शारीरिक मेहनत करनी पड़ सकती है । आज सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से भी लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है। अपने प्रियजनों से किसी भी प्रकार के टकराव से बचें । सितारे कहते हैं की यदि आज कोई भी टकराव हुआ तो तुरंत बात बढ़ जायेगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है । बैठने की गलत मुद्रा के कारण आपको आज गर्दन तथा कमर दर्द की शिकायत हो सकती है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारत के खिलाफ नफरत के पीछे कौन?

मुस्लिम कट्टरपंथियों से नजदीकी बढ़ा रहा चीन, खिलाफत लीडर मांग रहे इस्लामिक स्टेट

ढाका, 19 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अब घर से बाहर निकलने में डर लगता है। मेरी नाइट ड्यूटी रहती है। मैंने कई बार कहा कि मेरी दिन की शिफ्ट कर दो। मैं बाहर रहती हूं तो बच्चों की फिक्र होती है। डर लगता है जमात के लोग न घुस आएं। मेरे बच्चों पर हमला न कर दें। सरकार भी हमारी कोई मदद नहीं कर रही।

यह कहन है रेशमा का जो चटगांव के मेथोरपट्टी में रहती हैं। हिंदू आबादी वाली इस बस्ती पर 26 नवंबर को भीड़ ने हमला कर दिया था। घर जला दिए। मंदिरों में घुसकर मूर्तियां तोड़ दीं। इसके बाद से रेशमा डरी हुई हैं। उनकी बस्ती पर हमले का आरोप कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी पर लगा था। बांग्लादेश की हिंदू-बौद्ध-ईसाई काउंसिल के मुताबिक, 5 अगस्त को शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से अब तक हिंदुओं पर 3 हजार से ज्यादा हमले हुए हैं। इनमें जमात-ए-इस्लामी के मेंबर्स के शामिल होने का शक है। जमात अकेला नहीं है, जमात समेत 5 संगठन हैं, जिन पर अल्पसंख्यकों को टारगेट करने और एंटी इंडिया कैंपेन चलाने के आरोप हैं।

ये रहे पांचों संगठन 1. जमात-ए-इस्लामी, 2. खिलाफत मजलिस , 3. हिज्ब-उत-तहरीर, 4. बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (पॉलिटिकल पार्टी)5. इस्लामी ओइक्या जोते (पॉलिटिकल पार्टी)है। जमात-ए-इस्लामी को पाकिस्तान सपोर्ट कर रहा है। ढाका में पाकिस्तानी उच्चायोग में लगातार मीटिंग हो रही हैं। हाल में जमात-ए-इस्लामी, खिलाफत मजलिस और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेता चीन से लौटकर आए हैं। बांग्लादेश में लोग भारत के खिलाफ प्रोटेस्ट कर रहे हैं। सड़कों के किनारे 'इंडिया आउट' लिखा है। लोगों में भारत, बीजेपी और इस्कॉन के खिलाफ गुस्सा है। भारत का बॉयकॉट करने के लिए कहा जा रहा है। ढाका के प्रेस क्लब में बीएनपी के नेता भारत में बनी साड़ियां और बेडशीट जला रहे हैं।

जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश का सबसे बड़ा और पुराना इस्लामिक संगठन है। इस संगठन ने बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई के वक्त पाकिस्तान का साथ दिया था। 1975 में इसकी बांग्लादेश यूनिट की स्थापना की गई। आज ये पूरे देश में फैला हुआ है। 2013 में शेख हसीना सरकार ने जमात-ए-इस्लामी पर पाबंदी लगा दी थी। 2023 में बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने जमात के चुनाव लड़ने पर रोक लगाई थी। शेख हसीना सरकार गिरने के बाद बनी अंतरिम सरकार ने 28 अगस्त को जमात पर लगा बैन हटा दिया।

जमात-ए-इस्लामी के नायब-ए-अमीर यानी वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सैयद अब्दुल्लाह मोहम्मद ताहिर कहते हैं कि अल्पसंख्यकों पर हमले जमात की वजह से नहीं हो रहे। इसके पीछे पॉलिटिकल और सोशल वजहें हैं। इस तरह के हमले मुसलमानों पर भी होते हैं। इसलिए इसमें सांप्रदायिकता का कोई एंगल नहीं है। अगर आप कह रहे हैं कि किसी हिंदू महिला ने कहा वो जमात से डरती है, तो मुझे लगता है जमात के बारे में उसने कहीं से सुना है। उसका अपना अनुभव नहीं होगा। जमात ने तो हिंदुओं की रक्षा की है। भारत में हालात खराब होते हैं, तब हम यहां हिंदुओं की सुरक्षा के लिए वॉलंटियर भेजते हैं। जिनके घर पर हमला हुआ है, वे अवामी लीग से जुड़े हैं। भारत को लेकर स्टैंड क्लियर करते हुए वे कहते हैं, 'जमात ने भारत के खिलाफ बॉयकॉट की मांग नहीं की है। ये सच है कि बांग्लादेशियों में भारत के खिलाफ सेंटिमेंट हैं। 1971 के बाद हर बांग्लादेशी भारत के सपोर्ट में था। भारत को सोचना चाहिए कि ये दुश्मनी में क्यों तब्दील हुआ।

28 नवंबर को बांग्लादेश से 14 लोगों का डेलिगेशन चीन गया था। ये एक महीने में दूसरा मौका था, जब बांग्लादेशी लीडर चीन गए थे। डेलिगेशन को सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर ने लीड किया था। डेलिगेशन में जमात-ए-इस्लामी के अलावा खलीफा मूवमेंट और खलीफा काउंसिल के मेंबर शामिल थे। चीन ने जमात-ए-इस्लामी और 4 इस्लामिक पार्टियों को बुलाया था। हम 7 दिन चीन में रहे। यह एक-दूसरे को समझने के लिए मुलाकात की तरह था। किसी हालिया मुद्दे से इसका लेना-देना नहीं है। चीन ने पहली बार जमात को इनवाइट किया था। 'पिछले कुछ दिनों में भारत के नेताओं ने बांग्लादेश के बारे में आपत्तिजनक बयान दिए हैं। अगरतला में हमारी ऐंबैसी पर हमला हुआ। लिहाजा सभी पार्टियां और लोग मतभेद भुलाकर भारत के खिलाफ एक प्लेटफॉर्म पर आ गए हैं।

खिलाफत मजलिस 35 साल पुराना संगठन है। इसकी स्थापना बांग्लादेश में खिलाफत आंदोलन और इस्लामी जुबो शिबिर के विलय से हुई थी। 1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहाने के विरोध में इस संगठन ने 2 जनवरी, 1993 को ढाका से अयोध्या तक मार्च शुरू किया था। पार्टी लीडर अजीजुल हक के साथ पार्टी वर्कर्स खुलना बॉर्डर तक पहुंचे, लेकिन बांग्लादेश सरकार ने बॉर्डर बंद कर मार्च खत्म करवा दिया।

खिलाफत मजलिस ने 2022 में भाजपा नेता नूपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन किया था। संगठन के जनरल सेक्रेटरी अहमद अब्दुल कादिर कहते हैं, 'बांग्लादेश में हिंदू-मुस्लिम विवाद नहीं है। ये तनाव अवामी लीग और लोगों के बीच है। बांग्लादेश के लोग भारतीयों के खिलाफ नहीं हैं। वे पीएम मोदी और उनकी बांग्लादेश को लेकर नीतियों के खिलाफ हैं। मोदी ने शेख हसीना सरकार का सपोर्ट किया। ये बांग्लादेश के लोगों को मंजूर नहीं है। हम चाहते हैं कि भारत शेख हसीना को लौटा दे। बांग्लादेश में कई साल से भारत के खिलाफ गुस्सा है। भारत और बांग्लादेश के बीच बॉर्डर इश्यू है। बॉर्डर पर हमारे लोगों की हत्या की जा रही है। पानी का मुद्दा है। भारत जब तक इन मसलों का समाधान नहीं करता, बांग्लादेश के साथ उनकी स्थिति ऐसी ही रहने वाली है। बांग्लादेश में 92% मुस्लिम, 7% हिंदू और 1% बौद्ध-ईसाई हैं। लोग इस्लामी राज्य चाहते हैं वे बांग्लादेश को इस्लामिक बनाने का सपना देखते हैं। सच्चे इस्लामी राज्य का मतलब दूसरे धर्मों की बुराई करना नहीं है। भारत में हिंदुत्व अलग है। वे हिंदू धर्म की स्थापना के लिए दूसरे धर्मों से लड़ रहे हैं। इस्लाम ऐसा नहीं है। आपने कभी किसी मुसलमान को हिंदुओं पर हमला करते नहीं देखा होगा। हिंदुओं पर हमले में कोई इस्लामिक पार्टी शामिल नहीं है। हमने तो दुर्गा पूजा के दौरान हिंदू मंदिरों की सुरक्षा की।

शेख हसीना की सरकार में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी थी। शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने का सबसे ज्यादा फायदा बीएनपी को ही मिला है। अब वो देश की सबसे बड़ी पार्टी है। पार्टी के लीडर खुलेआम एंटी इंडिया कैंपेन चलाते रहे हैं। बीएनपी के सीनियर जॉइंट जनरल सेक्रेटरी रुहुल कबीर रिजवी ने 5 दिसंबर को भारत में बने प्रोडक्ट का बॉयकॉट करने की बात कहते हुए पत्नी की साड़ी जला दी थी। रिजवी ने कहा, 'भारतीयों ने बांग्लादेश के झंडे का अपमान किया है, हम इंडियन प्रोडक्ट का बॉयकॉट कर उन्हें जवाब देंगे। रिजवी ने अगरतला की घटना का जिक्र किया, जहां कुछ लोगों ने बांग्लादेशी हाई कमीशन में तोड़फोड़ की थी। आरोप है कि इस दौरान बांग्लादेश का झंडा फाड़ दिया गया। रिजवी ने आगे कहा, 'जब आप हमारा सम्मान नहीं करते, तो हम आपके प्रोडक्ट क्यों खरीदें। हम एक वक्त कम खाना पसंद करेंगे, लेकिन सिर कभी नहीं झुकाएंगे।

पति ने कुल्हाड़ी से काटा पत्नी का गला

आरोपी ने 30किमी पैदल चल थाना में किया सरेंडर, वारदात के वक्त पत्नी संग पी रहा था शराब

गुमला, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। गुमला में पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद वो घर से पैदल ही 30 किलोमीटर दूर थाना पहुंचा और सरेंडर कर दिया। मामला बीती देर रात पालकोट थाना क्षेत्र अंतर्गत पाहन टोली सारु बेरा की है। दंपती और गांव की दो महिला साथ में शराब पी रहे थे। इसी बीच किसी बात पर विवाद हुआ और आरोपी ने पत्नी की हत्या कर दी। मृतका की पहचान कार्सेसिया केरकेट्टा (47) के रूप में की गई है। वहीं, मृतका का पति फूलचंद केरकेट्टा (52) पुलिस गिरफ्त में है। सुबह पालकोट थाना प्रभारी मोहम्मद जहांगीर आरोपी पति को लेकर घटनास्थल पर पहुंचे और वारदात की पूरी जानकारी ली। पुलिस ने कुल्हाड़ी बरामद कर लिया है।

मृतका के बेटे अश्विन केरकेट्टा ने बताया कि बुधवार को माता-पिता दोनों ही पोजेंगा बाजार साथ में गए थे। इसके बाद वहां पर दोनों ने शराब पी और कुछ घर भी ले आए। रात में दोनों अन्य दो पड़ोसी महिलाओं के साथ बैठकर शराब पी रहे थे। मैं सो चुका था। बेटे ने बताया- इसी बीच में किसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और पिता ने मां की हत्या कर दी। यह देख दोनों महिलाएं वहां से भाग निकली। इधर, पिता मेरे पास आए और मुझे नींद से जगाकर बताया कि तुम्हारी मां की हत्या कर दिया हूं। अब थाना जा रहा हूं और पैदल ही वहां से निकल गए। वहीं, एसडीपीओ नजीर अख्तर ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि नशे की हालत में विवाद होने पर घटना को अंजाम दिया गया है। फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी को हिरासत में ले लिया है। साथ ही पूरे मामले की छानबीन की जा रही है।

अस्पताल में भड़की आग

मरीजों के रेस्क्यू जारी, छत पर चढ़े फायर फाइटर्स, स्ट्रेचर लेकर भागते भी दिखे

रायपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भड़कती आग के बीच मरीज के रेस्क्यू का मॉकड्रिल प्रैक्टिस किया गया। इस दौरान फायर फाइटर्स छत पर चढ़े, फिर उन्होंने अपने जान की परवाह किए बिना स्ट्रेचर पर लेटे मरीज को आग से बचाते हुए बाहर निकाला। इस मॉकड्रिल के रोमांचक नजारे को देखने के लिए मेकाहारा के सामने बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस मॉकड्रिल का प्रैक्टिस एनडीआरएफ-एसडीआरएफ और छत्तीसगढ़ फायर ब्रिगेड के जवानों ने मिलकर किया है। इसमें अस्पताल और बड़ी बिल्डिंग में आग लगने के दौरान आने वाली समस्याओं को समझने और इससे कुछ ही मिनटों में निपटने की कोशिश की गई। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल मेकाहारा के ऊपरी माले पर अचानक आग भड़क गई।

शीतकालीन सत्र में चंद्राकर बोले- गृहमंत्री भ्रष्टाचार छुपा रहे

दंतेवाड़ा में डीएमएफ मद से स्वीकृत सड़क पर विजय शर्मा से नोंकझोंक, विपक्ष ने भी सदन में किया हंगामा

रायपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन गुरुवार को कार्यवाही जारी है। बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर ने डीएमएफ मद से दंतेवाड़ा में कोरकोट्टी सड़क निर्माण और हिरोली सड़क हेल्थ सेंटर से कैंप तक की सड़क को लेकर सवाल पूछा।

संतुष्टि-पूर्ण जवाब नहीं मिलने पर अजय चंद्राकर और मंत्री विजय शर्मा के बीच नोंकझोंक हो गई। चंद्राकर के सवाल पर विजय शर्मा घिर गए। मंत्री के जवाब को लेकर विपक्ष ने भी सदन में हंगामा किया।

प्रश्नकाल में गूंजा अस्पतालों में फायर-सेफ्टी का मुद्दा

कांग्रेस विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि, मार्केट में फायर ऑडिट के सर्टिफिकेट 2 हजार रुपए में बिक रहे हैं। धर्मजीत सिंह ने पूछा कि, फायर सेफ्टी के लिए क्या प्रावधान? कब-कब फायर सेफ्टी का ऑडिट कराया गया?

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने फायर सेफ्टी की

जानकारी देते हुए कहा कि, 30 बिस्तर अधिक और 9 मीटर ऊंचे अस्पतालों में फायर सेफ्टी अनिवार्य है। समय-समय पर फायर सेफ्टी का ऑडिट कराया जाता है। लापरवाही पाए जाने पर जुर्माने का भी प्रावधान है। फायर ऑडिट का काम छत्तीसगढ़ में गृह विभाग करती है और प्रमाण पत्र भी गृह विभाग देती है।

धर्मजीत सिंह ने कहा कि, मंत्री जी के पास फायर ऑडिट की सही पूरी जानकारी नहीं है। अगर काम गृह विभाग का है, तब बिना जांच के आपने लाइसेंस कैसे दिया। सामने गृहमंत्री भी बैठे हैं। दोनों ही मंत्रियों से निवेदन है कि फायर ऑडिट सक्षम अधिकारियों से कराइएगा। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, प्रश्न महत्वपूर्ण और लाजमी है। इस पर पिछले 5 वर्षों में कुछ नहीं हुआ। लेकिन आपके ध्यानाकर्षण के बाद इस काम को जरूर किया जाएगा। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष के तौर पर डॉ रमन सिंह का एक साल का कार्यकाल पूरा हो गया है। जिस पर सदन के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी।

बीजेपी विधायक राजेश मूणत ने हमर क्लीनिक निर्माण के लिए खर्च राशि का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि, आखिर भवन निर्माण के लिए राशि की क्या व्यवस्था की गई है। मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने जवाब देते हुए कहा कि, आयुष्मान आरोग्य मंदिर को पिछली सरकार ने हमर क्लीनिक नाम दे दिया। हमर क्लीनिक में पांच प्रकार के मानव संसाधन होते हैं। यह कार्यक्रम पूरी तरह राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में संचालित होते हैं। कई अस्पतालों का निर्माण अधूरा है। इसके लिए राशि लेने भारत सरकार को पत्र लिखा गया है। राजेश मूणत ने कहा कि, भवन की जगह सिर्फ एलिवेशन बना दिए। पूर्व सरकार ने सिर्फ नाम चमकाने के लिए काम किया। पूरे प्रदेश के हमर क्लीनिक में कोई सेटअप नहीं, दवाओं की भी उपलब्धता नहीं। जिस पर मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने अधूरे कामों की जांच कराने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि, अनियमितता की भी जांच कराई जाएगी।

रेणु जोगी बोलीं- जेसीसीजे का कांग्रेस में हो विलय

बैज को लिखा पत्र, कहा- हम कांग्रेसी विचारधारा के, सिंहदेव पक्ष में नहीं

रायपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की बनाई पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जोगी) का कांग्रेस में विलय हो सकता है। पार्टी की सुप्रीमो रेणु जोगी ने इसके लिए पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज को पत्र लिखकर पार्टी में शामिल होने और जेसीसीजे के विलय की इच्छा जताई है। हालांकि पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव इसके पक्ष में नहीं है। सबसे पहले ये बताया था कि जोगी परिवार की कांग्रेस में वापसी हो सकती है। इसके बाद 18 दिसंबर को रेणु जोगी ने दीपक बैज को कांग्रेस में शामिल होने के लिए पत्र लिखा है।

रेणु जोगी के इस पत्र में उन्होंने लिखा है कि जेसीसीजे, कांग्रेस विचारधारा की पार्टी है और कोर कमेटी ने सर्वसम्मति से ये फैसला लिया है कि जेसीसीजे का अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में विलय कर दिया जाए। पत्र में रेणु जोगी के अलावा अमित जोगी के भी हस्ताक्षर हैं। साल 2014 में हुए बस्तर के अंतागढ़ उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार को चुनाव

रेणु जोगी

मैदान से हटाने के लिए कथित सौदेबाजी का एक ऑडियो क्लिप वायरल हुआ था। इसमें अजीत और अमित जोगी के शामिल होने के आरोप लगे थे। इसके बाद साल 2016 में कांग्रेसने अमित जोगी को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया जबकि अजीत जोगी को नोटिस दिया गया था। इसके बाद अजीत और अमित जोगी ने नई पार्टी बनाने की कवायद शुरू कर दी। 21 जून 2016 को छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ नाम से खुद की पार्टी बनाने का ऐलान किया था। जोगी की लोकप्रियता की वजह से ये माना जा रहा था कि प्रदेश में सरकार बनाने में जोगी कांग्रेस की निर्णायक भूमिका होगी। पार्टी बनने के बाद भी रेणु जोगी काफी समय तक कांग्रेस में रहीं लेकिन 2018 के चुनाव में उन्होंने कोटा विधानसभा से जेसीसीजे से ही चुनाव लड़ा। इस चुनाव में उनकी पार्टी ने बसपा के साथ गठबंधन कर विधानसभा चुनाव लड़ा था लेकिन उनकी परंपरागत सीट मरवाही और कोटा से उनकी पत्नी रेणु जोगी के अलावा पार्टी के 3 और उम्मीदवार ही जीत पाए। उनकी बहु ऋचा जोगी भी चुनाव हार गईं। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि जोगी कांग्रेस का फिर से कांग्रेस में विलय हो सकता है लेकिन अजीत जोगी के जीवित रहते तक ये केवल कयास ही बने रहे। 29 मई 2020 को अजीत जोगी का निधन होने के बाद पार्टी के कई नेताओं ने किनारा करना शुरू कर दिया पार्टी लगभग हाशिए पर आ गई। सीनियर लीडर्स के प्रति अमित जोगी का व्यवहार अच्छा नहीं होने की बात कहते हुए धर्मजीत सिंह ने पार्टी छोड़ी और 2023 के चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हो गए।

इसके अलावा बचे पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी लगातार टूटते गए। साल 2023 के चुनाव में पार्टी की स्थिति इतनी खराब हो गई कि सभी 90 सीटों में जेसीसीजे अपना उम्मीदवार तक खड़ा नहीं कर पाई।

पार्टी के अध्यक्ष अमित जोगी पाटन से भूपेश बघेल के खिलाफ चुनाव लड़ने गए लेकिन अमित को महज 4822 वोट ही मिले।

कॉन्स्टेबल ने होटल में युवती से किया रेप

रायगढ़, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में शादीशुदा आरक्षक ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म किया है। पीड़ित ने कॉन्स्टेबल की पत्नी को इसकी जानकारी हुई, तो उसने किसी को नहीं बताने की बात कही। लेकिन आरक्षक की प्रताड़ना और धमकियों से परेशान होकर उसने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पीड़िता किसी शिकायत के सिलसिले में साल 2022 में रायगढ़ सिटी कोतवाली पहुंची थी। वहां उसकी मुलाकात आरक्षक शशिकांत चौहान से हुई। पहली मुलाकात में ही शशिकांत ने उसका मोबाइल नंबर ले लिया। वॉट्सऐप पर बातचीत होने लगी। जिसके बाद दोनों के बीच दोस्ती हुई और मुलाकात भी होने लगी। 27 नवबंर 2022 को दोनों होटल में मिले, तो आरक्षक शशिकांत ने उसे प्रपोज कर दिया। जब युवती ने उसे मना किया, तो उसकी बातों को अनसुना कर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने बताया कि जब वह रोने लगी तो कॉन्स्टेबल शशिकांत ने उससे शादी करने की बात कहकर झांसे में ले लिया। इसके बाद पीड़िता से अलग-अलग जगहों पर मिलता रहा और शारीरिक संबंध बनाता रहा। शशिकांत ने अगस्त 2024 में उससे शादी करने का प्रस्ताव रखा और इस बारे में किसी को नहीं बताने को कहा।

अबूझमाड़ एनकाउंटर में घायल हैं 4 बच्चे, एक की गर्दन में फंसी गोली

सुरक्षाबल या नक्सली, कौन है जिम्मेदार?

रायपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। अबूझमाड़ में 12 दिसंबर को सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें कथित सात माओवादी मारे गए और कम से कम चार बच्चे घायल हुए। ग्रामीणों का कहना है कि वे फसल काट रहे थे, तभी गोलीबारी शुरू हो गई। माओवादियों का आरोप है कि मारे गए लोगों में पांच निर्दोष ग्रामीण थे। सुरक्षाबलों का कहना है कि माओवादियों ने बच्चों को मानव ढाल बनाया था। सामाजिक कार्यकर्ता सोनी सोरी ने घायल बच्चों को अस्पताल पहुंचाया। इस घटना ने मुठभेड़ पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना उस समय हुई जब ग्रामीण खेतों में बाजरा की फसल काट रहे थे। अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। माओवादियों का आरोप है कि मारे गए सात लोगों में से पांच निर्दोष ग्रामीण थे। सुरक्षाबलों का कहना है कि माओवादियों ने बच्चों और ग्रामीणों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल किया, जिसकी वजह से बच्चे घायल हुए। इस घटना के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सोनी सोरी ने घायल बच्चों को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने सुरक्षाबलों पर सवाल उठाए कि सुरक्षा बल मृतकों को तो ले गए, लेकिन घायल बच्चों को क्यों नहीं? इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनके जवाब सुरक्षाबलों को देने होंगे। अबूझमाड़ घने जंगलों से घिरा हुआ इलाका है। 12 दिसंबर को यहां सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। यह इलाका रायपुर से लगभग 350 किलोमीटर दूर और महाराष्ट्र की सीमा के पास है। मुठभेड़ में सात कथित माओवादी मारे गए, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल थीं। सुरक्षाबलों ने दावा किया कि मारे गए माओवादियों में ओडिशा राज्य समिति का सदस्य दसरू भी शामिल है, जिस पर 25 लाख रुपये का इनाम था। लेकिन इस मुठभेड़ में कम से कम चार बच्चे भी घायल हो गए, जिनकी उम्र चार से 17 साल के बीच है। एक 16 साल की लड़की की गर्दन में गोली लगी है। उसे इलाज के लिए रायपुर लाया गया है। एक चार साल के बच्चे के सिर को गोली छूकर निकल गई, जिससे उसे गहरा घाव हो गया है। एक अन्य घायल लड़के ने बताया कि उसने अपने पिता को गोली लगते हुए देखा। चौथे नाबालिग के हाथ से मांस के टुकड़े उड़ गए। दो अन्य घायल लड़कों की उम्र 14 और 17 साल है। कई ग्रामीणों ने बताया कि वे कोसरा बाजरे की फसल काट रहे थे, तभी उन पर गोलीबारी शुरू हो गई। 17 साल का एक लड़का अपनी कमर के बल पर फसल काट रहा था, तभी उसके हाथ और पैर में गोली लगी।

स्मार्ट मीटर नहीं दे रहा बिजली बिल, कैंप में होगा समाधान

14 जगहों पर लग रहा स्पेशल कैंप, मोबाइल नंबर कराएं लिंक, 31 जनवरी तक मौका

रांची, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। इरगू टोली निवासी मीना देवी के घर में स्मार्ट मीटर चार महीने पहले लगा। लेकिन उन्हें बिजली बिल नहीं मिल रहा है। हरमू स्थित पॉवर सब स्टेशन में लगे कैंप में बिल के लिए उनका बेटा आया था। उसने बताया कि 4 माह पहले 55 हजार रुपए का बिल भरा है। स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिल नहीं आ रहा है। एक साथ चार माह का बिल आने पर परेशानी होगी।

हरमू एलएस में रहने वाले रामेश्वर सिंह को भी पिछले चार महीने से बिजली बिल नहीं मिल रहा है। जबकि उनके घर में स्मार्ट मीटर लग गया है। शिविर में बिल के लिए वे पहुंचे तो उन्हें जानकारी मिली कि पहले अपने मोबाइल नंबर को स्मार्ट मीटर से लिंक करें। इसके बाद ही उन्हें ऑटो जेनरेट होकर मोबाइल पर ही बिल मिल जाएगा। ये महज दो उदाहरण हैं। रांची शहर में ऐसे सैकड़ों बिजली के स्मार्ट मीटर के उपभोक्ता हैं, जो मीटर लगाने वाली एजेंसी की लापरवाही खामियाजा भुगत रहे हैं। रांची के बिजली उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल मिल ही नहीं रहा है। उन्हें अचानक से विभाग की ओर से हजारों रुपए का बिल भेज दिया जा रहा है। ऐसे पीड़ित उपभोक्ताओं के लिए जेबीवीएनएल शहर के 13 अलग-अलग जगहों पर स्पेशल कैंप लगा रही है। जहां जा कर स्मार्ट मीटर को अपने मोबाइल नंबर से लिंक करा सकते हैं। इससे आपकी बिजली बिल की समस्या का समाधान मिल जाएगा। जेबीवीएनएल रांची के शहरी क्षेत्र के 3.60 लाख उपभोक्ताओं में से 2.95 लाख उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगा चुका है।

इसके बाद इन उपभोक्ताओं को समय पर बिजली बिल नहीं मिल रहा है। इसके पीछे की वजह मीटर लगाने वाली एजेंसी की लापरवाही है। एजेंसी ने शहरी उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर तो लगा दिया, लेकिन उसमें उनका मोबाइल नंबर अपडेट नहीं किया। उपभोक्ताओं को चार-चार महीने से बिल नहीं मिल रहा है। अगर स्मार्ट मीटर लगाने के समय ही उपभोक्ताओं का नंबर अपडेट कर दिया गया होता तो एक लाख 20 हजार उपभोक्ताओं को आज परेशानी नहीं होती।

खनन विभाग की टीम पर बालू माफियाओं ने किया हमला

जब्त वाहनों को जबरन छुड़ाकर ले गए, चार नामजद पर एफआईआर

धनबाद, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद जिला खनन विभाग की टीम पर हमला करने वालों के खिलाफ सरायढेला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसमें तीन नामजद के अलावे अन्य अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। माइनिंग इंस्पेक्टर बिनोद बिहारी प्रमाणिक ने बताया कि नामजद आरोपियों में राजेंद्र सिंह के अलावे राहुल सिंह, असित मंडल, राकेश मंडल समेत अन्य अज्ञात हैं। माइनिंग इंस्पेक्टर ने बताया कि सरायढेला थाना क्षेत्र गोलबिल्डिंग के पास बालू लदा दो ट्रैक्टर को पकड़ा गया। जांच में कोई वैध चालान नहीं होने पर वाहनों को जब्त करने की कार्यवाई के दौरान अज्ञात लोगों ने सरकारी वाहन पर हमला कर दिया।

इसमें वाहन का शीशा को क्षतिग्रस्त किया गया, मोबाइल फोन तोड़ दिया गया और लैपटॉप को भी क्षति पहुंचाई गई। इसके बाद हमलावर जब्त वाहनों को जबरन छुड़ाकर ले गए। उन्होंने बताया कि डीसी के निर्देशानुसार जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी है और आगे भी जारी रहेगी। अब तक की प्रारम्भिक जांच में जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

रिश्तेदार ने युवक की काटी नाक

पलामू, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। पत्नी से अवैध संबंध के शक में एक व्यक्ति ने अपने एक रिश्तेदार का दांत से नाक काट लिया। इलाज के लिए युवक को एमएमसीएच लाया गया था। डॉक्टर ने अधिक रक्त स्त्राव होने के कारण बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया। युवक का नाक बुरी तरह से कट गया है। घटना गुरुवार को मुख्य बाजार में हुई। डॉक्टर ने नाक की सर्जरी कराने की सलाह दी है। जख्मी युवक अरबाज रेहला का रहने वाला है। अरबाज की बहन बीमार है। बहन के ऑपरेशन के सिलसिले में अरबाज कई दिनों से मेदिनीनगर में था। सदर अस्पताल के पास डॉ. जीपी सिंह की क्लीनिक में उसकी बहन भर्ती है। गुरुवार को अरबाज को घर जाना था। कंबल खरीदने के लिए अरबाज शहर थाना क्षेत्र के धर्मशाला रोड स्थित मॉल में गया था। अरबाज के अनुसार पांकी के भरी गांव के रहने वाले शेरू कुरैशी ने उसे मॉल के पास पीछे से पकड़ लिया और दांत से उसका नाक काट दिया। अरबाज जख्मी हालत में एमएमसीएच में पहुंचा। अरबाज के अनुसार शेरू कुरैशी उसके छोटे बहनोई का जीजा है।

अमेरिका का आरोप- लंबी दूरी की मिसाइल बना रहा पाकिस्तान

प्रोग्राम से जुड़ी 4 कंपनियों पर बैन लगाया, कहा- इससे सामूहिक विनाश का खतरा

वॉशिंगटन, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने बुधवार को पाकिस्तान पर लंबी दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलें बनाने का आरोप लगाया। मिसाइल प्रोग्राम से जुड़ी पाकिस्तान की 4 कंपनियों पर बैन लगाया है। इनमें पाकिस्तान की सरकारी एयरोस्पेस और डिफेंस एजेंसी, नेशनल डेवलपमेंट कॉम्पलेक्स (एनडीसी) भी शामिल है। हम पाकिस्तान की उन चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, जो लॉन्ग रेंज वाली विनाशकारी बैलिस्टिक मिसाइल के प्रोग्राम में शामिल हैं। इनमें एफिलिएट्स इंटरनेशनल, अख्तर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड, रॉकसाइड एंटरप्राइज कंपनियां हैं। ये प्रोग्राम पाकिस्तान की संप्रभुता की रक्षा करने और दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए जरूरी था। बैन की गई चारों कंपनियां पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए जरूरी टूल मुहैया करा रही थीं।

अमेरिका आगे भी इस तरह की एक्टिविटी के खिलाफ एक्शन लेता रहेगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान की शाहीन-सीरीज बैलिस्टिक मिसाइलें एनडीसी की मदद से ही तैयार की गई हैं। इसके अलावा कराची की अख्तर एंड संस प्राइवेट कंपनी पर आरोप है कि उसने मिसाइल से जुड़ी मशीनों को खरीदने में एनडीसी की मदद की है। वहीं, एक और पाकिस्तानी कंपनी रॉकसाइड इंटरप्राइज और एफिलिएट इंटरनेशनल पर भी पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम में सहयोग करने का आरोप है। इससे पहले इसी साल अप्रैल में अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए तकनीक सप्लाई करने पर चीन की 3 कंपनियों पर बैन लगा दिया था। इस लिस्ट में बेलारूस की भी एक कंपनी शामिल थी। नवबंर 2019 में पाकिस्तान ने परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम शाहीन-1 मिसाइल का परीक्षण किया था। इसकी रेंज 650 किमी तक है। ये सभी तरह के हथियार ले जा सकती है। इसके अलावा पाकिस्तान शाहीन-2 और शाहीन-3 मिसाइल का परीक्षण भी कर चुका है। पाकिस्तान ने 1986-87 में अपने मिसाइल प्रोग्राम हत्फ की शुरुआत की थी।

भारत के मिसाइल प्रोग्राम का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान की तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के नेतृत्व में इसकी शुरुआत हुई थी। हत्म प्रोग्राम में पाक रक्षा मंत्रालय को फौज से सीधा समर्थन हासिल था।

तालिबान को टेररिस्ट लिस्ट से हटा सकता है रूस

संसद ने बिल पास कर अदालतों को दी ताकत सीरियाई विद्रोहियों से भी दोस्ती मुमकिन

मॉस्को, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। रूसी संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा एक कानून पारित कर अदालतों को यह ताकत दी है कि वो चाहें तो किसी भी संगठन को आतंकवादी समूहों की लिस्ट से हटा सकते हैं। इस कानून के पास होने से अब रूस के लिए अफगान ताबिलान और सीरिया के विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) से डिप्लोमेटिक रिलेशन कायम करना आसान हो जाएगा।

मंगलवार को पारित इस कानून के मुताबिक अगर कोई संगठन आतंकवाद से जुड़ी हुई एक्टिविटी बंद कर दे तो उसे इस लिस्ट से हटाया जा सकता है। इस कानून के तहत रूस के प्रॉसिक्यूटर जनरल अदालत में एक अपील दायर कर सकते हैं। इस अपील में बताया जाएगा कि किसी प्रतिबंधित संगठन ने आतंकवादी गतिविधियां बंद कर दी हैं। इसके बाद जज चाहें तो उस संगठन को आतंकी संगठनों की

लिस्ट से हटाने का फैसला ले सकते हैं। रूस ने 2003 में तालिबान और 2020 में एचटीएस को आतंकी संगठनों की लिस्ट में शामिल किया था। तालिबान ने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। जिसके बाद से अभी तक किसी भी देश ने तालिबान सरकार को औपचारिक मान्यता नहीं दी है। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसी साल जुलाई में तालिबान अब आतंकवाद से लड़ने में सहयोगी बताया था।

एचटीएस को भी प्रतिबंधित सूची से हटाने की मांग

दूसरी तरफ सीरिया में बशर अल असद का तख्तापलट करने वाले हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) को भी इस लिस्ट से हटाने की मांग की जा रही है। सीरिया में तख्तापलट के बाद एचटीएस को लेकर रूस के बयान पूरी तरह बदल गए हैं। पहले जहां रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सीरियाई विद्रोहियों को आतंकवादी कहा था, लेकिन तख्तापलट के अगले ही दिन रूसी विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर जारी बयान में उन्हें विपक्ष कहा था।

बता दें कि सीरिया में इसी साल बशर अल असद के खिलाफ 27 नवंबर को विद्रोह की शुरुआत हुई थी, जिसके 11 दिन बाद यानी 8 दिसंबर को असद खानदान की सत्ता खत्म कर दी गई।

इजरायल ने यमन पर किया हवाई हमला, नौ लोगों की मौत

बिजलीघर और तेल ठिकानों को बनाया निशाना

यरूशलम, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। इजरायल ने हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले यमन पर हवाई हमला किया है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में नौ लोगों की मौत हो गई। बताया जाता है कि इजरायल ने बिजलीघरों, लाल सागर स्थित रास इसा तेल टर्मिनल और सलीफ बंदरगाह को निशाना बनाया। हमले में सलीफ बंदरगाह पर सात और तेल टर्मिनल पर दो लोगों की मौत हुई। इससे पहले यमन ने मध्य इजरायल पर हूती मिसाइल से हमला किया था। जिसे इजरायल ने रोक लिया था।

टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक इजरायली सेना ने यमन में हमले की पुष्टि की। इजरायली सेना ने कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने हूती विद्रोही समूह की ओर से बार-बार किए जा रहे हमलों का जवाब दिया है। सेना के मुताबिक हूती ठिकानों पर इजरायल की वायु सेना ने दो चरणों में हमले किए। इसमें इजरायल वायु सेना के 14 लड़ाकू विमान शामिल थे। सेना ने बताया कि सबसे पहले हमले में लाल सागर स्थित रास इसा तेल टर्मिनल और सलीफ बंदरगाह को निशाना बनाया गया। इस हमले में बंदरगाह में जहाजों को लाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली आठ बोट नष्ट हो गईं। इसके बाद दूसरी बार राजधानी सना में दो बिजली स्टेशनों को निशाना बनाया गया।

आईडीएफ के मुख्य प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि हमले में उन जगहों को निशाना बनाया गया जिनका उपयोग हूती अपने सैन्य अभियान के लिए करते हैं। लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय जहाजों प हूतियों के हमले वैश्विक खतरा बन गए हैं। हूतियों के पीछे कौन है? सीधी बात है कि ईरान।

भारतीय मौलाना के समर्थकों से झड़प

4 की मौत, सैकड़ों घायल, इज्तिमा मैदान पर कब्जे को लेकर भिड़े

ढाका, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका से 40 किमी दूर टोंगी कस्बे में इज्तिमा के आयोजन को लेकर मंगलवार को मौलानाओं के दो गुटों में हंगामा हो गया। इस हंगामे में भारत के मौलाना साद और बांग्लादेश के मौलाना जुबैर के समर्थकों के बीच हिंसक झड़प हुई। मारपीट में 4 लोगों की मौत हो गई है, इसके अलावा सौ से ज्यादा लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों ने 7 लोगों की मौत का दावा किया है। प्रशासन ने इलाके में धारा 144 लागू कर सेना को तैनात कर दिया है। टोंगी में झड़प के बाद घायलों को ढाका के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां एक बार फिर दोनों गुटों में भिडंत हो गई। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में गृहमंत्री मोहम्मद जहांगीर आलम ने कहा कि 4 लोगों की मौत का केस दर्ज कर लिया गया है। बांग्लादेश पुलिस के मुताबिक मौलाना साद के समर्थक (सादपंथी) शुक्रवार, 20 दिसंबर से टोंगी मैदान में 5 दिवसीय इज्तिमा आयोजित करना चाहते हैं। मौलाना जुबैर के समर्थक उन्हें यहां इज्तिमा नहीं करने देना चाहते। इसके चलते जुबैर के समर्थकों ने पहले से ही इज्तिमा मैदान पर कब्जा कर लिया। मंगलवार सुबह करीब 3:30 बजे मौलाना साद के समर्थक मैदान में पहुंच गए थे। इसके बाद झड़प शुरू हो गई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद से जुबैर समर्थक दो चरणों में होने वाले टोंगी इज्तिमा को एक चरण में करने की मांग कर रहे हैं। जुबैर समर्थकों का आरोप है कि हसीना की पार्टी ने मुस्लमानों को बांटने के लिए इज्तिमा को दो चरणों में शुरू किया था। दूसरी ओर जुबैर समर्थकों ने मौलाना साद के समर्थकों पर भारत के एजेंट होने का आरोप लगाया है। अक्टूबर से साद के समर्थकों के खिलाफ रैलियां करना शुरू कर दिया था। मौलाना मोहम्मद साद कंधलवी एक भारतीय मुस्लिम स्कॉलर और प्रचारक हैं। वे तबलीगी जमात के संस्थापक मोहम्मद इलियास कंधलवी के परपोते हैं। मौलाना साद तबलीगी जमात के निजामुद्दीन धड़े के प्रमुख हैं। मौलाना साद को 2017 में आल इंडिया और टोंगी इज्तिमा (बांग्लादेश) का प्रमुख चुना गया था। इसके बाद से मौलाना साद और जुबैर के पक्षों में विवाद शुरू हो गया था। टोंगी में 2011 से इज्तिमा दो चरणों में होता है। पहले मौलाना जुबैर के समर्थक और बाद में मौलाना साद के समर्थक इज्तिमा का आयोजन करते हैं।

श्रीलंका ने चार साल में पहली बार वाहनों के आयात पर हटाया प्रतिबंध

कोलंबो, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका ने एलान किया है कि वे वाहनों के आयात पर प्रतिबंध हटा देंगे। इसे कोविड-19 महामारी के कारण विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करने के लिए 2020 में लागू किया गया था। बुधवार को जारी राजपत्र के अनुसार 2020 की शुरुआत के बाद पहली बार सार्वजनिक परिवहन वाहनों के आयात की अनुमति दी गई है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि वाहन आयात पर प्रतिबंध लगाने की नीति कोविड-19 महामारी और 2022 की आर्थिक मंदी के कारण विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव को कम करने के इरादे से लागू की गई थी। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने बुधवार को संसद को संबोधित करते हुए कहा कि निजी इस्तेमाल के लिए कारों के आयात की अनुमति फरवरी 2025 से दी जाएगी। हालांकि, यह फैसला नियमों के अधीन है ताकि द्वीप राष्ट्र के विदेशी भंडार बनाने की कोशिश की रक्षा की जा सके।

बांग्लादेश का अडाणी पर बिजली समझौते के उल्लंघन का आरोप

रॉयटर्स का दावा- भारत से मिलने वाला टैक्स बेनिफिट रोका

ढाका, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में रिश्वत देने के आरोप में घिरे अडाणी ग्रुप की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारतीय बिजनैसमेन गौतम अडाणी की कंपनी अडाणी पावर पर अरबों डॉलर के बिजली समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है। रॉयटर्स ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि इस समझौते के तहत जिस पावर प्लांट को लेकर डील की गई है, उसे भारत सरकार से टैक्स बेनिफिट मिल रहा है। इस बेनिफिट को अडाणी पावर बांग्लादेश को ट्रांसफर नहीं कर रहा है। बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार ने 2017 में अडाणी पावर के साथ बिजली की खरीद को लेकर समझौता किया था। इस समझौते के तहत अडाणी पावर झारखंड में मौजूद अपने पावर प्लांट से बांग्लादेश को बिजली सप्लाई कर रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश इस समझौते पर फिर बातचीत करना चाह रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक इस

प्लांट से मिल रही बिजली दूसरे प्लांट्स की तुलना में मंहगी है। रायटर्स ने अपनी रिपोर्ट में डील से जुड़े दस्तावेजों और 7 अधिकारियों के इंटरव्यू का हवाला दिया है।

भारत सरकार ने 2019 में अडाणी के इस पॉवर प्लांट को स्पेशल इकोनॉमिक जोन (ईईजड) का हिस्सा घोषित किया था। इसके बाद इस प्लांट को इनकम टैक्स समेत कई दूसरे टैक्स में छूट का लाभ मिला। समझौते के मुताबिक इसकी जानकारी बांग्लादेश को देना थी और टैक्स में मिलने वाली छूट से होने वाला बेनिफिट बांग्लादेश को ट्रांसफर करना था। रॉयटर्स ने 17 सितंबर और 22 अक्टूबर के दो लेटर का जिक्र किया है। इनमें बांग्लादेश ने अडाणी से डील के मुताबिक बेनिफिट ट्रांसफर करने के लिए कहा था, लेकिन अडाणी पावर ने ऐसा नहीं किया।

रॉयटर्स ने दो बांग्लादेशी अधिकारियों के हवाले से लिखा है कि अडाणी ने दोनों लेटर्स का कोई जवाब नहीं दिया है। अगर टैक्स में मिलने वाली छूट बांग्लादेश को ट्रांसफर होती तो, बिजली की कीमत में लगभग 0.35 पैसे प्रति यूनिट की बचत होती। बांग्लादेश को अडाणी पावर ने जुलाई 2023 में बिजली की सप्लाई शुरू कर दी थी। हालांकि, बांग्लादेश बिजली बिल का भुगतान नहीं कर रहा है। ढाका पर सैकड़ों मिलियन डॉलर का भुगतान बकाया है। रॉयटर्स से बात करते हुए बांग्लादेश के ऊर्जा मंत्री ने मोहम्मद फैजल कबीर ने कहा कि देश में अब अडाणी की बिजली के बिना भी काम चलाने के लिए क्षमता है। अडाणी पावर ने पहले ही बकाया बिल के चलते बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति आधी कर दी है। अडाणी पावर के मुताबिक बांग्लादेश पर 846 मिलियन डॉलर, यानी करीब 7200 करोड़ रूपए का बकाया है।

अडाणी पावर के इस कदम के बाद बांग्लादेश ने भी अपनी मांग को आधा कर दिया था।

महमूद गजनवी लुटेरा था

मुस्लिम आक्रांता को वर्षों तक हीरो बनाता रहा पाकिस्तान, अब शहबाज के रक्षामंत्री ने खोली पोल

इस्लामाबाद, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि 998 से 1030 ईस्वी तक गजनवी साम्राज्य के शासक रहे महमूद गजनवी को जिस तरह से दिखाया जाता रहा है, वो ठीक नहीं है। एक टीवी चैनल पर आसिफ ने कहा कि महमूद गजनवी तो किसी डाकू-लुटेरे की तरह था। वह यहां लूटपाट करने आता था और माल लूटकर वापस चला जाता था। पाकिस्तान में उसे हमलावर बताने के बजाय नायक की तरह चित्रित या जाता रहा है लेकिन मैं उसे कोई हीरो नहीं मानता हूं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री आसिफ बड़े राजनीतिक परिवार से आते हैं, उनके पिता भी कई अहम पदों पर रहे थे।

पाकिस्तान के मंत्री ख्वाजा आसिफ का बयान इसलिए अहम क्योंकि पाकिस्तान के स्कूली पाठ्यक्रम और इतिहास में महमूद गजनवी को सकारात्मक तौर पर दिखाया जाता है। उसे मुस्लिमों के नायक की तरह भी बताने की कोशिश होती रही है।

गजनवी के नाम पर पाकिस्तान में हथियारों के नाम भी हैं। गजनवी पाकिस्तान की एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का भी नाम है। ये भी दिखाता है कि पाकिस्तान गजनवी को एक योद्धा की तरह पेश करता है।

उल्फा चीफ परेश बरुआ की सजा-ए-मौत रद्द

पूर्व गृहमंत्री की भी सजा माफ, 2004 में 10 ट्रक हथियार भारत भेजने की हुई थी कोशिश

ढाका, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में एक हाई कोर्ट ने भारत में बैन आतंकी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के चीफ परेश बरुआ की मौत की सजा को घटाकर उम्रकैद में बदल दिया है। ढाका टाइम्स के मुताबिक इसी मामले में बांग्लादेश के पूर्व मंत्री लुत्फोज्जमान बाबर और पांच और लोगों को बरी कर दिया गया है, जबकि बाकी को 10 साल की सजा सुनाई गई है। ये सभी 2004 चटगांव हथियार केस में दोषी पाए गए थे। 1 अप्रैल 2004 को बांग्लादेश में हथियारों और गोला-बारूद से भरे 10 ट्रक जब्त किए गए थे। यह बांग्लादेश के इतिहास में जब्त की गई हथियारों की सबसे बड़ी खेप थी। जब्त हुए हथियारों में चीन में बनी एके-47, सेमी ऑटोमेटिक राइफल, रॉकेट लांचर, रॉकेट शेल, पिस्तौल, हैंड ग्रेनेड और भारी मात्रा में कारतूसों के अलावा विस्फोटक सामग्री थीं। इन हथियारों की तस्करी में तत्कालीन गृह राज्य मंत्री

लुत्फोज्जमां बाबर की संलिप्तता के सबूत मिले थे। उन्होंने उल्फा चीफ परेश बरुआ को कुछ समय के लिए बांग्लादेश में भी शरण दी थी।

हालांकि अभी परेश बरुआ कहां है, ये जानकारी नहीं है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि वह चीन-म्यांमार सीमा पर छिपा हुआ है। चटगांव हथियार केस मामले से भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों को काफी नुकसान पहुंचा था। तब बांग्लादेश में खालिदा जिया की सरकार थी। बीबीसी के मुताबिक तब भारत से जुड़े अधिकारियों ने दावा किया था कि भारत के दबाव में ही हथियारों को जब्त किया गया था, अगर भारत दबाव नहीं बनाता तो ये हथियार अलगाववादियों के पास पहुंच जाते। हालांकि बांग्लादेश सरकार ने इससे इनकार किया था।

साल 2009 में शेख हसीना के सत्ता में आने के बाद इस केस में तेजी आई। इसके बाद जनवरी, 2014 में चटगांव की एक अदालत ने इस घटना से जुड़े होने के आरोप में बीएनपी सरकार में उद्योग मंत्री रहे चुके जमात-ए-इस्लामी के अमीर मतीउर निजामी, गृह मंत्री लुत्फज्जमां बाबर और परेश बरुआ समेत 14 लोगों को फांसी की सजा सुनाई थी। उल्फा एक आतंकी संगठन है। साल 1979 में इसे 6 लोगों ने बनाया था। इस संगठन ने असम और पड़ोस के कई राज्यों में हिंसा की घटनाओं को अंजाम दिया।

पत्नी का रेप कराने वाले को 20 साल की सजा

फ्रांसीसी शख्स दुष्कर्म के लिए इंटरनेट से लोगों को बुलाता, नशीली दवाओं से बेहोश करता था

पेरिस, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। फ्रांस में पत्नी को नशीली दवाएं खिलाकर 10 साल तक अनजान पुरुषों से रेप करवाने वाले आरोपी पति को 20 साल की सजा सुनाई गई है। गुरुवार को दक्षिणी फ्रांस की एक कोर्ट ने सुनवाई करते हुए इस मामले में आरोपी पति के अलावा 50 अन्य आरोपियों को भी 20 साल की सजा सुनाई। 72 साल के आरोपी पति का नाम डोमिनिक पेलिकॉट है। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के मुताबिक डोमिनिक की पत्नी गिजेल पेलिकॉट के साथ दुष्कर्म के 91 मामले सामने आए थे। इनमें 72 आरोपियों की पहचान हुई थी, जिनमें से 51 को गिरफ्तार कर लिया गया था। ये सभी आरोपी इंटरनेट के जरिए डोमिनिक के संपर्क में आए थे।

51 आरोपियों में 50 को रेप का आरोपी ठहराया गया है। इसके अलावा एक आरोपी ने गिजेल से माफी मांगी थी, उसे यौन उत्पीड़न का दोषी करार दिया गया है। सुनवाई के दौरान 51 आरोपियों में से 32 जमानत पर बाहर थे। इसे लेकर गिजेल ने नाराजगी भी जताई थी। इन आरोपियों की उम्र 26 से 73 साल के बीच है। आरोपियों में फायरमैन, लॉरी ड्राइवर, नगर निगम पार्षद, बैंक कर्मी, जेल गार्ड, नर्स और पत्रकार शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक कईयों ने एक बार, तो कुछ ने 6 बार यह अपराध किया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी पेलिकॉट एक वेबसाइट के लिए जरिए पुरुषों के संपर्क में आता था और उनको बुलाता था। पत्नी को गहरी नींद में सुलाने के लिए वह खाने-पीने की चीजों में नींद की गोलियां मिला देता था। इसके बाद वह लोगों से रेप कराता था। वह वारदात की वीडियो भी बनाता था। रिपोर्ट के मुताबिक रेप की वारदात को 2011 से 2020 तक अंजाम दिया गया। महिला के वकील का कहना है कि पत्नी को इतनी अधिक बेहोशी की हालत में रखा जाता था कि उसे इस अपराध के बारे में कभी पता नहीं चल पाया। उसे इससे जुड़ी एक भी घटना याद नहीं है। वकील ने बताया कि जब पुलिस ने 2020 में एक अपराध की जांच के सिलसिले में महिला को बुलाया तब उसे इस चौंकाने वाली कहानी का पता चला। महिला ने बताया कि नशीली दवाइयों की वजह से उसके बाल झड़ने लगे थे और वजन कम हो रहा था। उसकी याददाश्त कम हो रही थी और वे बातें भी भूलने लगी थी। उसके बच्चों और दोस्तों को लगा कि महिला को अल्जाइमर है। दरअसल पुलिस ने आरोपी को सितंबर 2020 में पकड़ा था। वह एक शॉपिंग सेंटर में महिलाओं का गुप्त रूप से वीडियो बना रहा था। पुलिस ने उसके कम्प्यूटर की जांच की तो उसे उसकी पत्नी के सैकड़ों वीडियो मिले जिनमें वह बेहोश नजर आ रही थी। वीडियो में अलग-अलग लोग थे। पुलिस को कम्प्यूटर पर एक वेबसाइट पर चैट भी मिली जिसमें वह अजनबियों को अपने घर बुलाता था।

नासा ने फिर टाली एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स की वापसी

लौटने में 2 महीने और लगेंगे, 8 दिन का सफर 10 महीने में बदला

वॉशिंगटन, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को धरती पर लौटने में और ज्यादा वक्त लग सकता है। नासा ने मंगलवार को कहा कि अब अंतरिक्ष यात्रियों को कम से कम मार्च 2025 के अंत का इंतजार करना होगा। यह तारीख अप्रैल की शुरुआत तक भी बढ़ सकती है। नासा ने मुताबिक सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष से वापस लाने के लिए स्पेसएक्स को नया कैप्सूल बनाना है। इसे बनाने में स्पेसएक्स को वक्त लगेगा, जिस वजह से मिशन में देरी होगी। यह काम मार्च के अंत तक पूरा किया जा सकता है। इसके बाद ही स्पेस में फंसे एस्ट्रोनॉट्स को वापस लाया जा सकेगा।

सुनीता विलियम्स 5 जून को बुच विल्मोर के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर गई थीं। उनकी ये यात्रा सिर्फ 8 दिनों की थी लेकिन

स्पेसक्राफ्ट में खराबी आ जाने की वजह से वो धरती पर वापस नहीं आ सकीं। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेस में फंसे हुए छह महीने से ज्यादा हो चुके हैं। इसके पहले नासा ने सुनीता और बुच विल्मोर को फरवरी 2025 में इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस लाने की जानकारी दी थी।

इससे पहले नासा ने 17 दिसंबर को एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सुनीता और डॉन पेटिट की तस्वीर शेयर की थी। तस्वीर में दोनों एस्ट्रोनॉट्स क्रिसमस को लेकर उत्साहित दिख रहे थे औरने सैंटा की कैप लगाए हुए थे। नासा ने इस पोस्ट को एक और दिन, एक और स्लेज कैप्शन के साथ शेयर किया था। सुनीता और बुश विलमोर बोइंग और नासा के जॉइंट 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' पर गए थे। इसमें सुनीता, स्पेसक्राफ्ट की पायलट थीं। उनके साथ गए बुश विलमोर इस मिशन के कमांडर थे। दोनों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में 8 दिन रुकने के बाद वापस पृथ्वी पर आना था। लॉन्च के समय बोइंग डिफेंस, स्पेस एंड सिक्योरिटी के प्रेसिडेंट और सीईओ टेड कोलबर्ट ने इसे स्पेस रिसर्च के नए युग की शानदार शुरुआत बताया था। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य स्पेसक्राफ्ट की एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन तक ले जाकर वापस लाने की क्षमता साबित करना था। एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन पर 8 दिन में रिसर्च और कई एक्सपेरिमेंट भी करने थे। सुनीता और विलमोर पहले एस्ट्रोनॉट्स हैं जो एटलस-वी रॉकेट के जरिए स्पेस ट्रैवेल पर भेजे गए। इस मिशन के दौरान उन्हें स्पेसक्राफ्ट को मैन्युअली भी उड़ाना था। फ्लाइट टेस्ट से जुड़े कई तरह के ऑब्जेक्टिव भी पूरे करने थे।

स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट के लॉन्च के समय से ही उसमें कई दिक्कतें थीं। इनके चलते 5 जून से पहले भी कई बार लॉन्च फेल हुआ था। लॉन्च के बाद भी स्पेसक्राफ्ट में दिक्कतों की खबर आई। नासा ने बताया कि स्पेसक्राफ्ट के सर्विस मॉड्यूल के थ्रस्टर में एक छोटा सा हीलियम लीक है। एक स्पेसक्राफ्ट में कई थ्रस्टर होते हैं। इनकी मदद से स्पेसक्राफ्ट अपना रास्ता और स्पीड बदलता है।

इजरायल और तुर्की में संघर्ष का खतरा

आमने-सामने आए नेतन्याहू और एर्दोगन, एक्सपर्ट ने बड़े खतरे की दी चेतावनी

अंकारा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बशर अल असद की सरकार गिरने के बाद अस्थिरता से गुजर रहे सीरिया में दखल के मुद्दे पर दो उसके दो पड़ोसी तुर्की और इजरायल के बीच तनाव बढ़ गया है। दोनों देश एक-दूसरे पर सीरियाई क्षेत्रों पर कब्जा करने का आरोप लगा रहे हैं। दोनों ओर से लगातार कड़े बयान आ रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि दोनों ही देश सीरिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, इससे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ सकती है क्योंकि असद के बाद सीरिया पहले ही विद्रोही गुटों के हाथों में जा चुका है।

तुर्की ने हाल ही में इजरायल के दक्षिणी सीरिया के गोलान हाइट्स पर कब्जा करने की निंदा की है। तुर्की ने अंतरराष्ट्रीय नियमों को तोड़ने के लिए इजरायल को घेरा है। इसके जवाब में इजरायल ने

तुर्की पर आरोप लगाया है कि वह आतंकी समूहों की मदद से उत्तरी सीरिया के कुछ हिस्सों पर अवैध रूप से कब्जा कर रहा है। इजरायली विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि तुर्की के संरक्षण में कुछ गुटों ने उत्तरी सीरिया के 15 प्रतिशत क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया है। सीरिया के उत्तरी हिस्सों में साल 2016 से ही तुर्की सेना मौजूद है। तुर्की सीरियाई नेशनल आर्मी नाम के सशस्त्र समूहों के गठबंधन का समर्थन करता है। यह गठबंधन सीरिया में कुर्द बलों से लड़ रहा है। कुर्द बलों को अमेरिका का समर्थन मिल रहा है। दूसरी ओर इजरायल ने असद की सत्ता गिरने के बाद हुई उथलपुथल का फायदा उठाते हुए दक्षिणी सीरिया में घुसपैठ की है। इजरायल ने गोलान हाइट्स क्षेत्र में कब्जा किया है, जिसकी तुर्की ने कड़ी आलोचना की है। तुर्की का कहना है कि इजरायल की सीरिया में घुसपैठ क्षेत्र की स्थिरता को गंभीर रूप से कमजोर करेगी। असद के देश छोड़ने के बाद इजरायल की ओर से सीरिया में की जा रही बमबारी की भी तुर्की ने निंदा की है। सीरिया के बदलाव ने तुर्की और इजरायल के संबंधों में खटास को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। विश्लेषकों का कहना है कि इसे ना रोका गया तो क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है। अटलांटिक काउंसिल के वरिष्ठ फेलो अली बेकर ने द न्यू अरब से बातचीत में कहा है कि सीरिया में असद शासन के पतन से ईरानी प्रभाव कम हो गया है।

मुकदमा और चश्मदीद जैसे शब्द अब नहीं होंगे इस्तेमाल

राजस्थान में उर्दू की जगह हिंदी शब्द लाने का आदेश

जयपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।राजस्थान में सीएम भजनलाल शर्मा की सरकार ने एक अजीबोगरीब फरमान सुनाया है. प्रदेश में अब उर्दू शब्द की जगह हिंदी शब्द इस्तेमाल किए जाएंगे. इसको लेकर आदेश जारी किया गया है. इसके तहत राजस्थान के पुलिस महकमे में मुकदमा, चश्मदीद, इल्जाम जैसे उर्दु शब्दों का इस्तेमाल नहीं होगा. हाल ही में राजस्थान के डीजीपी यू आर साहू ने एडीजीपी को निर्देश दिया था.

उन्होंने कहा था कि ये पता लगाएं कि पुलिसिंग में उर्दू के कौन-कौन से शब्द इस्तेमाल हो रहे हैं और उनकी जगह कौन से हिंदी शब्द इस्तेमाल हो सकते हैं. उन्होंने पुलिसिंग से उर्दू शब्दों को हटाने और उसकी जगह हिंदी शब्दों के इस्तेमाल का निर्देश दिया था.

दरअसल, ऐसे कई उर्दु शब्द हैं जो आमतौर पर पुलिस महकमे में इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें मुकदमा (केस), मुल्जिम (आरोपी), मुस्तगिस (शिकायतकर्ता), इल्जाम (आरोप), इत्तिला (सूचना), जेब तराशी (जेब काटना), फर्द बरामदगी (वसूली मेमो) जैसे शब्द शामिल हैं. इन शब्दों का इस्तेमाल अब राजस्थान के पुलिस महकमे में नहीं होगा. इन उर्दु शब्दों की जगह हिंदी शब्द इस्तेमाल किए जाएंगे.

कांग्रेस ने भजनलाल सरकार पर साधा निशाना

भजनलाल सरकार के इस फरमान को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है. कांग्रेस महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने कहा कि यह एक अनुचित और गलत कदम है.

उन्होंने कहा कि ऐसे निर्देशों के बजाय राज्य सरकार को कानून व्यवस्था को सुधारने और अपराधों पर अंकुश लगाने पर ध्यान देना चाहिए.

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती जा रही है जिसकी सरकार को कोई परवाह नहीं है. लंबे समय से चलन में रहे शब्दों को बदलने के बजाय सरकार को अपराध पर नियंत्रण और कानून व्यवस्था को बहाल करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए.

नरेश मीणा की रिहाई को लेकर आंदोलन की चेतावनी पर भड़के किरोड़ी, दे डाली नसीहत

टोंक, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। देवली-उनियारा सीट पर विधानसभा उपचुनाव के दौरान एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मारने और समरावता गांव में हुए बवाल को लेकर जेल में बंद नरेश मीणा की रिहाई को लेकर समर्थकों ने आंदोलन की चेतावनी दे डाली है। इसी बीच आंदोलन को लेकर कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीना ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग पंचायत के नाम पर राजनीति कर रहे हैं।

दरअसल, कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल के नेतृत्व में नरेश मीणा के समर्थक 29 दिसंबर को बड़ा आंदोलन करने की तैयारी में जुटे हुए है। नरेश मीणा की रिहाई की मांग को लेकर होने वाली महापंचायत पर किरोड़ी लाल मीना ने कहा है कि यह तो उनसे पूछना चाहिए कि महापंचायत क्यों कर रहे हैं?

उन्होंने कहा कि उस ओर तो अब पुलिस भी नहीं जा रही है। ना ही किसी निर्दोष को पुलिस गिरफ्तार करेगी। इसके बावजूद कुछ लोग पंचायत कर राजनीति कर रहे हैं। किरोड़ी मीना ने कहा कि अपनी बात रखने का लोकतंत्र में सभी को अधिकार है। लेकिन, पंचायत के नाम पर राजनीति कर लोगों को गुमराह करना गलत है।

नरेश मीना समेत अन्य लोगों को रिहा करने की मांग को लेकर सरपंच संघ टोंक आंदोलन की चेतावनी दी है। इसके तहत २९ दिसम्बर को महापंचायत आयोजित करने का निर्णय किया है।

हालांकि अभी पंचायत की जगह तय नहीं है। सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष मुकेश मीणा ने बताया कि टोंक में महापंचायत होगी तो हाईवे जाम से लेकर कलेक्ट्रेट तक घेराव करेंगे। जयपुर में महापंचायत हुई तो सीएम आवास का भी घेराव कर सकते हैं। आंदोलन में राजस्थानए मध्यप्रदेश समेत देशभर से लोग आएंगे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर सीवरेज का गंदा पानी क्यों फेंका?

खाचरियावास ने सीएम भजनलाल पर लगाया आरोप

जयपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस ने अडानी घूसकांड एवं मणिपुर हिंसा को लेकर राजभवन की तरफ मार्च किया। इस पुलिसकर्मियों ने कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं को बैरिकेटिंग व वाटर कैनन कर रोकने का प्रयास किया। पूर्व परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने वाटर कैनन में सीवरेज का गंदा पानी फेंकने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस नेता ने राज्य की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार के इशारे पर ही पुलिस-प्रशासन ने कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए सीवरेज पानी का इस्तेमाल किया है।

खाचरियावास ने वीडियो शेयर कर लगाए आरोप

पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा सरकार ने पाप के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दुख भी है और आश्चर्य है कि राजस्थान सरकार और मुख्यमंत्री यह बताए कि शहीद स्मारक पर इकट्ठा हुए सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं पर सीवरेज का गंदा पानी क्यों फेंका गया? सीवरेज का गंदा पानी फेंकने के लिए किसने निर्देश दिए? यदि यह निर्देश सीवरेज का पानी फेंकने के मुख्यमंत्री ने दिए हैं, तो पूरे राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जहां भी जाएंगे वहां पर सब जगह उनका घेराव किया जाएगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया विरोध-प्रदर्शन

बता दें कि कांग्रेस कार्यकर्ता जयपुर के शहीद स्मारक पर केंद्र की मोदी सरकार का विरोध जताने के लिए एकजुट हुए थे। सभा के बाद जब कार्यकर्ता राजभवन कूच करने के लिए निकले, तो उन्हें बीच रास्ते में ही बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस ने रोक दिया। इसी दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच काफी देर तक धक्का-मुक्की हुई। इस बीच कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने और स्थिति नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष पूनिया बोले कांग्रेस युवा मोर्चा 21 दिसंबर को करेगा प्रदेशव्यापी आंदोलन

जयपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया ने अमर उजाला से विशेष बातचीत में बताया कि 21 दिसंबर 2024 को प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। इस आंदोलन में प्रदेश भर से युवा कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे और मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। आंदोलन का उद्देश्य नशा मुक्ति और युवाओं को रोजगार के लिए सरकार पर दबाव बनाना है।

अभिमन्यु पूनिया ने कहा कि राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में नशे की तस्करी बढ़ रही है, जिसे रोकने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अपराधियों के घरों की पहचान कर उन पर बुलडोजर चलाना चाहिए। सरकार की बुलडोजर नीति पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि वह इसका समर्थन करते हैं और सरकार द्वारा इस दिशा में कार्रवाई का स्वागत करेंगे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर पूनिया ने कहा कि यह बयान लोकसभा में दर्ज हो चुका है, जिससे पीछे नहीं हट सकते। उन्होंने गृह मंत्री से पूरे देश से माफी मांगने की मांग की और कहा कि ऐसा न होने पर कांग्रेस सड़कों पर उतरकर विरोध करेगी।

सचिन पायलट को लेकर पूनिया ने कहा कि वह कांग्रेस के बड़े नेता हैं और राहुल गांधी के बाद अगर कोई नेता जनता के बीच लोकप्रिय हैं तो वह सचिन पायलट हैं। उन्होंने कहा कि समय का चक्र पूरा हो चुका है और अब कांग्रेस में सचिन पायलट के नेतृत्व का दौर वापस आ चुका है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का बड़ा फैसला

9 जिलों के स्कूलों में होगा स्थानीय भाषा में बाल वाटिकाओं में शिक्षण कार्य

जयपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रदेश में लागू होने के बाद अब अगले सत्र से प्रदेश के नौ जिलों में स्थानीय भाषा में बाल वाटिकाओं में शिक्षण कार्य प्रारंभ हो जाएगा।

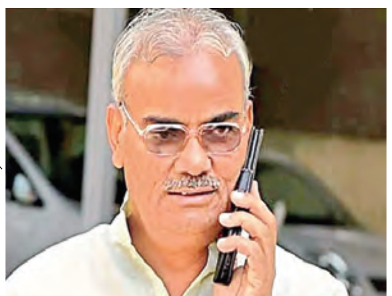

उन्होंने कहा कि राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने पाठ्यक्रम तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दो जिलों सिरोही और डूंगरपुर में पायलट कार्यक्रम के रूप में बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। अगले सत्र से इसे नौ जिलों में चलाया जाएगा। साथ ही सत्र 2026 से ये कार्यक्रम प्रदेश के 25 जिलों में संचालित किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने स्थानीय भाषा के उपयोग एवं उसके माध्यम से बच्चे को सिखाने के तरीके पर विशेष ध्यान आकर्षण करते हुए कहा कि बच्चे जब अपने परिवेश में कोई भाषा सीखते हैं तो उनके सीखने का समय और समझ बहुत ही जल्दी विकसित होती है। राजस्थान में कई तरह की बोलियां बोली जाती है और शिक्षक और बच्चों की भाषा अलग-अलग होने के कारण बच्चों को स्कूल की भाषा सीखने में थोड़ी परेशानी होती है।

मंत्री ने कहा कि पाठ्यक्रम और शुरुआती वर्षों में शिक्षण कार्य स्थानीय भाषा में ही होना चाहिए, जिससे कि बच्चे आसानी से स्कूल की भाषा को सीख पाए। कार्यक्रम में राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अविचल चतुर्वेदी, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की निदेशक श्वेता फागेडीया तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कांग्रेस के धरने पर भाजपा नेताओं का पलटवार

पटेल बोले- देशहित के बड़े फैसलों से हो रही परेशानी

जयपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रदेश कांग्रेस के जयपुर में आयोजित धरने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। जोगाराम पटेल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता के हितों के खिलाफ काम करती आई है और भाजपा पर निराधार आरोप लगाती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 70 वर्षों तक एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को गुमराह किया और उनके अधिकारों का हनन किया और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए देशहित के बड़े फैसलों से कांग्रेस को परेशानी हो रही है।

पटेल ने कांग्रेस के पूर्व शासन पर भ्रष्टाचार और अपराधों का गढ़ होने का आरोप लगाते हुए कहा कि फोन टैपिंग, पेपर लीक और बड़े घूसकांड जैसी घटनाओं ने राजस्थान को बदनाम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने राज्य को महिला अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे घोटालों के दलदल में धकेला।

पटेल ने जयपुर में आयोजित राइजिंग राजस्थान समिट का जिक्र करते हुए कहा कि इस समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं, जो राज्य में रोजगार के लाखों अवसर पैदा करेंगे। भजनलाल सरकार ने निवेश नीतियों में बदलाव कर उन्हें निवेशकों के लिए सरल बनाया है। कांग्रेस को यह स्वीकार नहीं हो रहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। पटेल ने कांग्रेस के धरने को ढोंग बताते हुए कहा कि यह राजनीतिक विरोध का नाटक था। धरना स्थल पर कांग्रेस नेताओं की आपसी छींटाकशी और जूते, सैंडल और देशी शराब की चर्चाएं उनकी मानसिकता को उजागर करती हैं।

दिलावर बोले- जनता को गुमराह करने का प्रयास

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि भाजपा ने एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने कांग्रेस पर वंचित समुदायों का शोषण करने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब अंबेडकर के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों का निर्माण करवाकर उनके योगदान को सम्मान दिया। दिलावर ने कहा कि कांग्रेस का यह धरना केवल अपनी विफलताओं को छिपाने और जनता को गुमराह करने का प्रयास था। भाजपा ने बाबा साहेब के सपनों को साकार करने के लिए अभूतपूर्व काम किया है। भाजपा मंत्रियों ने कांग्रेस के धरने को फ्लॉप शो करार देते हुए इसे जनता को गुमराह करने की कवायद बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

पंचायत का बड़ा फैसला

गांव में पी शराब तो लगेगा 11 हजार का जुर्माना, बताने वाले को मिलेगा इनाम

भरतपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। कामां थाना क्षेत्र के गांव हजारीवास में ऑनलाइन साइबर ठगी, गोकशी व गोतस्करी सहित शराब के सेवन करने जैसी बुराइयों की रोकथाम के लिए ग्रामीणों की पंचायत का आयोजन किया गया। ग्रामीणों की सूचना पर पंचायत में कामा थाना के एसआई अंतुलाल भी पहुंचे।

पंचायत में एक कमेटी का गठन किया गया। कमेटी की ओर से निर्णय लिया गया कि जो भी गांव में ऑनलाइन साइबर ठगी, गोकशी, गोतस्करी जैसा अपराध कोई करता मिलता है तो उस पर कमेटी की ओर से 51 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही जो ऑनलाइन साइबर ठगी की कमेटी को साइबर ठगी करने वालों की सूचना देगा उसके लिए 11 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा।

वहीं शराब जैसी बुराई को रोकने को लेकर भी निर्णय लिया गया कि अगर कोई व्यक्ति गांव में शराब पीता हुआ मिला उस पर 11 हजार रुपए का जुर्माना लगेगा और बताने वाले को 5100 रुपए इनाम में दिए जाएंगे। कामां थाने के एसआई अन्तूलाल ने पंचायत में मौजूद ग्रामीणों से कहा कि जो भी ऑनलाइन, गोकशी, गोतस्करी सहित अन्य वारदातों में लिप्त है। उसको किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा और जो निर्दोष हैं उनको छोड़ दिया जाए। वहीं अगर कोई निर्दोष व्यक्ति पुलिस की चपेट में आ जाता है तो कमेटी की ओर से निर्णय कर पुलिस के पास जाकर उसकी सफाई पेश करे।

कोचिंग छात्राओं से करता था छेड़छाड़

अब पुलिस ने किया ऐसा इलाज कि भूल जाएगा आवारगी

भीलवाड़ा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में कोचिंग छात्राओं से छेड़छाड़ करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया। मोहम्मद याकूब नामक युवक आए दिन छात्राओं को परेशान करता था। छात्राओं की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। युवक को हाथ जोड़कर माफी मांगनी पड़ी। पुलिस ने शहर में उसका जुलूस भी निकाला। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। भीलवाड़ाः राजस्थान के भीलवाड़ा में एक मनचले को पुलिस ने सबक सिखाया है। यह युवक कोचिंग जाने वाली छात्राओं से छेड़छाड़ करता था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर शहर में जुलूस निकाला और माफी मंगवाई। यह घटना भीलवाड़ा शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र की है। युवक आए दिन छात्राओं पर अभद्र टिप्पणी करता था। छात्राओं की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की।

कोचिंग सेंटरों के आसपास करता था छेड़छाड़

भीलवाड़ा के कोचिंग सेंटरों के आसपास एक युवक घूमता रहता था। वह छात्राओं से छेड़छाड़ और अभद्र टिप्पणी करता था। छात्राएं इससे बहुत परेशान थीं। उन्होंने अपने परिवार वालों को इस बारे में बताया। एक छात्रा के परिजनों ने कोतवाली पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ने का प्लान बनाया।

सीसीटीवी ने खोली युवक की पोल, फिर हुई परेड

पुलिस ने आरोपी युवक मोहम्मद याकूब, पुत्र मोहम्मद शेख को गिरफ्तार किया। यह युवक गुलमंडी इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश करने से पहले शहर में घुमाया। इस दौरान युवक को हाथ जोड़कर माफी मांगनी पड़ी। यह जुलूस शहर के कई इलाकों से गुजरा। लोगों ने इस कार्रवाई की सराहना की।पुलिस के अनुसार, आरोपी युवक ने एक महीने पहले भी ऐसी ही हरकत की थी। उस समय भी छात्राओं ने शिकायत की थी। इस बार उसकी हरकतें सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गईं। इससे पुलिस को सबूत मिल गया। कोतवाल राजपाल सिंह ने बताया कि इस तरह की हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। पुलिस छात्राओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

महिलाओं के वेश में शातिर अपराधी

पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

जयपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। महिलाओं के वेश में दो पुरुषों द्वारा वाहन चालकों को निशाना बनाने का मामला सामने आया है। करणी विहार पुलिस ने इन दोनों को गिरफ्तार किया है, जो महिलाओं का रूप धारण कर वाहन चालकों को जाल में फंसाते और फिर उनसे मोटी रकम वसूलते थे। पुलिस की छानबीन में एक वाहन चालक से लूटी गई 40 हजार रुपए की नगदी बरामद की गई है।

पुलिस का मानना है कि इस गैंग में और भी पुरुष शामिल हो सकते हैं, जो महिलाओं के वेश में इस तरह की लूटपाट कर रहे हैं। इनका तरीका इतना सफाई से तैयार किया गया था कि कोई भी आसानी से धोखा खा सकता था।

जयपुर पुलिस ने इस गैंग से सावधान रहने की अपील करते हुए आमजन को जागरूक किया है और मामले की जांच में तेजी लाने की बात कही है। पुलिस ने ऐसे अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पतंग के पीछे भागते समय विस्फोट

दो बच्चे गंभीर रूप से झुलसे अस्पताल में चल रहा इलाज

अलवर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर जिले के चोपानकी थाना क्षेत्र के टपूकड़ा इलाके में पतंग उड़ा रहे दो बच्चे खेत में हुए विस्फोट से गंभीर रूप से झुलस गए।

घटना में घायल बच्चों की पहचान बिहार के मुजफ्फरनगर निवासी राजकुमार दास के 10 वर्षीय बेटे रोशन और उत्तर प्रदेश के चित्रकूट निवासी विक्रम के 10 वर्षीय बेटे दीपक के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, पतंग कट जाने के बाद दोनों बच्चे उसे पकड़ने के लिए दौड़े। इस दौरान खेत में किसी अज्ञात विस्फोटक पदार्थ पर पैर पड़ने से धमाका हो गया।

विस्फोट इतना जबरदस्त था कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत टपूकड़ा अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर अलवर के सामान्य चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।

घटना के बाद बच्चों ने बताया कि विस्फोट के दौरान अचानक अंधेरा छा गया और उन्हें सुनाई देना बंद हो गया

वर्तमान में दोनों बच्चों के कानों में अजीब सी आवाजें आ रही हैं, और उन्हें देखने में भी दिक्कत हो रही है। रोशन के परिवार की स्थिति बेहद कठिन है। उसके पिता का पहले ही निधन हो चुका है, और उसकी मां मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करती हैं।

विस्फोटक पदार्थ खेत में कैसे पहुंचा और वहां और कितने ऐसे खतरनाक पदार्थ हो सकते हैं, यह जांच का विषय है।

पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और इलाके की छानबीन की जा रही है ताकि ऐसे किसी अन्य विस्फोटक की पहचान हो सके। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने भी मांग की है कि इस मामले की गंभीरता से जांच कर आवश्यक कदम उठाए जाएं।

अजमेर दरगाह मामले में सुनवाई आज

अजमेर19 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर दरगाह को लेकर लगाई गई याचिका पर आज शुक्रवार को सिविल कोर्ट में सुनवाई होगी। इस दौरान कोर्ट में तीन पक्षकार अल्पसंख्यक मंत्रालय, दरगाह कमेटी और एएसआई कोर्ट में अपना पक्ष रखेंगे। इन तीनों को कोर्ट की ओर से नोटिस भेजा गया था। दरअसल, हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दरगाह में अजमेर दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा किया था। गुप्ता ने रिटायर्ड जज हरबिलास सारदा की 1911 में लिखी किताब 'अजमेरः हिस्टॉरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव का हवाला देते हुए कोर्ट में याचिका दायर की थी। हिंदू सेना के तीन वकीलों में से एक, वकील योगेश सुरोलिया ने कहा कि कानूनी टीम ने अदालत को पूर्व न्यायिक अधिकारी और शिक्षाविद हरबिलास शारदा की 1911 की पुस्तक अजमेरः हिस्टोरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव की एक प्रति सौंपी, जिसमें पहले से मौजूद अवशेषों का उल्लेख है। इस स्थान पर स्थित शिव मंदिर का उपयोग दरगाह के निर्माण में किया गया था।

सिलाई मशीन योजना की व्यापक आलोचना

> 10,490 मशीनें वितरित करने की योजना > 6.64 करोड़ रुपये है कुल लागत
> लगभग 7,830 रुपये है प्रत्येक मशीन की कीमत

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को सिलाई मशीन मुहैया कराने के लिए हाल ही में शुरू की गई योजना की कार्यकर्ताओं द्वारा व्यापक आलोचना की जा रही है। इस पहल से परिचित कार्यकर्ताओं का तर्क है कि कठोर प्रक्रियाओं और बाधाओं की वजह से महिलाओं के लिए सामाजिक लाभ प्राप्त करना मुश्किल हो गया है।

तेलंगाना अल्पसंख्यक वित्त निगम (टीजीएमएफसी) ने आधिकारिक तौर पर 'इंदिरम्मा महिला शक्ति' योजना शुरू की, जिसका उद्देश्य महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान करना है। टीजीएमएफसी ने तेलंगाना भर में अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को 10,490 मशीनें वितरित करने की योजना बनाई है, जिसकी कुल लागत 6.64 करोड़ रुपये है और प्रत्येक मशीन की कीमत लगभग 7,830 रुपये है। लाभ पाने के लिए

महिला आवेदकों को नौकरशाही की कई बाधाओं को पार करना होगा। उन्हें ऑनलाइन आवेदन से लेकर राशन कार्ड या खाद्य सुरक्षा कार्ड, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, पिछले पांच वर्षों के दौरान टीजीएमएफसी से वित्तीय सहायता न लेने के लिए आवेदक की स्व-घोषणा जैसे आवश्यक दस्तावेजों के साथ बड़ी संख्या में दस्तावेज जमा करने होंगे। सामाजिक कार्यकर्ता एसक्यू मसूद कहते हैं कि सभी लोगों के पास राशन कार्ड या खाद्य सुरक्षा कार्ड नहीं है। ऐसी स्थिति में उन्हें आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करना पड़ता है और दलालों को 400 से 500 रुपये तक देने पड़ते हैं। इसके बजाय, टीजीएमएफसी को आवेदक से वित्तीय बोझ कम करने के लिए वचन लेना चाहिए। कार्यकर्ताओं का तर्क है कि एक आवेदक को आवेदन जमा करने के लिए 800 से 1000 रुपये तक खर्च करना पड़ेगा, जिसमें ऑनलाइन फाइलिंग और स्थानीय जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में हार्डकॉपी जमा करना शामिल है। पुराने शहर के सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद अकरम ने तर्क दिया कि लोगों से मशीन की लागत का लगभग 15 प्रतिशत खर्च करवाना कुछ हद तक अतार्किक है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का तर्क है कि जब पहले वित्तीय सहायता योजनाओं की घोषणा की गई थी, तो आवेदनों की संख्या अधिकारियों द्वारा मदद करने की योजना से दस गुना अधिक थी।

शाहीननगर के एक सामाजिक कार्यकर्ता करीम अंसारी कहते हैं कि सिलाई मशीन योजना के लिए करीब 80,000 से 1 लाख आवेदन प्राप्त होंगे। सभी को यह नहीं मिलेगा क्योंकि निगम बेसहारा, तलाकशुदा, विधवाओं, अनाथों और अकेली महिलाओं को प्राथमिकता देने की योजना बना रहा है। एक महिला कार्यकर्ता ने कहा कि ऐसी योजनाओं से कोई फायदा नहीं होगा और यह सिर्फ एक राजनीतिक स्टंट बनकर रह जाएगा। उन्होंने सुझाव दिया कि इसके बजाय महिलाओं के लिए एक नई योजना बनाई जानी चाहिए ताकि उन्हें स्वरोजगार मिल सके।

दुर्घटना में डंपर ऑपरेटर की मौत

कोत्तागुडेम, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मनुगुर स्थित एससीसीएल की खुली खदान-2 में कार्यरत एक डम्पर ऑपरेटर की गुरुवार को खदान में हुई दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक मूलचंद 60 वर्ष, जिनकी सेवानिवृत्ति सात महीने में होने वाली थी, की मृत्यु उस समय हो गई जब वे 100 टन का डम्पर चला रहे थे, जो पहली पाली में खदान के डम्पिंग यार्ड में ओवरबर्डन उतारते समय पलट गया।

बताया जाता है कि जब ऑपरेटर को लगा कि डंपर पलटने वाला है तो वह गाड़ी से कूद गया और उसका सिर एक पत्थर से टकराया जिससे बहुत ज़्यादा खून बहने के बाद उसकी तुरंत मौत हो गई। उसे हाल ही में कोत्तागुडेम इलाके से मनुगुर इलाके में स्थानांतरित किया गया था। गाड़ी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई थी। एससीसीएल के अधिकारी खदान पर पहुंचे, घटना की जांच शुरू की और शव को मनुगुर एससीसीएल क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया।

हरीश राव ने संपत्ति की बिक्री पर कांग्रेस सरकार के दावों को किया उजागर

गच्चीबावली में बेची गई लगभग 400 एकड़ जमीन

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार के इस दावे को उजागर करते हुए कि सरकारी संपत्तियां नहीं बेची जा रही हैं। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि सरकार ने गच्चीबावली में लगभग 400 एकड़ जमीन बेची है, जिसकी कीमत लगभग 30,000 करोड़ रुपये है। इस साल 26 जून को जारी किए गए सरकारी आदेश संख्या 54 की प्रति दिखाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने आईटी और मिश्रित उपयोग के विकास के उद्देश्य से तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम के पक्ष में सेरिलिंगमपल्ली के गच्चीबावली गांव में स्थित सर्वेक्षण संख्या 25 में 400 एकड़ तक की सरकारी जमीन को अलग कर दिया था। उन्होंने बताया कि यह 75 करोड़ रुपये प्रति एकड़ के बाजार मूल्य पर किया गया था।

इन जमीनों को गिरवी रखकर टीजीआईआईसी पिछले तीन महीनों से 20,000 करोड़ रुपये का लोन लेने के लिए बैंकों से संपर्क कर रहा था। उन्होंने जोर देकर कहा कि इससे उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के उन दावों की पोल खुल जाती है कि सरकारी जमीन नहीं बेची गई। हालांकि, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि यह एक निराधार आरोप है। यह राजस्व क्षेत्र से टीजीआईआईसी को भूमि का हस्तांतरण मात्र था। उन्होंने कहा कि उल्लिखित लागत केवल टीजीआईआईसी से राजस्व विभाग को भविष्य में मूल्य का एहसास कराने के लिए थी, उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री का बयान सच्चाई से कोसों दूर है।

गुरुकुल का स्थान बदलने की मांग

> छात्रों के अभिभावकों ने किया विरोध प्रदर्शन

जगतियाल, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुकुल में पढ़ने वाले छात्रों के माता-पिता स्कूल में लगातार सांपों के काटने की घटनाओं के बाद सड़कों पर उतर आए हैं, जिनमें से कई मारुतिनगर के पास निजामाबाद-जगतियाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरना दे रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि स्कूल को मौजूदा परिसर से स्थानांतरित किया जाए और उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए जिनकी लापरवाही के कारण यह दुर्घटना हुई, जिसमें पिछले 24 घंटों में दो बच्चों को सांपों के काटने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच, अधिकारियों ने कहा है कि छात्रों को 'जहरीले कीड़ों' ने काटा था और उन्होंने सांप के काटने की बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। कक्षा 8 के दो छात्र ओमकार अखिल और यशवंत को बुधवार और गुरुवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अखिल बुधवार सुबह बीमार पड़ गया, जबकि यशवंत को गुरुवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों का इलाज कोरुतला के एक निजी अस्पताल में

चल रहा है। घटनाओं के बाद, बड़ी संख्या में अभिभावक गुरुकुल में एकत्र हुए और लगातार हो रही घटनाओं को लेकर अधिकारियों से पूछताछ की।

बाद में, वे निजामाबाद-जगतियाल राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर बढ़ गए, जहां वे मारुतिनगर के पास धरना दे रहे थे, जब तक कि अंतिम रिपोर्ट नहीं मिली। अभिभावकों ने कहा कि हालांकि कुछ महीने पहले स्कूल में दो छात्रों की मौत हो गई थी, जिनमें से एक की मौत कथित तौर पर सांप के काटने से हुई थी, लेकिन स्कूल प्रशासन ने अपना रवैया नहीं बदला और छात्रों की सुरक्षा के लिए कोई एहतियात नहीं बरता। उन्होंने कहा कि स्कूल स्टाफ की लापरवाही के कारण स्कूल में अक्सर ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, इसलिए उन्होंने अधिकारियों से स्कूल को किसी दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग की। इस बीच, लगातार दो बार सांप काटने की घटनाओं के बाद, जिला कलेक्टर बी सत्य प्रसाद ने स्कूल की प्रिंसिपल माधवीलता को लापरवाही के आरोप में और अखिल की घटना पर ठीक से प्रतिक्रिया न देने के आरोप में निलंबित कर दिया। मेटपल्ली आरडीओ द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट के आधार पर, कलेक्टर ने प्रिंसिपल को निलंबित करने के आदेश जारी किए। 108 सेवा एम्बुलेंस को बुलाकर लड़के को तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय, उसने उसके माता-पिता को सूचित किया और उन्हें अपने बच्चे को अपने साथ ले जाने के लिए कहा, जिसके कारण लड़के को अस्पताल में भर्ती होने में देरी हुई।

गुरुवार को यशवंत के भी अस्पताल में भर्ती होने के बाद कलेक्टर ने कोरुतला स्थित श्री साईं न्यू लाइफ अस्पताल का दौरा किया, जहां दोनों छात्रों का इलाज चल रहा था। कलेक्टर ने बताया कि छात्र जहरीले कीड़ों के काटने से बीमार पड़ गए थे। उन्होंने बताया कि छात्रों की हालत स्थिर है। बाद में उन्होंने स्कूल का दौरा किया और स्कूल के कर्मचारियों को इलाके में झाड़ियां हटाने के निर्देश दिए और स्कूल प्रशासन को सांप पकड़ने वालों को लगाने के निर्देश दिए। इसके बाद स्कूल प्रशासन ने एक सपेरे को बुलाया। हालांकि, वह शाम तक कोई सांप नहीं पकड़ सका।

मेगा जॉब मेला कल

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 21 दिसंबर को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक खाजा मेंशन, मसाब टैंक, हैदराबाद में एक मेगा जॉब मेला आयोजित किया जा रहा है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक मन्नन खान इंजीनियर ने कहा कि इस जॉब मेले में कई कंपनियां भाग लेंगी और फार्मा, स्वास्थ्य, आईटी और आईटीईएस फर्मों, शिक्षा, बैंकों और अन्य क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर नौकरियों की पेशकश करेंगी। कुछ कंपनियों द्वारा घर से काम करने का विकल्प भी दिया जाएगा।

बीआरएस सरकार ने कर्ज को छिपाकर लोगों को धोखा दिया : भट्टी

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा है कि पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार ने अपने एक दशक के कार्यकाल में लिए गए कर्ज को छिपाकर लोगों को गुमराह किया। गुरुवार को विधानसभा में कर्ज और उनके पुनर्भुगतान पर संक्षिप्त चर्चा के दौरान भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि जब तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने कार्यभार संभाला था, तब कुल कर्ज 6.71 लाख करोड़ रुपये था और विधानसभा में राज्य की आर्थिक स्थिति का विवरण देने वाला एक श्वेत पत्र पेश किया गया था। उन्होंने संकेत दिया कि बीआरएस सरकार ने 40,150 करोड़ रुपये के लंबित बिल छोड़ दिए हैं, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की अर्थव्यवस्था में काफी व्यवधान आया है। बीआरएस नेताओं के आरोपों के जवाब में कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने कार्यभार संभालने के बाद से एक लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया है, उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने केवल 1.5 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया है। कुल 40,000 करोड़ रुपये के लंबित बिलों में से 12,000 करोड़ रुपये के बिल पहले ही चुकाए जा चुके हैं। यहां तक कि ठेकेदारों को भी, जो दस साल से छात्रावासों और गुरुकुलों में भोजन की आपूर्ति कर रहे हैं, बिल नहीं दिए गए हैं। हमने उन बिलों का भुगतान कर दिया है और छात्रों के लिए मेस और कॉस्मेटिक शुल्क बढ़ा दिया है।

के.बी.आर. पार्क में स्थित गणेश मंदिर में पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, पूजा, संध्या रानी अग्रवाल, विजया, अशोक लखोटिया, गोपाल बलदवा, बाबुलाल केडिया, शंकर लाल अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, पी.सी. जैन, भोज रेड्डी, गोबिंद दस, विट्ठल दास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, अशोक अग्रवाल, रुंगटा, खट्टर, आदिनारायण, डॉ. राधा कृष्ण आदि।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in
निविदा सूचना सं. सीआरएस-इ-25-24-25
PUB/1260/24
कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, डिप्युटी सीएमइ/सीआरइ/टीपीटीवाय द्वारा निम्न विवरित तत्संबंधित निविदा सं. तथा बंद तिथि के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलिदाताओं द्वारा अपने मूल/संशोधित बोलियों को केवल बंद तिथि एवं समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं एवं किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स प्राप्त होने पर उसे नंजरअंदाज किया जायेगा।
क्रम सं. 01, कार्य विवरणः टेंडर नोटिस नं. सीआरएस-इ-25-24-25, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति पर, 24 महिनों की अवधि के लिए, आयसीएफ नान-एसी कोचेस में इलेक्ट्रिकल वायरिंग का प्रावधान। अनुमानित मूल्यः रु.1,22,76,279.00 बोली सुरक्षा राशिः रु.2,11,400.00 पूरा करने की अवधिः24 महिने, बंद करने की तिथिः 07.01.2025 के 11.00 बजे
वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in
तत्संबंधित निविदा विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः सहायक विभागीय बिजली अभियंता का कार्यालय, कैरेज रिपेयर वर्कशाप, तिरुपति।
अतिरिक्त निविदा शर्तों/जानकारी(निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुद्धिपत्रों के लिए कृपया हमारा वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें।
सहायक विभागीय बिजली अभियंता/सीआरएस/तिरुपति
खुली ई-निविदा सूचना सं.एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/18/2024-25 दि.18-12.2024 एण्ड एन/ इ.29/ टीआरडी/टेंडर/19/2024-25, दि.18-12-2024
PUB/1261/24
अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित हैं।
क्रम सं. 01,कार्य विवरणःएन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/18/2024-25, पूर्णा जंक्शन पर, पूर्णा-अकोला लाइन से मनमाड-सिकंदराबाद लाइन को जोडने या कनेक्ट करने हेतु मौजूदा स्काडा(एससीएडीए) के प्रति बाय पास लाइन में बदलाव या माडिफिकेशन एवं नई एसएसपी के प्रावधान सहित 25 केवी एसी ओएचइ की डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण व स्थापना या कमीशनींग कार्य। पूरा करने की अवधिः 1 वर्ष, अनुमानित मूल्यः रु. 3,11,87,811.36, बोली सुरक्षा राशिः रु.3,05,900.00
क्रम सं. 02, निविदा सं. एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/19/2024-25, कार्य विवरणः एनएसएल-टीआर स्टेशन के बीच मानवयुक्त एलसी नं. 11@किमी30/1-2 एवं एलसी नं.13@किमी32/0-1 के स्थान पर आरयुबी निर्माण का प्रावधान। पूरा करने की अवधिः06 महिने, अनुमानित मूल्यः रु.16,13,638.00, बोली सुरक्षा राशिः रु.32,280.00
बंद करने की तिथिः 15.01.2025 के 15.00 बजे
वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआर/नांदेड
ई-टेंडर नोटिस नं..27-2024 दि.19-12-2024
PUB/1262/24
कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/कोआर्डिनेशन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित बंद तिथि व समय 16.01.2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।
क्रम सं.-01, इनजीजी-जीटीएल-को-आर्ड-1748, कार्य विवरणः क्षेत्रीय खंड कार्य अनुबंध या झोनल पीस वर्क कान्ट्राक्ट-एडइएन/एसडब्ल्यू/जीटीएल सब- डिवीजन के तहत एसएसइ/कार्य/वाटर वर्क्स/गुंटकल के अंतर्गत 01-07-2024 से 30-06-2025 की अवधि के लिए तत्संबंधित झोन में कार्य को पूर्ण करना-पानी या वाटरिंग व्यवस्था(गुंटकल से नक्कनादोड्डी) गुंटकल(पश्चिम) के समीप सम्मर स्टोरेज टैंक से तत्संबंधित कार्य।
क्रम सं. 02, टेंडर नं.इनजीजी-जीटीएल-को-आर्ड-1749, कार्य विवरणः रेणीगुंटा (आरयु)-गुडुर(जीडीआर) सेक्शन के राचगुन्नेरी(आरसीजी) पर कामन लूप एवं शन्टिंग नेक के लिए जीटीएल डिविजन क्रासओवर्स व्यवस्था। विज्ञापित मूल्यः रु.7,57,38,678.19,पूर्व धरोहर राशिः रु.5,28,700.00
किसी भी शुद्धिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।
विभागीय रेल प्रबंधक/(कार्य)/गुंटकल
A1612
अतिरिक्त निविदा शर्तों विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए, कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

हाइड्रा अधिकारियों ने मणिकोंडा में दुकानों के शटर गिराए

तोड़फोड़ को रोकने की कोशिश

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद में हाइड्रा अधिकारियों ने एक बार फिर अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को मणिकोंडा के पास अलकापुरी टाउनशिप में तोड़फोड़ की गई। अधिकारियों ने सुबह रागा अपार्टमेंट से कुछ दुकानों के शटर हटा दिए। हाइड्रा अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों की शिकायत के आधार पर कार्रवाई की कि नियम विरूद्ध शटर लगाकर दुकानें चलाई जा रही हैं। इससे पहले इलाके में थोड़ा तनाव था। रागा अपार्टमेंट के निवासियों ने हाइड्रा द्वारा की जा रही तोड़फोड़ को रोकने की कोशिश की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में किया। इस बीच, पिछले महीने की 27 तारीख को मणिकोंडा नगर निगम के अधिकारियों ने अपार्टमेंट प्रबंधन को नोटिस जारी किया। उन्होंने सात दिनों के भीतर शटर हटाने का आदेश दिया। नोटिस का जवाब नहीं देने पर गुरुवार को तोड़फोड़ की गई।

सातवीं कक्षा के छात्र को ट्रक ने कुचला

खम्मम, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के व्यारा में बुधवार को व्यारा गुरुकुल में पढ़ने वाले सातवीं कक्षा के एक छात्र की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। यह घटना उस समय घटी जब छात्रा चौधरी हर्षा श्री 13 वर्ष जिले के रघुनाथपालम मंडल के कोयाचेलाका स्थित अपने घर पर एक धार्मिक समारोह में भाग लेने के बाद स्कूल लौट रही थी, क्योंकि उसके पिता वीरा बाबू ने अयप्पा दीक्षा ली थी। छात्रा के चाचा श्रीकांत जब उसे मोटरसाइकिल पर स्कूल ले जा रहे थे, तो वाहन ने गलती से ट्रक को टक्कर मार दी और लड़की ट्रक के पिछले टायर के नीचे आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय एसआई वामसीकृष्ण भाग्यराज ने घटनास्थल का दौरा किया और घटना के संबंध में मामला दर्ज किया।

कविता ने की केटीआर के खिलाफ मामले की निंदा

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने फॉर्मूला-ई मामले में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव को गिरफ्तार करने के प्रयास के लिए कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, जो विधानसभा में बहस करने का साहस नहीं जुटा सके, झूठे और तुच्छ मामलों के जरिए रामाराव को डराने की कोशिश कर रहे हैं।

रामाराव की संभावित गिरफ्तारी की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए कविता ने कहा कि तेलंगाना के लोग कांग्रेस पार्टी के इस नाटक को करीब से देख रहे हैं, जो बीआरएस और इसके सुप्रीमो के. चंद्रशेखर राव को निशाना बनाने के लिए कानूनी हथकंडे अपनाने को आतुर है, क्योंकि वह राजनीतिक रूप से विपक्ष का सामना नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर सीधे निशाना साधते हुए उन्होंने उन्हें सलाह दी कि वे याद रखें कि बीआरएस नेता चंद्रशेखर राव के सिपाही थे और तेलंगाना राज्य आंदोलन के संघर्ष से ही पैदा हुए थे। उन्होंने कहा कि आपकी तुच्छ रणनीति हमें डरा नहीं पाएगी, वे केवल हमारे संकल्प को मजबूत करेंगी। हम लड़ेंगे और तेलंगाना की भावना जीतेगी।

राज्यपाल मेदक में आवासीय विद्यालय के छात्रों से करेंगे बातचीत

मेदक, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में आवासीय संस्थानों में हो रही कई अप्रिय घटनाओं के मद्देनजर राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने 22 दिसंबर को समाज कल्याण आवासीय विद्यालय, कुलचारम की छात्राओं के साथ एक संवाद सत्र आयोजित करने का निर्णय लिया है। राज्यपाल रविवार को मेदक का दौरा करेंगे और मेदक कैथेड्रल में प्रार्थना करने के बाद आवासीय विद्यालय के छात्रों से बातचीत करेंगे। कलेक्टर राहुल राज ने गुरुवार को राज्यपाल के दौरे की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए कैथेड्रल और आवासीय विद्यालय का दौरा किया।

महिला ने जहर खाकर दी जान

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला ने गुरुवार को वनस्थलीपुरम में अपने घर के पास खड़ी अपनी कार में अज्ञात जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। वनस्थलीपुरम के राजश्री एन्क्लेव कॉलोनी की रहने वाली पीड़िता ए उमाश्री (52) पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थीं और उनका इलाज चल रहा था। हालांकि, उनकी स्वास्थ्य स्थिति में सुधार नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि इससे परेशान होकर उमाश्री ने यह कदम उठाने का फैसला किया।

पीड़िता के भाई ने उसे बेहोशी की हालत में पड़ा देखा और तुरंत उसे नजदीकी अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना के आधार पर वनस्थलीपुरम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अमित शाह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक सभा मीडिया पॉइंट पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि अंबेडकर का अपमान करने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए। कांग्रेसी विधायकों ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर अंबेडकर प्रतिमा के पास धरना दिया।

इसी क्रम में मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि अमित शाह के खिलाफ पूरे राज्य में एससी एसटी का मामला दर्ज होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीआरएस को तेलंगाना के लोगों को बताना चाहिए कि आपने राज्यसभा में अपने सांसदों को क्या निर्देश दिया था। अगर बीजेपी भारतीय संविधान निर्माता अंबेडकर का अपमान करती है तो भाई चुप क्यों हैं? ऐसा क्यों नहीं कहा जा रहा कि सदन में विपक्षी दल के तौर पर अमित शाह पर महाभियोग चलाकर उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया जाए। डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर पर बोलने वाले अमित शाह के खिलाफ तेलंगाना भर के दलित समुदाय पुलिस स्टेशनों में शिकायत करेंगे। उन्होंने कहा कि अम्बेडकर का एक तरह से अपमान यह कहकर किया गया कि भगवान की पूजा करने से मोक्ष मिलेगा, यह जाति का अपमान करने जैसा है। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, बंडी संजय मानसमृत वादियों को बताना चाहिए कि अंबेडकर पर बीजेपी का क्या रुख है। बीआरएस पार्टी को अमित शाह की टिप्पणियों का जवाब देना चाहिए।

लोक गायक मोगिलैया का निधन

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोकप्रिय फिल्म बालागम के गायक बालागम मोगिलैया का निधन हो गया। वे कुछ समय से बीमार थे और गुरुवार तड़के वारंगल के संरक्षा अस्पताल में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। बालागम फिल्म के ग्रामीण थीम वाले गीतों से मोगिलैया ने सभी को प्रभावित किया। मोगिलैया का पैतृक गांव वारंगल जिले में डुग्गोंडी है। पिछले दिनों मीडिया में मोगिलैया की बीमारी की खबरें आई थीं।

राज्य सरकार ने इस पर प्रतिक्रिया दी और उनका इलाज कराया। किडनी फेल होने के कारण वे हर दिन डायलिसिस करवा रहे थे। मोगिलैया की मौत ने टॉलीवुड में शोक की लहर पैदा कर दी है। मोगिलैया के निधन पर कई लोगों ने शोक जताया है। तेलंगाना के ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी हास्य कलाकार वेणु द्वारा निर्देशित बालागम सुपरहिट रही। बिना किसी उम्मीद के आई इस फिल्म ने इंडस्ट्री को हिलाकर रख दिया। बालागम ने वेणु द्वारा वर्तमान व्यस्त जीवन में भूले जा रहे मानवीय रिश्तों का अद्भुत चित्रण कर सभी को प्रभावित किया है। गरीबों से ताल्लुक रखने वाले मोगिलिया को पिछली बीआरएस और वर्तमान कांग्रेस सरकार ने आर्थिक मदद की थी। डॉक्टरों को मोगिलिया को बेहतर इलाज देने के साथ-साथ सरकारी कल्याणकारी योजनाएं देने के निर्देश दिए गए हैं।

सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज के लिए सड़क पर उड़ाई नोटों की गड्डी, लूटने के लिए मच गई अफरा-तफरी!

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के लिए एक युवक को स्टंट करना भारी पड़ गया। पुलिस ने एक सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर को गिरफ्तार किया, जिसने आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के किनारे बीस हजार रुपये का कैश उड़ाते हुए 'मनी हंट' चैलेंज दिया था। इस हरकत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस एक्शन में आ गई। एजेंसी के अनुसार, वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक कैश लेकर अनाउंस करता है कि ओआरआर के किनारे बीस हजार का कैश उड़ाया जा रहा है और लोगों को इसे बटोरने का चैलेंज दिया।

इस युवक का मकसद सोशल मीडिया पर व्यूज और लाइक्स पाना था। युवक की इस हरकत की वजह से सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। इस दौरान रोड सेफ्टी खतरे में पड़ गई। वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने इस मामले में एक्शन लिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना हरकत जानलेवा हो सकती है। राचकोंडा पुलिस कमिश्नर जी सुधीर बाबू ने घटना का संज्ञान लेते हुए केस दर्ज करने का निर्देश दिया।

दिल का दौरा पड़ने से कैदी की मौत

जगतियाल, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल उप-जेल में गुरुवार सुबह रिमांड कैदी क्यातम मल्लेशम 43 वर्ष की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। सुबह मल्लेशम को दिल का दौरा पड़ा। जेल अधिकारियों ने उन्हें तुरंत जगतियाल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मल्लेशम मल्लियाल मंडल के रमन्नापेट का निवासी था।

श्री गोपाल गौशाला में विद्यार्थियों द्वारा गौसेवा कल

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इब्राहिमपट्टनम स्थित 'श्री गोपाल गौशाला' में पिछली कुछ महीनों से नई युवा पीढ़ी ने गो भक्ति, गोसेवा एवं गौ माता के प्रति प्रेम जागृत के उद्देश्य से एक नई पहल प्रारम्भ की गई है। इसके अन्तर्गत स्कूली छात्रों को गौशाला लाकर गोसेवा एवं सनातन संस्कृति के दर्शन कराए जायेंगे। इसी योजना के अन्तर्गत 21 दिसंबर को संघी चैरीटेबल स्कूल, तारनाका के विद्यार्थी गौसेवार्थ श्री गोपाल गौशाला, इब्राहिमपट्टनम पधारेंगे। ज्ञातव्य हो कि इसके पहले श्लोका स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा नवंबर माह में गौशाला में गौसेवा की गई थी। इसे निरंतरता प्रदान करने के उद्देश्य से जनवरी माह में किसी अन्य स्कूल के छात्रों को गौशाला में गौसेवा करने का अवसर प्रदान किया जायेगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रोहित शर्मा का सब्र टूटा

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट से पहले मांगी शमी पर अपडेट, कहा- अब समय आ गया है

मेलबर्न, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा में खेला तीसरा टेस्ट भी खत्म हो चुका है. 5 टेस्ट मैचों में से तीन खत्म होने के बाद सीरीज 1-1 की बराबरी पर है. मतलब अब बाकी बचे दोनों मुकाबले टीम इंडिया को जीतने होंगे. सिर्फ इसलिए नहीं की सीरीज जीतनी है. बल्कि डब्ल्यूटीसी फाइनल के टिकट के लिए भी. भारत को अगले साल डब्ल्यूटीसी खिलाफ बाकी बचे दो टेस्ट में जीत से होकर गुजरता है. यही वजह है कि गाबा टेस्ट के खत्म होने के बाद और मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट से पहले रोहित शर्मा, अपनी तरकस के एक बड़े तीर यानी मोहम्मद शमी पर अपडेट मांगते दिखे हैं.

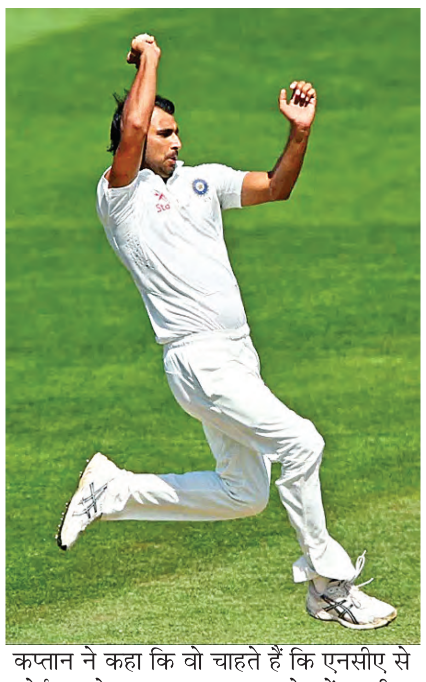

रोहित ने शमी पर मांगी अपडेट

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट से पहले शमी को लेकर एनसीए से अपडेट मांगा है. उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अब सही समय आ गया है. यही सही वक्त है ये जानने का की शमी पर ताजा अपडेट क्या है? भारतीय कप्तान ने कहा कि वो चाहते हैं कि एनसीए से कोई आगे आकर इस मामले में सटीक जानकारी दे.

रोहित ने शमी को लेकर बात ब्रिसबेन में किए प्रेस कॉन्फ्रेंस में की. उन्होंने अपडेट मांगते हुए ये भी बताया कि वो जानते हैं कि शमी फिलहाल घरेलू क्रिकेट में खेल रहे हैं. लेकिन साथ ही साथ उनके घुटने से जुड़ी कुछ समस्या भी है. रोहित ने कहा कि आप नहीं चाहते कि कोई खिलाड़ी भारत से ऑस्ट्रेलिया आए और फिर वो इंजरी के चलते मैच के बीच से बाहर हो जाए. उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आप सब भी जानते हैं कि उस तरह की सिचुएशन में क्या होता है?

रोहित ने आगे कहा कि भारतीय टीम ये जरूर चाहती है कि शमी जल्दी वापसी करें लेकिन वो उन्हें लेकर कोई रिस्क लेने के मूड में भी नहीं है. ऐसे में सबकुछ एनसीए के फैसले पर निर्भर करेगा. उन्होंने कहा कि 100 फीसद नहीं हमें पूरे 200 फीसद स्योर होना पड़ेगा तभी हम शमी को खिलाने का चांस ले सकते हैं. अगर एनसीए को लगता है कि वो रिकवर कर चुके हैं और खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हैं तो मुझे उनके जुड़ने से खुशी होगी.

अश्विन के संन्यास पर सुनील गावस्कर ने की आलोचना

बताया सीरीज के बीच क्यों नहीं लेना था रिटायरमेंट?

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे मुकाबले के बाद दिग्गज खिलाड़ी आर अश्विन ने संन्यास का ऐलान कर दिया। संन्यास लेने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस और पूर्व क्रिकेटर उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। हालांकि बीच सीरीज में अश्विन का संन्यास लेना भारत के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर को पसंद नहीं आया है। उन्होंने फिरकी गेंदबाज की आलोचना की है।

सुनील गावस्कर ने की आलोचना

आर अश्विन ने गाबा टेस्ट मैच के बाद संन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपना फैसला सुनाया और कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में आज उनका आखिरी दिन है। गावस्कर ने कहा कि अश्विन को सीरीज के बाद संन्यास लेना चाहिए था। उन्हें बीच सीरीज में टीम का साथ नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि चयन समिति ने एक दौरे के लिए कई खिलाड़ियों को एक उद्देश्य के साथ चुना है। अगर कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो वे रिजर्व खिलाड़ियों में से किसी को टीम में शामिल कर सकते हैं। इसलिए, सिडनी ऐसी जगह है जहां स्पिनरों के लिए काफी सहायता उपलब्ध है। इसलिए भारत दो स्पिनरों के साथ खेल सकता था।

26 दिसंबर से चौथा मैच

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 26 दिसंबर से खेला जाएगा। इस मैच में आर अश्विन मौजूद नहीं रहेंगे। क्योंकि वह संन्यास के बाद स्वदेश लौटने की तैयारी कर रहे हैं। अब तक खेले गए 3 मैचों में आर अश्विन को 1 ही मैच खेलने का मौका मिला है। एडिलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका मिला था। इस मैच में उन्होंने 1 विकेट लिया था। वहीं इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में अश्विन ने 6 पारियों में 9 विकेट चटकाए थे। दिग्गज खिलाड़ी ने भारत के लिए 106 टेस्ट मैच में 537 विकेट चटकाए हैं।

कोहली के मेलबर्न पहुंचने पर महिला टीवी पत्रकार के साथ बहस हो गई

मेलबर्न, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। विराट कोहली की मेलबर्न पहुंचने पर ऑस्ट्रेलियाई महलि टीवी पत्रकार के साथ बहस हो गई. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 26 दिसंबर से शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले मेलबर्न में विराट कोहली कथित तौर पर एक ऑस्ट्रेलियाई टीवी पत्रकार पर नाराज हो गए. विराट अचानक गुस्सा क्यों हुए? इस बात का कारण अज्ञात है, लेकिन वो कथित तौर पर अपने परिवार की ओर कैमरों के मुड़ने से नाराज थे.

बताया जा रहा है कि विराट कोहली की ऑस्ट्रेलियाई महिला पत्रकार से मेलबर्न एयरपोर्ट पर बहस हुई. विराट अपने परिवार की तस्वीर लेने के मामले को लेकर महिला पत्रकार से भिड़ गए. विराट अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा और बच्चों वामकि कोहली और अकाय कोहली के साथ मेलबर्न एयरपोर्ट पर लैंड हुए थे. तभी ऑस्ट्रेलियाई चैनल 'चैनल 7' की पत्रकार ने उनका वीडियो बनाया, जसि पर विराट भड़क उठे.

विराट ने महलि पत्रकार से अनुरोध किया कि वो उनकी तस्वीरें चलाए मगर उनके परिवार की तस्वीरें डिलीट कर दे. लेकनि पत्रकार ने कोहली की बात नहीं मानी. इसी बात पर कोहली की इस महलि पत्रकार से बहस हो गई. ऑस्ट्रेलिया के कानून के मुताबिक किसी सार्वजनिक स्थल पर किसी भी सेलिब्रिटी की वीडियो या तस्वीर लेने पर कोई पाबंदी नहीं है.चैनल 7 की रिपोर्टर थियो डोरोपोलोस ने 7NEWS पर कहा, 'वहां कैमरों को देख कोहली थोड़े गुस्से में दिखे. उन्हें लगा कि मीडिया उनके बच्चों के साथ उनका वीडियो बना रहा है. यह काफी हद तक एक गलतफहमी है.'

आखिरकार कोहली ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी.उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है- 'अपने बच्चों के साथ मुझे कुछ गोपनीयता चाहिए, आप मुझसे पूछे बिना फिल्म नहीं बना सकते.'

जब उन्हें यह बताया गया कि वास्तव में उनके बच्चों का फिल्मांकन नहीं किया जा रहा है तो उन्होंने मीडिया को स्थिति स्पष्ट करने में एक मिनट का समय लिया और यहां तक कि चैनल 7 के कैमरामैन से हाथ भी मिलाया.

विराट कोहली के ऑस्ट्रेलयि के खिलाफ चल रही सीरीज के प्रदर्शन की बात की जाए तो वह ब्रिस्बेन टेस्ट में 3 रन बनाकर आउट हो गए थे. वहीं एडलिड टेस्ट में वह पहली पारी में 7 और 11 रन बना पाए थे. वहीं सीरीज के सबसे पहले टेस्ट में जोकि पर्थ में हुआ, वहां कोहली पहली पारी में महज 5 रन बना सके, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने नाबाद 100 रनों की पारी खेली. इस तरह कोहली कुल 5 पारियों में 31.50 के एवरेज से महज 126 रन बना पाए हैं.

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगला टेस्ट 26 दिसंबर (बॉक्सगिं डे) से होगा. इससे पहले 18 दसिंबर को हुआ गाबा टेस्ट ड्रॉ पर खत्म हो हुआ था. ऑस्ट्रेलयिा ने इस मैच में अपनी पहली पारी में 445 रन बनाए. फरि भारतीय टीम पहली पारी में 260 रनों पर ऑलआउट हो गई थी. इसके बाद ऑस्ट्रेलयिा ने अपनी दूसरी पारी 89 रनों पर घोषति की थी. इस तरह भारतीय टीम को 275 रनों का स्कोर जीतने के लए मलिा था. लेकनि जब भारत का स्कोर 8/0 हुआ तभी पांचवें दनि खराब रोशनी और बारशि के कारण मैच नहीं हो पााया, बाद में इसे ड्रॉ घोषति कर दयिा गया.

गोल्डी ने एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से होंगी सम्मानित

नालंदा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के नालंद की गोल्डी कुमारी ने थाईलैंड में आयोजित विश्व एबिलिटी स्पोर्ट्स युवा खेलों में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। इस बेहतरीन प्रदर्शन के कारण उन्हें 26 दिसंबर को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया जाएगा।

गोल्डी कुमारी की इस शानदार सफलता से ना सिर्फ बिहार का सम्मान बढ़ा है, बल्कि राज्य के दूसरे खिलाड़ियों का मनोबल भी काफी बढ़ा है। पिछले वर्ष के अविस्मरणीय विश्व खेलों के बाद, प्रथम विश्व एबिलिटीस्पोर्ट युवा खेल एक से सात दिसंबर 2024 तक थाईलैंड में आयोजित किए गए जिसमें एथलेटिक्स, बोशिया, पावरलिफ्टिंग और टेबल टेनिस का खेल कार्यक्रम आयोजित किया गए।

बिहार सरकार खिलाड़ियों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले माह नवम्बर में भारतीय महिला हॉकी टीम ने राजगीर हॉकी स्टेडियम में चीन को 1-0 से हराकर बिहार महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 का खिताब अपने नाम किया था।

बिहार का यही राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अब 2025 में पुरुष हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। इसके साथ ही साथ खेलो इंडिया यूथ गेम्स तथा पैरा गेम्स की भी मेजबानी करेगा।

नई भूमिका में नजर आ सकते हैं धोनी और अश्विन

आईपीएल में ये हो सकता है सीएसके का 'प्लान'

चेन्नई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। आर अश्विन अब इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। गाबा टेस्ट के बाद अश्विन ने ये हैरान कर देने वाला फैसला सुनाया था। अश्विन के ये फैसला सुनकर हर किसी की आंखें नम हो गई थी। अब इंटरनेशनल क्रिकेट तो नहीं बल्कि अश्विन आईपीएल में जरूर खेलते हुए दिखाई देंगे। इस बार आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स ने आर अश्विन को खरीदा था। जिसके बाद एक बार फिर से अश्विन पूर्व कप्तान एमएस धोनी की टीम से खेलते हुए दिखाई देंगे।

क्या अश्विन-धोनी के रूप में सीएसके के मिले नए कोच?

आईपीएल में अश्विन पिछले कई सीजन से राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते आ रहे थे, लेकिन इस बार फ्रेंचाइजी ने उनको रिलीज कर दिया था। जिसके बाद एक बार फिर से सीएसके ने अश्विन पर भरोसा जताया। अब ऐसा माना जा रहा है कि सीएसके को एमएस धोनी और आर अश्विन के रूप में अगली पीढ़ी के नए कोच मिल गए हैं। ये दोनों खिलाड़ी अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं हो सकता ये सीजन उनका आखिरी आईपीएल हो। ऐसे में चेन्नई सुपर किंग्स इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को भविष्य में टीम के कोचिंग स्टाफ में अहम जगह दे सकती है। हालांकि इसके लिए इन दोनों खिलाड़ियों की सहमति जरूरी है।

अश्विन भी अब सीएसके के लिए खेलना चाहते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अश्विन भारत वापस लौट आए हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि, वे अब ज्यादा से ज्यादा और आखिरी समय तक चेन्नई के लिए खेलना चाहते हैं। पहले भी अश्विन सीएसके लिए खेल चुके हैं।

आईपीएल में अभी तक आर अश्विन ने 211 मैच खेले हैं। इस दौरान अश्विन चेन्नई, पंजाब और राजस्थान जैसी टीमों के लिए खेले हैं। आईपीएल में गेंदबाजी करते अश्विन ने 180 विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उनका बेस्ट प्रदर्शन 34 रन देकर 4 विकेट लेना रहा है। इसके अलावा बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 800 रन भी बनाए हैं। जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

पाकिस्तान की टेस्ट टीम से नहीं खेलेंगे शाहीन अफरीदी?

पैसों के लिए उठा सकते हैं ये बड़ा कदम

इस्लामाबाद, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। शाहीन अफरीदी पाकिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने को नजरअंदाज कर सकते हैं. जी नहीं, ये हमारा कहना नहीं है बल्कि खबर ही कुछ ऐसी आ रही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहीन पाकिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने के बजाए बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलते दिख सकते हैं. बांग्लादेश प्रीमियर लीग के 11वें सीजन का जिस वक्त आयोजन होना है, उसी समय पर पाकिस्तान को 4 टेस्ट मैच भी खेलने हैं, जिससे शाहीन अफरीदी दूरी बनाए रख सकते हैं.

अब सवाल है कि ऐसे कयास लगे कैसे? दरअसल, ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि बीपीएल की टीम फॉरच्यून बारीशल के साथ शाहीन अफरीदी ने करार कर लिया है, जो कि इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि वो बीपीएल के अगले सीजन में खेलते दिख सकते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेशी मीडिया ने भी शाहीन अफरीदी और फॉरच्यून बारीशल के बीच हुए करार पर मुहर लगाई है. हालांकि, बीपीएल में उनका खेलना और ना खेलना पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से मिलने वाले एनओसी पर डिपेंड करेगा. फिलहाल, पीसीबी की तरफ से शाहीन को 15 जनवरी 2025 तक की एनओसी मिली है. इसका मतलब है कि शाहीन फॉरच्यून बारीशल के पहले 5 मैचों में भी नहीं खेल पाएंगे, जो कि 30 दिसंबर 2024 से 7 फरवरी 2025 के बीच होने है.

फॉरच्यून बारीशल, जो कि बीपीएल की डिफेंडिंग चैंपियन है, उसके पास पहले से ही काइल मायर्स, डेविड मलान, मोहम्मद नबी, मुस्फिकुर रहीम और तमीम इकबाल जैसे खिलाड़ी हैं. ऐसे में शाहीन अफरीदी का जुड़ना इस टीम की ताकत में और इजाफा करता दिखता है.

शाहीन का बीपीएल में खेलने का फैसला करना उनके पाकिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने के कमिंटमेंट को लेकर चिंता बढ़ाता दिख रहा है. क्योंकि, जिस वक्त पर BPL के 11वें सीजन का आयोजन है, उसी दौरान पाकिस्तान को 2 टेस्ट साउथ अफ्रीका से और 2 अपने घर में वेस्टइंडीज से खेलना है. हालांकि, शाहीन का नाम साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चुने 5 तेज गेंदबाजों में नहीं है, जो कि थोड़ा हैरान करने वाला है. और, इसी वजह से PCB की ओर से उन्हें 15 जनवरी तक की एनओसी फिलहाल मिली हुई है. लेकिन, कहा ये भी जा रहा है इसकी समयसीमा को कभी भी बढ़ाया जा सकता है.

क्या बढ़ेगी बीपीएल में खेलने की एनओसी?

साउथ अफ्रीका दौरे के बाद पाकिस्तान के घर में वेस्टइंडीज के साथ 2 टेस्ट खेलने हैं. इस सीरीज का आयोजन 16 से 28 जनवरी तक होना है. चूंकि पाकिस्तान डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के मौजूदा समीकरण से बाहर है, तो हो सकता है कि पाकिस्तान और शाहीन दोनों टेस्ट में एक-दूसरे को नजरअंदाज करते दिखें. ऐसा हुआ तो देखकर हैरानी भी नहीं होगी. मतलब शाहीन को 15 जनवरी के बाद भी बीपीएल में खेलते रहने की इजाजत मिल सकती है.

टी-20 सीरीज के लिए श्रीलंका टीम का ऐलान

बे ओवल, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका क्रिकेट टीम और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। जिसके लिए श्रीलंका ने अपने दल का ऐलान कर दिया है। टीम में कई खिलाड़ियों को मौका मिला है, जबकि कई खिलाड़ियों का पत्ता साफ हो गया है। श्रीलंका 3 मैच की वनडे और टी-20 सीरीज खेलने के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करने वाली है।

स्टार खिलाड़ी की हुई छुट्टी

टी-20 सीरीज के लिए क्रिकेट श्रीलंका ने टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें दुनिथ वेल्लालागे को मौका नहीं मिला है। वह टी-20 सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। दुनिथ वेल्लालागे स्टार खिलाड़ी के रूप में देखे जाते हैं। 21 साल के इस खिलाड़ी ने इंटरनेशनल मंच पर अपनी गहरी छाप छोड़ी है। बहरहाल सीरीज के लिए कमान चरिथ असलंका को दी गई है।

न्यूजीलैंड ने किया अपने नए कप्तान का ऐलान

वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड ने वनडे और टी-20 फॉर्मेट के लिए नए कप्तान का ऐलान कर दिया है। मिचेल सेंटनर को जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने केन विलियमसन को रिप्लेस किया है। 28 दिसंबर से न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। दूसरा मैच 30 दिसंबर को खेला जाएगा। वहीं तीसरा मैच 2 जनवरी को खेला जाना है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका टीम का स्क्वाड

चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल परेरा, कुसल मेंडिस, अविष्का फर्नांडो, दिनेश चंडीमल। कामिंदु मेंडिस, भानुका राजपक्षे, वानिंदु हसरंगा, चामिंदु विक्रमसिंघे, मथीशा पथिराना, जेफरी वांडरसे, नुवान तुषारा, असिथा फर्नांडो, बिनुरा फर्नांडो, महेश थीक्षाना।

पाकिस्तानी टीम भी भारत में टूर्नामेंट नहीं खेलेगी

आईसीसी मीटिंग में लिया गया फैसला; चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर चल रहा गतिरोध खत्म हो गया है। ये साफ हो गया है कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी में अपने मुकाबले पाकिस्तान में नहीं खेलेगा। यानी सभी मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर ही खेले जाएंगे। आईसीसी की हुई मीटिंग में ये फैसला लिया गया। एक करार के तहत 2024 से 2027 तक भारत में होने वाले सभी आईसीसी टूर्नामेंट में पाकिस्तान टीम भी अपने मैच भारत के बजाए न्यूट्रल वेन्यू पर ही खेलेगा।

इस समझौते के बाद भारत में 2025 वुमेंस वनडे विश्व कप, भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले 2026 टी20 विश्व कप में पाकिस्तान टीम सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू पर ही खेलेगी। यह समझौता 2028 महिला टी20 विश्व कप पर भी लागू हो सकता है, जो अगले इवेंट चक्र का पहला टूर्नामेंट है और जिसे अब पाकिस्तान को दे दिया गया है। न्यूट्रल वेन्यू का प्रस्ताव टूर्नामेंट के मेजबान बोर्ड द्वारा किया जाएगा और उसे आईसीसी द्वारा अनुमोदित किए जाने की जरूरत होगी। इससे परहले जब आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को हाईब्रिड मॉडल में कराने का प्रस्ताव पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को दिया था। तब पीसीबी ने भी आईसीसी के सामने शर्त रखी थी। इसमें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ये कहा था कि उन्हें उसी सूरत में ये प्रस्ताव मंजूर होगा कि भविष्य में भारत में होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट के दौरान वो भी अपने मैच न्यूट्रल वेन्यू पर ही खेलेगा। अब आईसीसी ने इस शर्त को मान लिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भविष्य में भारत के साथ किसी न्यूट्रल वेन्यू पर ट्राई सीरीज की भी मांग की। इस पर आईसीसी ने कहा कि उसे भारत, पाकिस्तान और किसी अन्य एशियाई फुल मेंबर नेशन को शामिल करने वाले ट्राई सीरीज पर कोई आपत्ति नहीं है बशर्ते कि ऐसे टूर्नामेंट किसी न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएं।

विनिसियस जूनियर और बोनमाटी को फीफा का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार

दोहा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। रियल मैड्रिड के स्टार विनिसियस जूनियर को फीफा 'द बेस्ट' पुरस्कार में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी चुना गया जबकि बार्सिलोना की ऐटाना बोनमाटी ने महिला वर्ग में पुरस्कार जीता। 24 वर्ष के विनिसियस को पछाड़कर अक्तूबर में मैनचेस्टर सिटी के रौड्री ने बलोन डिओर जीता था। इसके विरोध में विनिसियस और मैड्रिड टीम ने पेरिस में पुरस्कार समारोह में भाग ही नहीं लिया था।

इस बार रौड्री पांच अंक से विनिसियस से पिछड़ गए। ब्राजील के फॉरवर्ड विनिसियस फीफा के समारोह में पुरस्कार लेने पहुंचे थे। उन्होंने कहा, समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरू करूं। लगा नहीं था कि यहां तक पहुंच सकूंगा। मैं गरीबी और अपराध के लिए बदनाम साओ गोंकालो की गलियों में नंगे पैर सड़क पर फुटबाल खेला करता था। यहां तक पहुंचना मेरे लिए काफी अहम है। मैं उन बच्चों के लिए प्रेरणा बनना चाहता हूं जिन्हें लगता है कि सब कुछ असंभव है।

स्पेन की मिडफील्डर बोनमाटी ने लगातार दो साल बलोन डिओर जीतने के बाद यह पुरस्कार जीता। उन्होंने कहा, जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं कि यह टीम प्रयासों से मिला है। यह साल बहुत शानदार रहा। मैं अपने क्लब, साथी खिलाड़ियों और सभी को धन्यवाद देती हूं। दोनों पुरस्कारों के लिए 11 खिलाड़ियों को नामित किया गया था जिसके बाद मौजूदा कप्तानों, कोचों, प्रशंसकों और मीडिया के वोट से विजेता का चयन हुआ। इसके लिए 21 अगस्त 2023 से 10 अगस्त 2024 के प्रदर्शन को आधार रखा गया।

फॉर्मूला ई रेस के मामले में केटीआर के खिलाफ मामला दर्ज

पूर्व नगर प्रशासन और शहरी विकास (एमएयूडी) के प्रमुख सचिव अरविंद कुमार को दूसरा आरोपी बनाया

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने पिछले साल फरवरी में हैदराबाद में फॉर्मूला ई कार रेसिंग इवेंट लाने में कथित अनियमितताओं के संबंध में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री के टी रामाराव के खिलाफ गुरुवार को मामला दर्ज किया।

वे पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के पुत्र है। इस मामले में केटीआर को मुख्य आरोपी बनाया गया है, जबकि पूर्व नगर प्रशासन और शहरी विकास (एमएयूडी) के प्रमुख सचिव अरविंद कुमार को दूसरा आरोपी और हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के पूर्व मुख्य अभियंता बीएलएन रेड्डी को तीसरा आरोपी बनाया गया है। यह मामला धन और भुगतान के कथित कुप्रबंधन से संबंधित है, जो उस समय किया गया जब केटीआर राज्य के एमएयूडी के मंत्री थे, जिसने फार्मूला ई रेस को राजधानी शहर में लाने की दिशा में काम किया था। एफआईआर के अनुसार केटीआर अरविंद कुमार को भुगतान करने के लिए अधिकृत करने से पहले कैबिनेट से मंजूरी लेने में विफल रहे। एसीबी ने आरोप लगाया कि एचएमडीए ने आरबीआई के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते हुए विदेशी कंपनी फॉर्मूला ई ऑर्गनाइजर्स (एफओई) को दो किस्तों में 45 करोड़ रुपये का भुगतान किया। एफआईआर में कहा गया है कि आरबीआई ने अनधिकृत लेनदेन के लिए तत्कालीन तेलंगाना सरकार पर 8 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था, जिसे बाद में पिछले साल के अंत में सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार ने चुकाया था।

एफआईआर के अनुसार, जब नई सरकार ने जांच की कि आरबीआई ने जुर्माना क्यों लगाया था, तो फॉर्मूला ई रेस इवेंट के संचालन में कथित उल्लंघन और वित्तीय अनियमितताओं का पता चला, जिसके बाद एसीबी ने अपनी जांच शुरू की।

एफआईआर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के साथ-साथ आईपीसी की धारा 409 (आपराधिक विश्वासघात) और 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत दर्ज की गई है। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा द्वारा केटीआर पर मुकदमा चलाने की सहमति दिए जाने के बाद यह मामला दर्ज किया गया। बुधवार को केटीआर ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर कहा कि फॉर्मूला ई मामले पर विधानसभा में चर्चा होनी चाहिए ताकि तेलंगाना के लोगों को पता चले कि वास्तव में क्या हुआ था। दिसंबर 2023 में सत्ता में आने के बाद सीएम रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार के कई मंत्रियों ने फॉर्मूला ई रेस के संचालन में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। एक अधिकारी ने कहा, एक मुख्य आरोप यह है कि केटी रामाराव ने कैबिनेट से आवश्यक मंजूरी नहीं ली। यह पैसा ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं के खातों में स्थानांतरित किया गया, जिनमें एक विदेशी फर्म भी शामिल है, जिनका दौड़ के आयोजन से कोई संबंध नहीं था। तेलंगाना विधानसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी थी और आदर्श आचार संहिता लागू थी और दौड़ आयोजित करने के लिए दूसरा समझौता चुनाव आयोग की अनुमति के बिना किया गया था। केटीआर ने इस आयोजन के लिए किए गए भुगतान में किसी भी तरह की अनियमितता से इनकार किया। उन्होंने कहा कि रेस की मेज़बानी का फ़ैसला हैदराबाद की छवि को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए किया गया था। वर्ष 2022 के अंत में, नगर प्रशासन ने फॉर्मूला ई सीजन 9, 10, 11 और 12 की मेजबानी के लिए एफईओ और ऐस नेक्स्ट जेन प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। नौवां सीजन 10 और 11 फरवरी, 2023 को हैदराबाद में आयोजित किया गया था। एसीबी के अनुसार, ऐस नेक्स्ट जेन नौवें सीजन के बाद बाहर हो गया, लेकिन जब एफईओ ने 10वें सीजन के साथ आगे बढ़ने की इच्छा व्यक्त की, तो अरविंद कुमार ने एफईओ को पाउंड में 45 करोड़ रुपये के हस्तांतरण को अधिकृत किया। एफआईआर में कहा गया है कि कांग्रेस सरकार द्वारा अरविंद कुमार को जारी नोटिस के जवाब में कि आरबीआई ने जुर्माना क्यों लगाया और 45 करोड़ रुपये का भुगतान क्यों किया गया, उन्होंने कहा कि उन्होंने सक्षम प्राधिकारी यानी तत्कालीन एमएयूडी मंत्री केटीआर से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद दो किस्तों में धन हस्तांतरित किया था। एफआईआर पर प्रतिक्रिया देते हुए वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि केटीआर को वैश्विक स्तर पर हैदराबाद की छवि सुधारने की कोशिश के लिए निशाना बनाया जा रहा है। आरोपों पर केटीआर ने पहले कहा था कि दौड़ आयोजित करने के लिए समझौते करने में कुछ भी अवैध नहीं किया गया था।

सीपी ने मृत पुलिसकर्मियों के परिवारों को वित्तीय सहायता दी

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू ने मृत राचकोंडा पुलिसकर्मियों के परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की। सहायक रिजर्व उप-निरीक्षक श्रीनिवासुलु के परिवार के सदस्यों, जिनकी हाल ही में राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय के तहत यदाद्री भुवनगिरी सशस्त्र पुलिस मुख्यालय में काम करते समय मृत्यु हो गई, और रामन्नापेट हेड कांस्टेबल ज्ञान श्यामसुंदर राव, जिनकी सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई, को कार्यालय में सुरक्षा जांच सौंपी गई। राचकोंडा सीपी नेरडमेड सीपी कार्यालय में सहायक रिजर्व उप-निरीक्षक श्रीनिवासुलु की पत्नी सुनीता को सुरक्षा से 7,94,120 लाख रुपये का चेक दिया गया और हेड कांस्टेबल ज्ञान श्यामसुंदर राव की पत्नी ज्योति को सुरक्षा से 15,94,960 लाख रुपये का चेक दिया। सीपी ने उनका हालचाल जाना और मंत्रालयिक कर्मचारियों को उचित कदम उठाने के निर्देश दिए ताकि उन्हें मिलने वाली पेंशन जल्द से जल्द मिल सके। सीपी ने आश्वासन दिया कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों ने कई वर्षों तक पुलिस विभाग में प्रतिबद्धता के साथ काम किया है, वे ऐसी गंभीर परिस्थितियों में हर संभव तरीके से खड़े रहेंगे। कार्यक्रम में राचकोंडा एडिशनल डीसीपी एडमिन के. शिवकुमार, पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सी.एच. भद्रा रेड्डी एवं परिवार के सदस्यों ने भाग लिया।

सीएम ने एसआईटी के गठन का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज विधानसभा में हरीश राव की टिप्पणियों का जवाब दिया। विपक्ष के अनुरोध पर, राज्य सरकार आउटर रिंग रोड (ओआरआर) टोल अनुबंध की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करेगी।

हरीश राव की याचिका पर विचार करते हुए, हम सदन में सभी सदस्यों की मंजूरी से विस्तृत जांच का आदेश दे रहे हैं। हम इस मुद्दे पर कैबिनेट की बैठक में भी चर्चा करेंगे और प्रक्रिया तैयार करेंगे।

मोबाइल चोरी करने वाले दो गिरफ्तार, 51 सेल फोन बरामद

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एस.आर.नगर पी.एस. की क्राइम टीम ने हैदराबाद के हाईटेक सिटी रेलवे स्टेशन के पास से संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में गोविंद भंडारी उर्फ पद्मा निवासी नेपाल, हिकमत रावल निवासी नेपाल शामिल हैं। दोनों आरोपियों ने छात्रावासों की पहचान की। फिर सुबह-सुबह छात्रावास के कमरे में घुसकर मोबाइल फोन चुरा लेते थे। फिर वे नेपाल में सेल फोन को ठिकाने लगाने की योजना बना रहे हैं। सहायक पुलिस आयुक्त पश्चिम क्षेत्र, हैदराबाद.पी.वेंकटरमण ने बताया कि दोनों आरोपी रिश्तेदार हैं। दोनों नेपाल से हैं और 6 साल से हैदराबाद में रह रहे हैं।

आसानी से पैसे कमाने के लिए, उन्होंने चुनिंदा छात्रावासों में सेल फोन की चोरी करना शुरू कर दिया, जहाँ वे कमरों में प्रवेश कर सकते थे। पिछले 6 महीनों से, वे चुनिंदा छात्रावासों और बैचलर्स के कमरों से सेल फोन चुरा रहे हैं। उन्होंने हैदराबाद और साइबराबाद कमिश्नरेट में कई अपराध किए। पुलिस ने उनके कब्जे से 51 मोबाइल फोन जब्त किए। जिनमें से 27 की पहचान की गई और हैदराबाद और साइबराबाद कमिश्नरेट के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में अलग-अलग मामले दर्ज किए गए। शेष 24 सेल फोन की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। शेष सेल फोन मालिकों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

पी.वेंकटरमण, सहायक पुलिस आयुक्त, एस.आर. नगर डिवीजन की देखरेख में, टी. श्रीनाथ रेड्डी, स्टेशन हाउस ऑफिसर और एम.गोपाल, डिटेक्टिव इंस्पेक्टर, एस.आर. नगर पी.एस. के कुशल मार्गदर्शन में वाई.सूरज, पुलिस एसआई रमण मूर्ति आदि की सहायता से आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

केटीआर ने अदाणी मुद्दे पर दोहरे मापदंड के लिए राहुल गांधी की आलोचना की

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला किया, उन पर और उनकी पार्टी पर उद्योगपति गौतम अदाणी पर उनके रुख के संबंध में स्पष्ट विरोधाभास और दोहरे मापदंड का आरोप लगाया। राहुल गांधी को संबोधित एक पत्र में, केटीआर ने अदाणी के खिलाफ कांग्रेस की राष्ट्रीय बयानबाजी और टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना में इसके कार्यों के बीच असमानता को उजागर किया।

केटीआर ने बताया कि जहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) अदाणी के विरोध और मोदी सरकार द्वारा कथित भ्रष्टाचार के बारे में मुखर रही है, वहीं इसके तेलंगाना नेतृत्व ने विरोधाभासी रुख अपनाया है। केटीआर ने लिखा, एक तरफ आपकी पार्टी गौतम अदाणी के कथित क्रोनी कैपिटलिज्म के खिलाफ लड़ने का दावा करती है, दूसरी तरफ तेलंगाना में आपके मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अदाणी समूह के लिए लाल कालीन बिछा दिया है। केटीआर ने 18 दिसंबर को टीपीसीसी के 'चलो राजभवन' कार्यक्रम की आलोचना की, जो अदाणी से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा था।

उन्होंने रेवंत रेड्डी के कार्यों का हवाला देते हुए अभियान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया, जिसमें इस साल की शुरूआत में दावोस में विश्व आर्थिक मंच में अदाणी समूह के लिए प्रमुख सौदों की सुविधा देना शामिल है। केटीआर ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने दावोस शिखर सम्मेलन के दौरान अदाणी समूह के लिए हजारों करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में बिजली बिल संग्रह परियोजना को अदाणी को सौंपकर उसका निजीकरण करने की योजना चल रही थी।

पात्र लोगों को मिले इंदिरम्मा हाउस योजना का लाभ

जिला कलेक्टर ने दिए कर्मचारियों को निर्देश

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि उन लोगों को लाभान्वित किया जा सके जो इंदिरम्मा हाउस योजना के माध्यम से पात्र हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा कराया जाने वाला मोबाइल एप सर्वे को बेहतर तरीके से कराया जाना चाहिए। कोतुर मंडल के पेंजरला गांव में इंदिरम्मा हाउस सर्वे की कलेक्टर ने सी. नारायण रेड्डी ने जांच की। उन्होंने कहा कि इंदिरम्मा हाउस योजना के लिए सर्वेक्षक घर-घर जा रहे हैं। लोक प्रशासन में आवेदन करने वाले आवेदकों का विवरण एकत्रित करना चाहिए। कलेक्टर ने स्थिति की जांच कर उन्हें निर्देश दिये। प्रति दिन कितने परिवारों का विवरण दर्ज करना? सर्वेक्षण के दौरान मैदानी स्तर पर कोई समस्या आ रही है? पूछताछ की। उन्होंने कहा कि सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, आवेदकों का विवरण त्रुटि होना चाहिए। ऑनलाइन मोबाइल ऐप में

सावधानीपूर्वक पंजीकरण करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि योजना के अनुसार माह के अंत तक सर्वेक्षण पूरा कर लिया जाना चाहिए।

पात्रता परिवारों के लिए सरकारी प्राथमिकता क्रम की एक सतत प्रक्रिया के रूप में इंदिरम्मा मकानों के अनुदान के दृष्टिगत आवेदकों का विवरण पंजीयन में गलतियों के बिना सावधानियों का पालन करने की सलाह दी जाती है। इस मौके पर कलेक्टर ने सुझाव दिया कि सचिव से संपर्क किया जा सकता है। इसके बाद पेंजराला गांव में स्वास्थ्य उपकेंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जानकारी ली कि हर दिन औसतन कितने मरीज आते हैं? क्या गर्भवती महिलाओं के लिए उचित दवाएं और परीक्षण किए जा रहे हैं।

कलेक्टर ने मेघना नाम की महिला से बात की और जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गर्भपात को रोकने के लिए पर्याप्त उपचार उपलब्ध कराया जाना चाहिए। सरकारी डॉक्टरों और कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि अस्पतालों में अधिक से अधिक प्रसव हों।

जुपल्ली ने आरजीआई एयरपोर्ट पर तेलंगाना पर्यटक सूचना केंद्र का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने गुरुवार को शमशाबाद में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तेलंगाना पर्यटन सूचना केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा किए जा रहे सुधारों के हिस्से के रूप में, वे पर्यटकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन सूचना केंद्र की स्थापना घरेलू और विदेशी आगंतुकों के लिए तेलंगाना में ग्रीन होटल, टूर पैकेज, आरक्षण और रूट मैप्स सहित पर्यटन स्थलों की जानकारी प्रदान करने के लिए की गई है, जो राज्य के प्रसिद्ध विरासत स्थलों, समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और आश्चर्यजनक प्राकृतिक दृश्यों को देखने आते हैं। सूचना केंद्र आगंतुकों के लिए सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक खुला रहेगा। पर्यटन निगम पहले से ही दिल्ली में बशीरबाग, बेगमपेट पर्यटन प्लाजा, कुकटपल्ली, सिकंदराबाद यात्री निवास, शिल्परमम और तेलंगाना भवन में सूचना और आरक्षण केंद्र संचालित कर रहा है। मंत्री ने आगे कहा कि राज्य पर्यटन निगम आने वाले दिनों में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से और अधिक नवाचार शुरू करेगा।

फर्नीचर वर्कशॉप में लगी भीषण

तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदन्नापेट में एक फर्नीचर वर्कशॉप में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, आग ओल्ड ईदगाह मदन्नापेट के सामने स्थित सुपर फर्नीचर वर्क्स में लगी और तेजी से तीन दुकानों में स्थित वर्कशॉप में फैल गई। सूचना मिलने पर मालकपेट, चंद्रयानगुट्टा, मुशीराबाद और मोगलपुरा से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। डीआरएफ की टीमें और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और अग्निशमन कर्मियों की मदद की।

चूंकि शटर बंद थे, इसलिए डीआरएफ कर्मियों ने उन्हें सरियों से तोड़ा और बाद में कटर का इस्तेमाल किया। दमकल कर्मियों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने तेज आवाज सुनी और बाद में परिसर में आग की लपटें देखीं।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने विधान परिषद में गुरुकुल पर संक्षिप्त चर्चा की

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने विधान परिषद में गुरुकुलों पर संक्षिप्त चर्चा की। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से आज तक यह कई कार्यक्रम लेकर आया है।

नेहरू के विचारों के अनुरूप यदि विश्व के शीर्ष सीईओ में भारतीय भी हों तो आईआईएम की तरह आईआईटी की भी स्थापना होनी चाहिए। शिक्षा व्यवस्था को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए गुरुकुल विद्यालय लाया गया। बदलते समय के साथ शिक्षा व्यवस्था भी बदलती रहती है। एक छात्र नेता के रूप में उन्हें शिक्षा व्यवस्था की समझ है। हम ऐसे कार्यक्रम कर रहे हैं जो पिछले 10 वर्षों में नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि आप रचनात्मक सुझाव दे सकते हैं। गुरुकुल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को मार्गदर्शन देने का कोई तरीका होना चाहिए। हम तेलंगाना में उपेक्षित व्यवस्था में कई बदलाव कर रहे हैं। हमने अम्मा आदर्श स्कूलों के माध्यम से 1100 करोड़ से बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया है। बिजली शुल्क का भुगतान सरकार द्वारा किया जाता है। पीने का पानी सरकार द्वारा उपलब्ध कराया जाता हैशिक्षकों की अधीरता को दूर करने के लिए हमने लंबे समय से लंबित प्रमोशन दिए हैं। हमने ट्रांसफर किए हैं। शिक्षकों की नियुक्ति कर ली गई। मॉडल स्कूल में 14 साल से कोई ट्रांसफर नहीं हुआ। लेकिन हमने उनका ट्रांसफर किया है।दशहरे की छुट्टियों के बाद गुरुकुलों में ताले लगे तो हमने किराया देना शुरू कर दिया। गुरुकुल स्थापित किये गये। उन्होंने अपने भवन नहीं बनाये। हॉस्टल में फूड पॉइजनिंग न हो इसके लिए अधिकारी समय-समय पर जांच कर रहे हैं। अगर ऐसी घटनाएं होती हैं तो हम कार्रवाई कर रहे है। हमें लगता है कि तेलंगाना के आने के बाद पहले से ज्यादा बदलाव होंगे। सुधार के लिए अभी उठाए गए कदम उठा रहे हैं।'

राजनीतिक दलों ने वर्षों तक मुद्दों पर कभी बात नहीं की। आपने खुलकर बोलने का अधिकार नहीं दिया। हॉस्टल के बच्चों के भविष्य के बारे में आपने कभी कुछ नहीं कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि छात्रावास में जहां भी परेशानी होगी, उसकी जिम्मेदारी आपकी है। गुरुकुल में रोजगार गारंटी के माध्यम से कूड़ा-कचरा और झाड़-झंखाड़ साफ करने का काम किया गया है। यदि एक हजार गुरुकुल हैं तो केवल 300 के पास ही अपने भवन हैं। नए एकीकृत आवासीय विद्यालय बन रहे हैं। हम प्रति निर्वाचन क्षेत्र चार स्थापित कर रहे हैं। विषाक्तता के मामलों को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा समितियाँ स्थापित की गई हैं। हम उन्हें रोकने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। हम राज्य भर के सभी एससी एसटी बीसी अल्पसंख्यक गुरुकुलों में एक ही मेनू रखने के लिए कदम उठा रहे हैं। निम्स ने अन्य आहार विशेषज्ञों के साथ इसकी व्यवस्था की। शिक्षा का अधिकार कानून लाया गया है।

कृषि मंत्री ने कृषि विश्वविद्यालय के डायमंड फेस्टिवल व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि, सहकारिता और हथकरघा कपड़ा राज्य मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने सुझाव दिया कि कल आयोजित होने वाले कृषि विश्वविद्यालय के डायमंड फेस्टिवल की व्यवस्था पूरी तरह से होनी चाहिए। महिला किसानों के बैठने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। आज सुबह मंत्री ने कृषि सचिव, एपीसी एम. रघुनंदन राव, कमिश्नर बी. गोपी के साथ पीजेटीएयू स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ऑडिटोरियम, राजेंद्रनगर का निरीक्षण किया। कुलपति प्रोफेसर अल्दास जनैया और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्री को की जा रही व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि कार्यक्रमों के प्रबंधन में समय-सारणी का पालन करें और ऐसी व्यवस्था करें जिससे किसानों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। इसे किसानों के लिए उपयोगी बनाने के लिए परिसर में उपयुक्त प्रदर्शनियां लगाई जाएं। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, तुम्मला नागेश्वर राव ने दौरे एवं भाषण कार्यक्रमों में समय की पाबंदी रखने की सलाह दी।

एसएससी बोर्ड परीक्षाओं की संभावित समय-सारणी जारी

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसएससी (माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र) सार्वजनिक परीक्षाएं, मार्च-2025, तेलंगाना में 21 मार्च, 2025 से 4 अप्रैल, 2025 के बीच आयोजित की जाएंगी, यह जानकारी गुरुवार को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, तेलंगाना द्वारा जारी अस्थायी समय सारिणी में दी गई है। संभावित समय सारणी इस प्रकार है : पहली भाषा (21 मार्च, 2025), दूसरी भाषा (22 मार्च, 2025), तीसरी भाषा अंग्रेजी (24 मार्च, 2025), गणित (26 मार्च, 2025), विज्ञान भाग-I भौतिक विज्ञान (28 मार्च, 2025), विज्ञान भाग- II जैविक विज्ञान (29 मार्च, 2025), सामाजिक अध्ययन (2 अप्रैल, 2025), ओएसएससी मुख्य भाषा पेपर- I (संस्कृत और अरबी) और एसएससी व्यावसायिक पाठ्यक्रम (सिद्धांत) 3 अप्रैल को, ओएसएससी मुख्य भाषा पेपर- II (संस्कृत और अरबी) 4 अप्रैल, 2024 को। सभी परीक्षाएं सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे के बीच आयोजित की जाएंगी।

बालानगर पुलिस ने डकैती के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बालानगर पुलिस ने डकैती के दो अपराधियों को गिरफ्तार किया। सीसीटीवी फुटेज का उपयोग करके और भागने के रास्ते पर लगे 50 से अधिक कैमरों का विश्लेषण करके और सीडीआर का विश्लेषण करके उन्होंने सोने की चेन और दो मोबाइल फोन से जुड़े संपत्ति अपराध का पता लगाया। एसीपी, बालानगर डिवीजन जी. हनुमंत राव ने बताया कि शिकायतकर्ता बैचू सतीश निवासी पद्म नगर फेज-II, चिंतल, कुतुबुल्लापुर, बालानगर, ने शिकायत दर्ज कराई कि वह बीते 5 दिसंबर को रात लगभग 12.25 बजे अपना काम पूरा करने के बाद लगभग रात एक बजे अपनी बाइक पर घर जा रहा था।

जैसे ही वह बालानगर में उषा कंपनी के मुख्य द्वार पर पहुंचा, उसी समय आरोपी शेख समीर उर्फ हैदर और मोहम्मद हुसैन ने शिकायतकर्ता को रोका, जिसके कारण वह बाइक से नीचे गिर गया। तुरंत ही आरोपी व्यक्ति हुसैन ने पीड़ित की बाइक चुरा ली, जबकि मुख्य आरोपी शेख समीर उर्फ हैदर एक्टिवा पर उसकी मदद करने का नाटक कर रहा था। हुसैन ने बाइक को डी-मार्ट, बालानगर के पास सड़क के किनारे पार्क कर दिया।

इसी दौरान आरोपियों ने पीड़ित का मोबाइल फोन, नकदी और सोने की चेन मारपीट कर छीन लिया। पुलिस के मुताबिक शेख समीर उर्फ हैदर मूल रूप से सेडम (डी), कर्नाटक राज्य का निवासी है और वर्तमान में शापुरनगर, जीडीमेटला में रहता है और प्लंबर का काम करता था। जबकि दूसरा आरोपी मोहम्मद हुसैन गोलकुंडा का निवासी है और रेडियम की दुकान में काम करता है। अपनी बुरी आदतों के कारण उन्होंने कोई संपत्ति संबंधी अपराध करने की योजना बनाई। अपनी योजना के अनुसार उषा कंपनी के पास, बालानगर पीएस सीमा में डकैती की।

ई सी जी सी ECGC
ECGC Limited
(A Government of India Enterprise)

ईसीजीसी लिमिटेड, विशाखापट्टनम शाखा,
42-1-45/1/1, न्यू इन्वेस्टमेंट बिल्डिंग, एलआईसी एनेक्स बिल्डिंग,
थिक्काना रोड, , विशाखापट्टनम 530 004.
में स्थित 2800 वर्गफुट के कार्यालय परिसर में

सिविल कार्य
आंतरिक फर्निशिंग
विदयुत और एसी कार्य

के आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए प्रतिष्ठित ठेकेदारों को अपनी निविदाएं प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करता है।

अधिक जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाइट www.ecgc.in का संदर्भ लें।
आवेदन, विज्ञापन के इक्कीस दिनों के भीतर- 'शाखा प्रबंधक, ईसीजीसी लिमिटेड, विशाखापट्टनम शाखा, पहली मंजिल, शंकर प्लाज़ा, शंकर मट्टम मंदिर के सामने, शंकर मट्टम रोड, विशाखापट्टनम 530 016' को प्रेषित करें।
टेली.- 0891-2748653/654

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.